सुप्रभात
रांची, गुरुवार
24.04.2025
नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

# खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | बैशाख, कृष्ण पक्ष, एकादशी, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 279 | 12

प्रधानमंत्री आज जायेंगे मधुबनी

## न्यूज डायरी

### नियंत्रण रेखा पर दो घुसपैठिये मारे गये

**श्रीनगर।** उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बुधवार को घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी गयी। सेना ने दो आतंकवादियों को मार गिराया। सेना के अधिकारी ने बताया कि भारी गोलीबारी में दो घुसपैठिए मारे गये। आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और युद्ध संबंधी अन्य सामान बरामद किया गया है।

### ईडी ने बोकारो उपायुक्त कार्यालय में दी दबिश

**बोकारो।** ईडी ने बुधवार की शाम बोकारो डीसी ऑफिस में सर्वे किया। सर्वे का उद्देश्य बोकारो भूमि घोटाले की जांच से संबंधित आवश्यक दस्तावेज लेना है। सर्वे के दौरान इडी कार्यालय से जमीन के मामले में भेजे गये पत्रों को जब्त किया। भूमि घोटाले की जांच के दौरान ईडी ने मंगलवार को बोकारो के डीएफओ, सीओ और पुरूलिया के सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में सर्वे कर जमीन से जुड़े आवश्यक दस्तावेज जब्त किये थे। घोटाले के सिलसिले में डीसी कार्यालय से पत्राचार किये गये हैं। ईडी को मामले की जांच में इन पत्रों और दस्तावेज की भी जरूरत है।

### सर्वदलीय बैठक बुलाये सरकार : कांग्रेस

**नयी दिल्ली।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सरकार को आतंकवाद से निपटने की रणनीति पर विचार करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने पहलगाम आतंकवादी हमले पर कहा कि यह देश पर सीधा हमला है। इसकी जिम्मेदारी पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन ने ली है जिसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए। उन्हें सर्वदलीय बैठक बुलाकर कुछ सलाह लेनी चाहिए। यह राजनीति नहीं है और हम इस स्थिति में राजनीति नहीं चाहते। कांग्रेस आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए सरकार के साथ समन्वय, सहयोग और साझेदारी करने को प्रतिबद्ध है।

### निर्मला सीतारमण यात्रा रोक लौट रही हैं स्वदेश

**नयी दिल्ली।** कश्मीर के पलहगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के कारण अमेरिका और पेरू की 10 दिवसीय यात्रा पर गयीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपनी यात्रा को बीच में स्थगित कर स्वदेश लौट रहीं हैं। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर यह जानकारी देते हुए कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री अमेरिका-पेरू की अपनी आधिकारिक यात्रा को बीच में ही रोककर भारत आ रही हैं। इस कठिन और दुखद समय में वे हमारे लोगों के साथ रहने के लिए जल्द से जल्द उपलब्ध उड़ान से भारत आ रही हैं।

पीएम मोदी ने सीसीएस की बैठक की

# आतंकी और आका पर कठोर प्रहार

## पहलगाम हमला

■ बैठक के दौरान कमेटी ने जम्मू-कश्मीर में स्थिति की भी समीक्षा

एजेंसी

**नयी दिल्ली।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद देश में सुरक्षा को लेकर उच्च स्तर पर चिंतन और कार्रवाई लगातार जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली लौटने के तुरंत बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की आपात बैठक बुलायी। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और अन्य शामिल रहे। बता दें कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। सुरक्षा मामलों की कैबिनेट मीटिंग (सीसीएस) में आतंकी और उसके सबसे बड़े आका पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े फैसले लिये गये।

### भारत ने पांच बड़े फैसले लिये

- 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित।
- एकीकृत चेकपोस्ट अटारी तत्काल प्रभाव से बंद। जो वैध स्वीकृति के साथ सीमा पार गये हैं, वे एक मई 2025 से पहले वापस लौट सकते हैं।
- पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीजा छूट योजना के तहत भारत यात्राकी अनुमति नहीं। भारत में मौजूद पाक नागरिक 48 घंटे में भारत छोड़ने का आदेश।
- नयी दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित किया जाता है। उनके पास भारत छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय है।
- भारत इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से अपने रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को वापस बुलाएगा। संबंधित उच्चायोगों में ये पद निरस्त माने जायेंगे।

### पहलगाम हमले का ऐसा जवाब देंगे कि दुनिया देखेगी: रक्षा मंत्री

**नयी दिल्ली।** पहलगाम हमले के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकियों को सीधे ललकारते हुए कहा कि नापाक साजिश रचने वालों को ऐसा जवाब दिया जायेगा कि पूरी दुनिया देखेगी। भारत ऐसे हमलों से कभी नहीं डरेगा और हम पर्दे के पीछे छिपे लोगों को भी मुंहतोड़ जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के चलते भारत इस हमले की साजिश की तह तक जायेगा और हम जोरदार तरीके से जवाब देंगे। रक्षा मंत्री बुधवार शाम को नयी दिल्ली में 'अर्जन सिंह स्मृति व्याख्यान' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कल पहलगाम में धर्म को निशाना बनाते हुए आतंकवादियों के कायरतापूर्ण हमले में हमारे देश ने अनेक निर्दोष नागरिकों को खोया है। उन सभी परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्होंने इस दुखद समय में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

## आतंकवादियों में दो पाकिस्तान के नागरिक, तीन के स्केच जारी

■ जिनके स्केच किये गये जारी वो आसिफ फूजी, सुलेमान शाह और अबू तल्हा हैं।

एजेंसी

**श्रीनगर।** सुरक्षा एजेंसियों ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में शामिल तीन आतंकवादियों के स्केच जारी किये हैं। बैसरन के घास के मैदान में नागरिकों पर हुए आतंकी हमले में शामिल संदिग्धों की पहचान आसिफ फूजी, सुलेमान शाह और अबू तल्हा के रूप में हुई है। आतंकियों का स्केच जारी करने के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने जनता से भी किसी भी सुराग के लिए सहयोग की अपील की है। शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, हमलावरों ने एके-47 राइफल लैस होकर करीब 20 मिनट तक गोलियां चलायी, जिससे शांत पहाड़ी इलाका खौफनाक मंजर में बदल गया। प्रारंभिक जांच से परिचित एक अधिकारी ने कहा, वहां अफरा-तफरी मची हुई थी। लोग चीख रहे थे, छिपने के लिए भाग रहे थे। चारों तरफ खून-खराबा, दहशत का माहौल था।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, यह न केवल निर्दोष लोगों के जीवन पर हमला था, बल्कि कश्मीर में शांति की वापसी के प्रयास पर भी हमला था। यह कश्मीर के इतिहास में सबसे घातक आतंकवादी हमलों में से एक है। उन्होंने लोगों से किसी भी सुराग को साझा करने का आग्रह किया है।

**आतंकिया में दो पाकिस्तानी नागरिक :** अधिकारियों का मानना है कि हमले में तीन से चार आतंकवादी शामिल थे। इनमें से दो की पहचान पाकिस्तानी नागरिक के रूप में हुई है और बाकी स्थानीय आतंकी हैं। सभी वे लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और उसके प्रॉक्सी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) से जुड़े हैं। टीआरएस ने तो हमले की जिम्मेवारी भी ली है। इस डरावनी घटना को घाटी के हाल के इतिहास में सबसे भयावह आतंकवादी हमलों में से एक बताया जा रहा है।

### जम्मू-कश्मीर सरकार मृतकों के परिजनों को देगी 10-10 लाख

■ घायलों को 2-2 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों को 1-1 लाख रुपये मिलेंगे

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हमले में कई बेगुनाह लोगों ने अपनी जान गंवायी है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस दुखद घटना के बाद जम्मू-कश्मीर सरकार ने पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मुआवजे की घोषणा की है। जम्मू कश्मीर सरकार ने सभी मृतक के परिजनों के लिए 10-10 लाख रुपये और घायलों के लिए 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है। वहीं, मामूली रूप से घायलों के लिए 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस संबंध में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी।

गृह मंत्री अमित शाह ने घटनास्थल का किया दौरा, सुरक्षा की स्थिति का लिया जायजा

## एनआइए ने आतंकी हमले की जांच शुरू की

एजेंसी

**श्रीनगर।** कश्मीर घाटी के प्रमुख पर्यटन स्थल पहलगाम के बैसरन क्षेत्र में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को घटनास्थल का दौरा किया और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। गृह मंत्री ने हेलीकॉप्टर से इलाके का हवाई निरीक्षण किया और फिर बैसरन घास के मैदान पर उतरकर घटनास्थल का मुआयना किया। उनके साथ शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने वहां चल रही कार्रवाई और सुरक्षा इंतजामों की जानकारी दी। इससे पहले अमित शाह ने श्रीनगर के पुलिस कंट्रोल रूम में पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी और उनके परिजनों से मुलाकात कर संवेदना जतायी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर कहा, पहलागाम आतंकी हमले के मृतकों को भारी मन से अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

इस बीच, राष्ट्रीय जांच एजेंसी-एनआईए की एक टीम भी बुधवार को बैसरन पहुंची। इस टीम का नेतृत्व डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल स्तर के अधिकारी कर रहे हैं। यह टीम जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर जांच में मदद करेगी। बता दें कि गृह मंत्री के दौरे से साफ है कि केंद्र सरकार इस हमले को गंभीरता से ले रही है और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की दिशा में पूरी ताकत से जुटी है।

आतंकवादी हमले में मारे गये निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देते गृह मंत्री

### सीएम ने बुलायी सर्वदलीय बैठक

**श्रीनगर।** मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलायी है। उमर अब्दुल्ला ने बैठक के लिए सभी राजनीतिक दलों, जम्मू-कश्मीर के सांसदों और विधानसभा में विपक्ष के नेता को आमंत्रित किया है। बैठक दोपहर 3:00 बजे श्रीनगर में एसकेआईसीसी में होगी। यह बैठक स्थिति पर चर्चा करने, आतंकी कृत्य की संयुक्त निंदा व्यक्त करने और शांति, न्याय और लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए आगे के रास्ते पर विचार-विमर्श करने के लिए बुलायी गयी है।

## भारत के एक्शन से पाक में खौफ, कुछ भी होने का डर

### अलग-थलग पड़ा पाक

एजेंसी

**कराची।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में डर का माहौल है। पाकिस्तानियों को भारत की ओर से कड़े एक्शन का भय सता रहा है। पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बासित ने कहा है कि अगले दस दिनों में भारत बड़ा कदम उठा सकता है। वहीं, पाकिस्तानी सांसद शेरी रहमान का कहना है कि हमें यूएनएससी में जाना चाहिए और चीन जैसे देशों से समर्थन लेना चाहिए। पर्यटकों पर हमले के बाद मुस्लिम मुल्कों में भी पाकिस्तान अलग-थलग पड़ गया है। कई मुस्लिम देश भारत के पक्ष में हैं। इससे पाकिस्तान अब सहम गया है।

पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बासित ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "मुझे पूरा यकीन है कि पाकिस्तान के खिलाफ भारत के किसी भी हमले को नाकाम करने के लिए इस्लामाबाद हर संभव कदम उठा रहा है। मुझे कोई संदेह नहीं है कि इस बार प्रतिक्रिया बहुत कठोर होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह बात एक बार फिर स्पष्ट हो गयी है कि जम्मू-कश्मीर विवाद को सुलझाए बिना पाकिस्तान और भारत के बीच सामान्य संबंधों की कोई गुंजाइश नहीं है। मैं यह बात हमेशा से कहता रहा हूं। वहीं भारत की ओर से सिंधु जल समझौता रद्द कर देने से पाकिस्तान अब बूंद-बूंद को तरसेगा।

### पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में झारखंड भी गुस्से में, लोगों ने किया प्रदर्शन

## कार्टून कोना

आरोपी देवी-देवताओं पर भी कर चुका है अश्लील बातें, हिंसा को देता था बढ़ावा

## पहलगाम हमले से खुश नौशाद बोकारो में धराया

### त्वरित कार्रवाई

खबर मन्त्र टीम

**रांची।** पहलगाम हमले को लेकर खुशी जाहिर करने वाले कासिम उर्फ मोहम्मद नौशाद को झारखंड के बोकारो से गिरफ्तार कर लिया गया है। वह लगातार भड़काऊ बातें सोशल मीडिया पर लिख रहा था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब उसने खुशी जाहिर करते हुए टिप्पणी की, जिसके बाद वह निशाने पर आ गया। हमले के लिए पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा को धन्यवाद देने वाले नौशाद की गिरफ्तारी की मांग उठने लगी। एसआइटी की टीम ने रातभर के प्रयास के बाद बुधवार सुबह नौशाद को गिरफ्तार कर लिया।

### एक्स हैंडल पर थैंक्यू पाकिस्तान, लश्कर-ए-तैयबा लिखा था...

नौशाद ने एक्स पर उर्दू में लिखा, 'शुक्रिया पाकिस्तान, शुक्रिया लश्कर-ए-तैयबा, अल्लाह तुम्हें हमेशा खुश रखे। आमीन, आमीन। हमें ज्यादा खुशी होगी अगर आरएसएस, भाजपा, बजरंग दल और मीडिया को निशाना बनाया जाये। उसने तीन स्माइली इमोजी के साथ अपनी खुशी भी जाहिर की। उसने इसके बाद भी कई ट्वीट किए जिनमें काफी आपत्तिजनक और भड़काऊं बातें लिखी है। नौशाद के ट्वीट के बाद लोग लगातार झारखंड पुलिस को टैग करके सख्त एक्शन लेने की मांग कर रहे थे। कासिम उर्फ नौशाद के एक्स हैंडल को खंगालने पर पता चला है कि वह आये दिन नफरती बातें लिखता था। देवी-देवताओं पर गंदी टिप्पणी कर वह हिंसा को उकसाता था। पहले भी इसके खिलाफ पुलिस से उसकी शिकायत हो चुकी है।

### कैसे पकड़ा गया

मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी मनोज स्वर्गीयारी ने टेक्निकल सेल को शामिल कर इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में एसआइटी गठित की। एसआइटी ने रात भर के प्रयास के बाद बुधवार सुबह नौशाद को गिरफ्तार कर लिया। थाने में उससे पूछताछ चल रही है। उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। इसके बाद उसे अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

### खुद को इस्लाम का वकील बताता है नौशाद

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर जहां जहां देशभर में लोग आक्रोशित हैं तो नौशाद ने खुशी जाहिर करते हुए एक पोस्ट किया। पोस्ट वायरल होने के बाद बुधवार को उसे बोकारो के मखदुमपुर से दबोचा गया। 35 साल के नौशाद ने बिहार के मदरसे से डिग्री ली है। वर्तमान में पिता के साथ बोकारो में रह रहा है। उसका एक भाई दुबई में है, जिसके नाम से आवंटित सिम कार्ड का इस्तेमाल कर नौशाद ने इंस्ट्राग्राम, एक्स और फेसबुक चलाता है। वह सोशल मीडिया बायो में खुद को 'इस्लाम का वकील' बताता है। उसका एक्स हैंडल भड़काऊ और विवादित बातों से पटा हुआ है। रामनवमी पर हिंसा के लिए भी उसने उकसाया था। तब भी कुछ लोगों ने नौशाद के खिलाफ सख्त ऐक्शन लेने की मांग की थी। नौशाद ने पीएम मोदी के लिए भी आपत्तिनजक बातें लिखी हैं।

## मॉडल जेल मैनुअल नहीं बनने पर गृह सचिव हाईकोर्ट तलब

■ तीन महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने जेल मैनुअल से संबंधित एक आदेश पारित किया, लेकिन झारखंड सरकार ने अब तक इसका अनुपालन नहीं किया

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** झारखंड में मॉडल जेल मैनुअल नहीं बनने पर हाइकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। साथ ही गृह सचिव को उपस्थित होने का आदेश दिया है। उल्लेखनीय है कि जेल मैनुअल में सुधार और जेल में कैदियों की स्थिति से संबंधित कोर्ट के स्वतः संज्ञान की सुनवाई हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में बुधवार को हुई।

मामले में सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश के आलोक में अब तक झारखंड में मॉडल जेल मैनुअल नहीं बनने पर खंडपीठ ने कड़ी नाराजी जताई। कोर्ट ने मामले में गृह सचिव को 28 अप्रैल को कोर्ट में सशरीर हाजिर होने को कहा है।

हाइकोर्ट ने मौखिक कहा कि तीन महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने जेल मैनुअल से संबंधित एक आदेश पारित किया है, लेकिन तीन माह के बाद भी अब तक इसका अनुपालन झारखंड सरकार नहीं कर सकी है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत सभी राज्यों के लिए एक मॉडल जेल मैनुअल बनाया जाना है। इससे पूर्व राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि मॉडल जेल मैनुअल बनाने के लिए प्रक्रिया चल रही है, सरकार की ओर से कुछ और समय की मांग मॉडल जेल मैनुअल बनाने के लिए की गयी।

## जेएसएससी ने शपथ पत्र दायर कर हाइकोर्ट को बताया टाइमलाइन

# सहायक आचार्य के अंतिम रिजल्ट का प्रकाशन सितंबर के दूसरे सप्ताह तक

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** जेएसएससी ने सहायक आचार्य रिजल्ट के प्रकाशन के संबंध में शपथ पत्र के माध्यम से एक टाइम लाइन झारखंड हाई कोर्ट को दिया है। जिसमें आयोग ने कहा है कि सितंबर माह के दूसरे सप्ताह में सहायक आचार्य के अंतिम रिजल्ट का प्रकाशन कर दिया जाएगा। जेएसएससी द्वारा बताया गया है कि सहायक आचार्य के ग्रेजुएट लेवल ट्रेंड टीचर (कक्षा 6 से 8) के मैथ एवं साइंस टीचर के लिए जुलाई के प्रथम सप्ताह में रिजल्ट प्रकाशित कर दिया जाएगा। वही सोशल साइंस के टीचर के लिए जुलाई के तृतीय सप्ताह में रिजल्ट प्रकाशित होगा और लैंग्वेज टीचर के लिए अगस्त के प्रथम सप्ताह में रिजल्ट प्रकाशित होगा। इंटरमीडिएट ट्रेंड टीचर (कक्षा 1 से 5) के शिक्षकों के लिए सितंबर के द्वितीय सप्ताह में रिजल्ट प्रकाशित कर दिया जाएगा। जेएसएससी के इस टाइमलाइन को स्वीकार कर लिया। जेएसएससी की ओर से वरीय अधिवक्ता राजीव रंजन एवं अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने पैरवी की।

दरअसल, झारखंड के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर 26,001 सहायक आचार्य की नियुक्ति होनी है। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने झारखंड के स्कूलों में सहायक आचार्य की नियुक्ति की प्रक्रिया में देरी पर नाराजगी जताई थी। खंडपीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के लिए प्रस्तावित समय-सीमा को जनवरी 2026 को कम करें और सुनिश्चित करें कि शिक्षकों की नियुक्ति दो या तीन महीने के भीतर हो जाए।

आठ अप्रैल 2025 को राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा विभाग ने कोर्ट को बताया था कि राज्य में 26,000 सहायक आचार्य की नियुक्ति जल्द कर ली जायेगी। मामले में शपथ पत्र के माध्यम से झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने के संदर्भ में समय-सीमा प्रस्तुत किया था। प्रस्तावित समय-सीमा के अनुसार, शिक्षकों की नियुक्ति में जनवरी 2026 तक का समय लगने की बात कही गई थी। जिस पर कोर्ट ने नाराजगी जताई थी और समय सीमा को कम करने को कहा था। प्रार्थी ने याचिका में झारखंड के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी बताते हुए जल्द शिक्षकों की नियुक्ति करने का आग्रह किया है। याचिका में इस संबंध में शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 के अनुपालन की मांग की गई है।

# पहलगाम की आतंक वाली मानसिकता झारखंड में भी मौजूद : बाबूलाल मरांडी

- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- संविधान से ऊपर शरिया की मानसिकता वाले झारखंड सरकार में शामिल

**खबर मन्त्र ब्यूरो**

**रांची।** भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पहलगाम के आतंकी घटना की जितनी निंदा की जाये, कम है। श्री मरांडी बुधवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने पहलगाम में घटी आतंकवादी घटना में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि भाजपा इस दुख की बेला में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि ये पहली आतंकवादी घटना है, जिसमें आतंकवादियों ने धर्म पूछकर, कपड़े उतरवाकर और कलमा पढ़ने के लिए विवश कर निर्दोष लोगों की हत्या की है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में ऐसे आतंकवादी बख्शे नहीं जायेंगे। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में भी आतंक वाली मानसिकता के लोग हैं। झारखंड सरकार में शामिल मंत्री ही संविधान से ऊपर शरिया को मानते हैं। उन्होंने कहा कि मुसलमान कब्र में नहीं है, सब्र कर रहा है। सड़क पर उतरेगा तो मारकाट होगा। ऐसी भाषा बोलने वाले लोग सत्ता की कुर्सी पर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि इनके पास हथियार नहीं है इसलिये, बयानों से वार कर रहे हैं लेकिन मानसिकता में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर मुद्दों की लड़ाई लड़नी है तो लोकतंत्र में कई रास्ते हैं लेकिन, हिंसा की भाषा लोकतंत्र में स्वीकार्य नहीं है। ऐसी मानसिकता जो संविधान से ऊपर शरिया को माने उसे तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त करना चाहिये। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो, विजय चौरसिया, मिसफिका हसन और योगेंद्र प्रताप सिंह भी थे।

# राशन कार्डधारियों के लिए 30 अप्रैल तक ई-केवाइसी कराने की आखिरी तारीख

**समय सीमा तय**

- घर बैठे भी राशन कार्डधारी पूरी कर सकते हैं अपना ई-केवाइसी

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत पीएचएच (गुलाबी) एवं अन्त्योदय (पीला) राशन कार्डधारियों को अपना इ-केवाइसी कराना अनिवार्य है। जिसकी अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 निर्धारित की गई थी, जिसे वर्तमान में 30 अप्रैल 2025 तक बढ़ा दिया गया है। वैसे राशन कार्डधारी जो अपना राशन कार्ड में सभी सदस्यों का इ-केवाइसी नहीं करवाते हैं, उनका नाम राशन कार्ड से हटाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जायेगी। केंद्र सरकार ने इ-केवाइसी के लिए निर्धारित समय-सीमा 6 बार बढ़ाया है, जिसकी अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2025 है। इसके बाद इ-केवाइसी के लिए अंतिम समय-सीमा बढ़ाये जाने की उम्मीद नहीं है। खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखण्ड से सभी जिला को पत्र के माध्यम से निदेश दिया गया है कि इ-केवाइसी का कार्य अंतिम निर्धारित तिथि 30 अप्रैल 2025 से पूर्व शत प्रतिशत किसी भी हाल में करना सुनिश्चित करें। ई-केवाइसी के लिए राशन कार्डधारी अपने नजदीकी जन वितरण प्रणाली दुकानदार के पास जाकर ई-पॉश मशीन के माध्यम से ई-केवाइसी करा सकते हैं।

**ई-केवाइसी क्यों :** वर्तमान में सभी 75.77 प्रतिशत राशनकार्ड का ई-केवाइसी किया जा चुका है। शेष 24.23 प्रतिशत अभी भी ई-केवाइसी के लिए शेष है। भारत सरकार द्वारा राशन कार्ड में इ-केवाइसी कराया जा रहा है ताकि फर्जी राशनकार्डधारियों को पोर्टल से हटाया जा सके एवं पात्र लाभुकों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत खाद्य सामग्री उपलब्ध कराया जा सके।

**घर बैठे करें ई-केवाइसी :** सबसे पहले गूगल प्ले स्टोर से मेरा ई-केवाइसी एप डाउनलोड करें, उसके बाद ई-केवाइसी फोर राशन कार्ड पर क्लिक करें। इसके बाद राशनकार्ड नंबर और आधार नंबर डालें, फिर मोबाईल नंबर पर एक ओटीपी आएगा उसे भरें सारी जानकारी डालें और सबमिट करें।

# झारखंड में 2029 तक प्रतिदिन 10 लाख लीटर दूध उत्पादन का है लक्ष्य : शिल्पी नेहा तिर्की

- रीजनल मिल्क यूनियन के गठन के लिए जागरूकता एवं क्षमता उन्नयन कार्यशाला में हुईं शामिल।
- इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए रीजनल सोसाइटी का गठन और इको सिस्टम मजबूत करना जरूरी।

**खबर मन्त्र ब्यूरो**

**रांची।** कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य सरकार लगातार किसान हित में हर जरूरी कदम उठा रही है। अब चूंकि एनडीडीबी का झारखंड की डेयरी के साथ 2029 तक ही समझौता बना रहना है। इसके बाद वह कहीं भी हमारे बीच नहीं रहेगा। ऐसे में आगे चुनौती किसानों और सरकार के लिए बढने वाली है। यह देखने वाली बात होगी कि क्या एनडीडीबी के जाने के बाद हम सब मिलकर अभी की स्थिति या इससे बेहतर स्थिति रख पाएंगे या नहीं? होटवार में मेधा डेयरी परिसर में बुधवार को आयोजित रीजनल मिल्क यूनियन के गठन के लिए जागरूकता एवं क्षमता उन्नयन कार्यशाला को संबोधित करते शिल्पी ने कहा कि गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र जैसे राज्य तो इस मामले में अच्छा कर रहे हैं। गुजरात का आणंद का अमूल मॉडल तो उदाहरण है। उसका 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक का टर्न ओवर है। यहां के किसान मेहनती और अच्छे बुरे का फर्क समझते हैं, उन्हें बस सही राह दिखाने की जरूरत है।

**किसान हित में हर साल सरकार कर रही निवेश :** उन्होंने कहा कि किसानों के हित के लिए हर साल सरकार लगातार निवेश कर रही है। मिल्क प्लांट लगाने के अलावा आधारभूत संरचना तैयार की जा रही है। अब आप सबों के सहयोग से रीजनल सोसाइटी का गठन होगा। इसके लिए सरकार झारखंड मिल्क फेडरेशन के साथ काम कर रही है। आप सब पशुपालकों, किसान के बीच से जवाबदेह लोग भी इसके लिए आगे आयें। किसान कैसे सशक्त हो, यह देखा जाये। एक इको सिस्टम भी मजबूत करना होगा। झारखंड जैसे पिछड़े राज्य में यहां की सरकार प्रति लीटर दूध पर 5 रुपये बोनस दे रही है। इससे बिचौलिए की भूमिका कमजोर हुई है और किसान मजबूत। पहले 40,000 लीटर प्रतिदिन दूध का उत्पादन था जो 2 लाख लीटर हो गया है। 2029 तक इसे 10 लाख लीटर तक ले जाना है। मौके पर मंत्री ने तीन सहकारी समितियों को उल्लेखनीय प्रयास के लिए पुरस्कृत भी किया। मौके पर विधायक सुरेश बैठा, एनडीडीबी की अनंदिता वैद्य, पशुपालन विभाग के सचिव अबु बखर सिद्दीक, पशुपालन (डेयरी, झारखंड) विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ मनोज कुमार तिवारी, सहकारिता विभाग के डिप्टी रजिस्ट्रार राकेश कुमार सिंह, मेधा डेयरी के एमडी जयदेव विश्वास और वरिष्ठ पदाधिकारी पीके मारवाह भी उपस्थित थे।

**हरियाणा के किसानों की अनदेखी : सुरेश**

कांके विधायक सुरेश बैठा ने मौके पर कहा कि केंद्र सरकार हरियाणा, पंजाब के किसानों को कृषि कानून के जरिए दबाती रही है। यहां सरकार और विभागीय मंत्री लगातार किसानों को मजबूत कर रहे हैं। राहुल गांधी किसान, मजदूरों के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं, इसे भी आप सबों को जानने की जरूरत है। पशुपालन सचिव ने हर परिवार से गोपालन और सहकारिता से जुड़ने की अपील की।

## पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी शब्दों में निंदा की कहा

# आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो, कांग्रेस भी साथ खड़ी है : डॉ इरफान

**खबर मन्त्र ब्यूरो**

**रांची।** पहलगाम में हुये आतंकवादी हमले की प्रदेश कांग्रेस नेताओं ने कड़ी निंदा की है। घटना की कड़ी निंदा करते हुये शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। मौके पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि इस प्रकार की कायरता पूर्ण आतंकवादी हमला मानवता पर कलंक है और किसी भी सभ्य समझ में इसका कोई स्थान नहीं है। घटना से पूरा देश में मर्माहत है। कांग्रेस पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को कांग्रेस सहित देश के सभी दलों को एक मंच पर लाकर राय लेनी चाहिए। अगर सीमा पार पाकिस्तान से भी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है तो उसके खिलाफ कार्रवाई करें। ऐसी घटना बर्दाश्त के लायक नहीं है। जिनकी शहादत हुई है, उनकी शहादत बर्बाद नहीं होगी।

वहीं प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर ने कहा कि कांग्रेस देश के सामने आई किसी भी चुनौती पूर्ण और विपरीत परिस्थितियों में देश के नागरिकों के साथ खड़ी है। गंदगी की सारी हदों को पार करके बर्बरता पूर्ण कार्रवाई की गई है यह माफी योग्य नहीं है। आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करना चाहिए। कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप ने कहा पहलगाम की घटना पूरे देश के लिए शर्मनाक घटना है। अगर इसमें कोई देश शामिल है तो वैश्विक समुदाय के समक्ष उसकी बातें रखी जाए। विधायक सुरेश बैठा कहा कि देश के सामने संकट का दौर आया है। सभी मतभेद बुलाकर एकजूटता का संदेश हमें देना है। इस विभत्स आतंकवादी कार्रवाई के खिलाफ केंद्र जो भी कदम उठायेगा कांग्रेस साथ रहेगी। हृदयानंद यादव ने कहा कि सैन्य संख्या में कमी के कारण आज देश की सुरक्षा दाँव पर लगी हुई है। रक्षा बजट में कटौती भी सुरक्षा के हितों से समझौता है।

# रेरा में अध्यक्ष और अन्य रिक्त पदों को भरने पर मांगी टाइमलाइन

- अगली सुनवाई 30 जून को, प्रार्थी शशि सागर वर्मा ने जनहित याचिका दायर की

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** झारखंड रेरा (झारखंड रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी) में अध्यक्ष, सदस्य और एडजुडिकेटिंग ऑफिसर के रिक्त पद पर शीघ्र नियुक्ति करने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव व जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में बुधवार को सुनवाई हुई। अदालत ने राज्य सरकार को शपथ पत्र के माध्यम से यह बताने को कहा है कि वह कब तक इसपर नियुक्ति करेगी। इसपर एक टाइम लाइन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्हें तारीख के साथ यह बताने को कहा है कि इसमें नियुक्ति कब तक पूर्ण कर ली जाएगी। मामले की अगली सुनवाई 30 जून को निर्धारित की गई है। इस संबंध में प्रार्थी शशि सागर वर्मा ने जनहित याचिका दायर की है। याचिका के माध्यम से अदालत से राज्य सरकार को रेरा के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने के आदेश देने की मांग की है। उन्होंने बताया है कि झारखंड रेरा के अध्यक्ष का पद 6 जनवरी 2021 से और एडजुडिकेटिंग ऑफिसर का पद 25 नवंबर 2022 से रिक्त है। जिसके कारण लोगों को कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

## खबर एक नजर में

### राष्ट्रपति से मिलीं डॉ आशा लकड़ा

**रांची।** बुधवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ आशा लकड़ा ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग से संबंधित कार्यों को लेकर जनजातीय मामलों पर चर्चा भी की।

### जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए हमला कायरतापूर्ण : अध्यक्ष प्रदेश मुखिया संघ

**रांची।** झारखंड प्रदेश मुखिया संघ एवं जनजाति सुरक्षा मंच झारखंड के मीडिया प्रभारी सोमा उरांव ने बुधवार को प्रेस बयान जारी कर कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए दर्दनाक एवं भयानक दिल डहला देने वाली घटना की घोर निंदा मुखिया संघ करता है। उन्होंने कहा है कि देश में हिंदुओं को चुन-चुन कर मारा जा रहा है।

### चौकीदार बहाली परीक्षा के दिन परीक्षा केंद्रों के पास रहेगी पाबंदी

**रांची।** जिले में 27 अप्रैल 2025 (रविवार) को चौकीदार की भर्ती के लिए लिखित परीक्षा होगी। यह परीक्षा सुबह 9:30 बजे से 11:00 बजे तक चलेगी। परीक्षा शांति से हो, इसके लिए जिला प्रशासन ने खास तैयारी की है। परीक्षा के दिन हर केंद्र के चारों ओर 200 मीटर तक की सीमा में कुछ पाबंदियां रहेंगी। सुबह 6:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक वहां 5 या उससे ज्यादा लोगों के इकळा होने पर रोक रहेगी। लाउडस्पीकर चलाना, हथियार लाना और किसी भी तरह की सभा या बैठक करना मना होगा। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी वहां तैनात रहेंगे। परीक्षा रांची के 15 स्कूलों में होगी। इसमें अनिता गर्ल्स स्कूल कांके, कार्मेल गर्ल्स स्कूल नामकुम, गोस्सनर स्कूल मेन रोड, संत अलोइस और संत अन्ना स्कूल-कॉलेज, उसुर्लाईन स्कूल-कॉलेज, मारवाड़ी स्कूल, सरकारी स्कूल कांके और बरियातू, संत जॉन और संत जोसेफ स्कूल शामिल हैं।

### हजारीबाग के पूर्व एसडीओ अशोक कुमार निलंबित

**रांची।** राज्य सरकार ने झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी व तत्कालीन एसडीओ सदर हजारीबाग अशोक कुमार को निलंबित कर दिया है। उनके दिल उपाय हजारीबाग में प्रपत्र क गठित कर कार्रवाई की अनुशंसा की थी। अशोक कुमार पर एक मामले में थाना में प्राथमिक की दर्ज है और 10 फरवरी 2025 की तिथि से न्यायिक हिरासत में हैं। कारावास में होने की वजह उन्हें निलंबित किया गया है। निलंबन अविधि में उन्हें जीवन निर्वाह भत्ता वहीं से मिलेगा, जहां से वे न्यायिक हिरासत भेजे गए थे। जेल से बाहर निकलने के बाद उन्हें कार्मिक विभाग में योगदान करने को कहा गया है। इस संबंध में कार्मिक प्रशासनिक सुधार राजभाषा विभाग में आदेश जारी कर दिया है।

### प्रत्येक 3 माह में होगी राजस्व संग्रहण की समीक्षा

**रांची।** झारखंड के वित्त सह वाणिज्य कर मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि राज्य में बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसरों के लिए कुशल प्रबंधन की आवश्यकता है। श्री किशोर ने सूचना भवन सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों के चलते राजस्व संग्रहण प्रभावित हुआ, फिर भी प्रयास संतोषजनक रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर तीन माह में राजस्व संग्रहण की समीक्षा करें।


**Govt. of Jharkhand**
**OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER**
Field Survey Division, Advance Planning, Road Construction Department,
Nirupan Bhawan, 4th floor, 56-Set Chowk, Doranda, Ranchi-834002
e-mail--- eercdapfsdran-jhr@nic.in
**e-Procurement very Short Notic**
2nd call
e-Tender Reference No .-RCD/FSD /AP/ RAN/02/25-26 Dated 22.04.2025

| | | |
|---|---|---|
| 1- | Name of Work | Consultancy Services for exploration of Feasibility Report cum Preparation of Detailed Project Report for construction of Vehicle Underpass near Loyabadh-Hatia more of Karkendra -Katras road including approaches, complete Land Acquisition Proposal including ownership details all complete as per latest guidelines, Resettlement and Rehabilitation Proposal, Forest Diversion Proposal if any with clearance of all stages etc as required, at Dhanbad in the state of Jharkhand. __from Consultants empanelled in Category -II with the Road Construction Department, Government of Jharkhand vide letter no-3063(S) W.E dated 22-08-2022 are allowed to bid. |
| 2- | Work completion time | 30 Days |
| 3- | Cost of Tender Document & Earnest Money Deposit (EMD) | **Cost of Tender Document** - Rs 5,000/- (Rupees Five Thousand) (Non-Refundable) through online mode only. **EMD :-** Rs 40,000/- (Rupees Forty five Thousand) through online mode only. As per the Departmental Letter no.-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit will be received in online mode only through e-procurement portal (https://jharkhandtenders.gov.in ) by Internet banking/ NEFT/ RTGS facility as per Standard Operating Procedure (SOP) issued by Information Technology & e-Governance Department, Government of Jharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023. |
| 4- | Date and Time of Publishing of Tender on official website | 25.04.2025, 05.00 PM |
| 5- | Last date and Time of submission of Tender (With Tender Fee and EMD) | 05.05.2025, 12.30 PM |
| 6- | Date and Timing of Bid opening | 06.05.2025, 12.30 PM |
| 7- | Tender Inviting Authority | Executive Engineer, Field Survey Division, Advance Planning, RCD, Ranchi, Nirupan Bhavan, 56 set Chowk, Doranda, Ranchi- 834002, Mobile No-8051090751 |
| 8- | Mode of Bid Submission | e-Tendering (http://jharkhandtenders.gov.in) |
| 9- | PR No | 349563 Road (24-25) |

For further information please go through the website http://jharkhandtenders.gov.in
Executive Engineer
Field Survey Division,A.P
Road Construction Department,Ranchi
PR 350908 Road(25-26)D


## अगले चार दिनों तक कई जिलों में चलेगी लू चलने की चेतावनी

# झारखंड में भीषण गर्मी का सितम

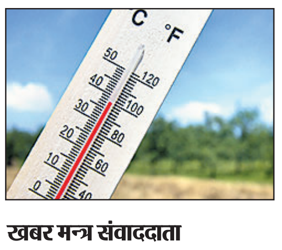

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** झारखंड में गर्मी ने एक बार फिर अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिये हैं। राज्य के कई जिलों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है और हीट वेव की स्थिति बन चुकी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के कई हिस्सों में तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया है, जो जनजीवन को प्रभावित कर रहा है। इधर झारखंड के नौ जिलों का तापमान 40 के पार पहुंच गया है जबकि 12 जिलों का तापमान 38 और 39 डिग्री दर्ज किया गया है। लगातार बढ़ती गर्मी और उमस के चलते लोग परेशान होने लगे हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग की मानें तो राज्य में अगले तीन दिनों उमस भरी गर्मी रहेगी।

अनुमान के अनुसार राज्य के 11 जिलों में अगले तीन दिनों 24, 25 और 26 अप्रैल की दोपहर तक लू चलने की संभावना है और इसके चलते यलो अलर्ट जारी किया गया है।

हालांकि 26 अप्रैल की शाम से मौसम में फिर बदलाव देखने को मिलेगा। इस दिन संथाल परगना और कोल्हान प्रमंडल में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं, गर्जन के साथ बारिश भी हो सकती है।

### डाल्टनगंज में सबसे ज्यादा गर्मी, पारा 44 डिग्री हुआ

बुधवार को झारखंड का सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में रिकॉर्ड किया गया, जहां अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दूसरी ओर, खूंटी में सबसे कम न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

### इन जिलों में भी पारा रिकार्ड स्तर पर पहुंचा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| जमशेदपुर : | 43 डिग्री | गोड्डा : | 40.4 डिग्री | गुमला : | 38.7 डिग्री |
| चाईबासा : | 43 डिग्री | पलामू : | 41.5 डिग्री | हजारीबाग : | 39.1 डिग्री |
| बोकारो : | 40.5 डिग्री | प. सिंहभूम : | 40.3 डिग्री | जामताड़ा : | 39.5 डिग्री |
| रांची : | 39 डिग्री | चतरा : | 39 डिग्री | खूंटी : | 38.7 डिग्री |
| देवघर : | 40.3 डिग्री | धनबाद : | 37 डिग्री | लोहरदगा : | 38.7 डिग्री |
| गढ़वा : | 41.7 डिग्री | पू.सिंहभूम : | 37.9 डिग्री | सिमडेगा : | 39 डिग्री |

### लू से बचाव जरूरी

मौसम विभाग ने हीट वेव को देखते हुए लोगों को दोपहर के समय बाहर निकलने से बचने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी है। आईएमडी ने राज्य में अगले तीन दिनों तक लू चलने की संभावना जताई है और इसके चलते यलो अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि 26 अप्रैल की शाम से मौसम में फिर बदलाव देखने को मिलेगा।

### 26 और 27 अप्रैल को राहत की उम्मीद

मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, 26 अप्रैल की शाम से राज्य के कुछ हिस्सों में मौसम बदल सकता है। संथाल परगना और कोल्हान प्रमंडल में तेज हवाएं चल सकती हैं, जिनकी रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक होगी। साथ ही, गरज-चमक के साथ बारिश होने की भी संभावना जताई गयी है। 27 अप्रैल को भी यही स्थिति बनी रह सकती है, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है।

## राजस्व संग्रह में झारखंड की छलांग, 2024-25 में 85.74% लक्ष्य किया हासिल

# राजस्व जुटाने में सुधार की कोशिश : राधाकृष्ण किशोर

- **2024-25 में निर्धारित लक्ष्य 26 हजार करोड़ के विरुद्ध 22292.25 करोड़ का राजस्व संग्रहण**

**खबर मन्त्र ब्यूरो**

**रांची।** राज्य के वित्त सह वाणिज्य कर मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि राज्य में बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसरों के लिए कुशल प्रबंधन की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों के चलते राजस्व संग्रहण प्रभावित हुआ, फिर भी प्रयास संतोषजनक रहे हैं। मंत्री ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में 1,06,999.57 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसमें से 92,189.10 करोड़ रुपये की वसूली हुई, जो कि 86.16% है। वहीं, गैर-कर प्राप्तियों सहित कुल 1,03,469.82 करोड़ रुपये यानी बजट एस्टीमेट का 80.27% प्राप्त हुए हैं। वह बुधवार को सूचना भवन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। वित्त मंत्री के साथ वाणिज्य विभाग के सचिव अमिताव कौशल और वाणिज्य कर आयुक्त अमीत कुमार भी मौजूद थे।

वित्त मंत्री ने कहा कि एफआरबीएम अधिनियम के तहत वर्ष 2025-26 में सभी विभागों को तीन महीने में एक बार राजस्व संग्रहण की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है और वे स्वयं छह महीने में एक बार इसकी समीक्षा करेंगे। राज्य के सभी प्रमंडलों का दौरा कर अधिकारियों को निर्देश दिए जाएंगे। वहीं जो प्रमंडल पीछे होंगे, उन्हें विशेष निर्देश और सहायता दी जाएगी। पीएल अकाउंट की राशि का विवरण सभी विभागों से मंगवाया गया है। पीएल अकाउंट में राशि जो 2010 से पार्क की गई है वह गलत है। इसपर हम पूरी संवेदनशीलता के साथ समीक्षा कर रहे हैं।

श्री किशोर ने कहा कि मंइयां सम्मान योजना की राशि सरकार द्वारा सुनिश्चित की गई है। वहीं, राजस्व व्यय की जानकारी देते हुए बताया गया कि 1,31,234.42 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जिनमें से 1,18,279.69 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। वित्त मंत्री ने भरोसा दिलाया कि राज्य के आर्थिक ढांचे को और मजबूत बनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश होगी कि हमारी सरकार का वित्तीय प्रबंधन पारदर्शी हो। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के सचिवों को निर्देश दिया गया है कि अप्रैल के अंत तक या फिर 7 मई तक योजनाओं के विरुद्ध जिलों को राशि आवंटित कर दी जाए, ताकि विकास का काम बाधित न हो। वित्त सह वाणिज्य कर मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि झारखंड सरकार के वाणिज्य कर विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्धारित लक्ष्य 26 हजार करोड़ रुपये के विरुद्ध 22292.25 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहण प्राप्त कर लिया है, जो वार्षिक लक्ष्य का 85.74 फीसदी राजस्व संग्रहण है, जबकि वित्तीय वर्ष 2019-20 में 14286.27 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई थी। इस प्रकार विगत पांच वर्षों में प्राप्त राजस्व संग्रह में कुल 56.04 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल राजस्व संग्रह 26,500 करोड़ रुपया का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

### एसजीएसटी में राज्य सरकार ने 15375 करोड़ के विरुद्ध 14210.10 करोड़ रुपये का किया राजस्व संग्रहण

मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में एसजीएसटी के लिए राजस्व संग्रहण के निर्धारित लक्ष्य 15375 करोड़ के विरुद्ध 14210.10 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहण प्राप्त किया है, जो वार्षिक लक्ष्य का 92.42 प्रतिशत है। वहीं, 2019-20 में एसजीएसटी से 9949.51 करोड़ का राजस्व संग्रहण किया गया था। इस प्रकार देखा जाए तो विगत पांच वर्षों में एसजीएसटी से प्राप्त राजस्व में कुल 42.82 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। श्री किशोर ने कहा कि वर्तमान में माल एवं सेवा कर अधिनियम के अधीन निबंधित कर-दाताओं की कुल संख्या 2,11,498 है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 15500 करोड़ रुपए का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

### वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कार्य योजना

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कार्य योजना पर बल देते हुए कहा कि इस वित्तीय वर्ष में खनन एवं विनिर्माण कार्य में संलग्न डीजल के बल्क परचेज के लिए कर दर कमी से कर में वृद्धि होगी। साथ ही एएफटी में कर दर बढ़ाने के फलस्वरूप राजस्व में अभिवृद्धि संभावित है। उन्होंने कहा कि वाणिज्य-कर विभाग में नये सिस्टम इंटेरोगेटर के चयन के लिए जैपआईटी की ओर से डीपीआर तैयार किया जा रहा है। नये सिस्टम इंटेरोगेटर के चयन के उपरांत जीएसटीएन से सिस्टम इंटेरोगेसन एवं अन्य कार्य/राजस्व विभागों के पोर्टल के साथ इंटेरोगेसन किए जाने का प्रयास किया जाएगा, तथा तद्नुसार उपलब्ध ऑकड़ों का तिर्यक जांच संभव हो सकेगा जिससे राज्य के राजस्व में अपेक्षित वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि विभाग में कार्यरत इंटेलिजेंस एंड रेवन्यू एनालिसिस यूनिट एवं स्पेशल टास्क यूनिट को अधिक प्रभावशाली बनाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि ससमय विवरणी दाखिला, विवरणियां की समीक्षा एवं कर-अपवंचना करने वाले कर-दाताओं की सतत निगरानी रखी जा सके।

### वैट के माध्यम से वाणिज्य कर विभाग ने 6618.51 करोड़ रुपये जुटाए

मंत्री श्री किशोर ने कहा कि वैट के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राजस्व सग्रहण का निर्धारित लक्ष्य 9124 करोड़ रुपए के विरूद्ध कुल 6618.51 करोड़ रुपए का राजस्व संगरहण किया गया है जो वार्षिक लक्ष्य का 72.54 है। वर्तमान में मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम के अधीन निबंधित व्यवसायियों की कुल संख्या 4149 है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 9310 करोड़ रुपए का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

### पेशा कर अधिनियम के तहत वार्षिक लक्ष्य के विरुद्ध 116.36 प्रतिशत राजस्व किया गया प्राप्त

जेड के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राजस्व संग्रहण का निर्धारित लक्ष्य 1413 करोड़ रुपए के विरुद्ध कुल 1361.24 करोड़ रुपए का राजस्व संगरहण किया गया है, जो वार्षिक लक्ष्य का 96.34 निर्धारित किया गया है। वर्तमान में विद्युत शुल्क के अधीन निबंधित व्यवसायियों की कुल संख्या 267 है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1600 करोड़ रुपए का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जेपीटी के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राजस्व संग्रहण का निर्धारित लक्ष्य 88 करोड़ रुपए के विरुद्ध कुल 102.40 करोड़ रुपए का राजस्व संग्रहण किया गया है, जो वार्षिक लक्ष्य का 116.36 है। वर्तमान में पेशा कर अधिनियम के अधीन निबंधित व्यवसायियों की कुल संख्या 33533 है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 90 करोड़ रुपए का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

## पाक को जिहादी युद्ध का कठोर जवाब देना अब जरूरी : विहिप

**खबर मन्त्र ब्यूरो**

**रांची।** विश्व हिंदू परिषद के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत एवं मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने पहलगाम में मंगलवार को हुई भीषण आतंकी घटना की निंदा की है। नेताद्वय ने कहा है कि इस्लामिक जिहादी पाकिस्तान व उसके कश्मीरी स्लीपर सेल के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित कर घाटी में मजहबी आतंकवाद का समूल नाश हो। उन्होंने कहा है कि कश्मीर घाटी के पहलगाम में जिस प्रकार पर्यटकों का धर्म पूछकर उनका नरसंहार किया गया, घोर निंदनीय है। इस अमानवीय घटना पर संपूर्ण देश स्तब्ध व आक्रोशित है। यह साफ दिखाई दे रहा है कि 1990 के आतंकवाद के दिनों की वापसी का दुस्साहस हो रहा है। उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी में आतंकवादियों के स्लीपर सेल आज भी मौजूद हैं। विहिप नेताओं ने कहा कि यह कोई सामान्य आतंकवादी घटना नहीं अपितु पाकिस्तान का भारत के विरुद्ध खुले युद्ध की घोषणा है। इसका जवाब भारत सरकार को उतनी ही शक्ति से देना चाहिये। यह सुनिश्चित करना चाहिये कि आतंकवाद के दिन दोबारा लौटने ना पाये। कुछ लोग कहते हैं कि आतंकवादी का कोई धर्म नहीं होता। लेकिन उसका मजहब अवश्य होता है, वह इस घटना में साफ दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि इस घटना पर विश्व हिन्दू परिषद व बजरंगदल के कार्यकर्ता 25 अप्रैल को पूरे राज्य में जिला एवं प्रखंड स्तर पर आक्रोश प्रदर्शन करेंगे।

# आतंकी हमले के विरोध में भाजपा ने निकाला मशाल जुलूस

### झारखंड में छुपे आतंकियों को चुन-चुन कर निकालें : बाबूलाल मरांडी

**खबर मन्त्र ब्यूरो**

**रांची।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के धर्म पूछकर बर्बरतापूर्ण हत्या के विरोध में महानगर भाजपा ने बुधवार को मशाल जुलूस निकाला। इस कायरतापूर्ण वीभत्स घटना के विरोध में भाजपा के महानगर अध्यक्ष वरुण साहू की अध्यक्षता में जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक आक्रोशपूर्ण मशाल जुलूस निकला गया। आतंकवादियों द्वारा हिंदू नरसंहार के विरोध में मसाज जुलूस के साथ दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

मशाल जुलूस के बाद बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जब भी इस प्रकार की घटनायें घटती हैं। उनका कोई ना कोई संबंध झारखंड में जरूर निकलता है। बोकारो में इसका उदाहरण देखने को मिला। ऐसे आतंकी मानसिकता वाले लोग झारखंड में भी छुपे बैठे हैं। इनको चुन चुन कर निकालने की जरूरत है।

इस अवसर पर विधायक सीपी सिंह ने कहा कि आतंकी चाहे देसी हों या विदेशी भाजपा की सरकार उनको बिलों से बाहर निकाल कर 72 हूरों के पास भेजने का काम बहुत जल्द करेगी। पाकिस्तान समर्थित चूहे यह भूल गए हैं कि केंद्र में अब नरेंद्र मोदी का शासन है। विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि हफीजुल हसन जैसे जिहादी मानसिकता के नेता ही अपने बिगड़े बोल से ऐसे लोगों का मनोबल बढ़ाते हैं। इससे आतंकवादी पैदा होते हैं और इस प्रकार की घटनायें देखने को मिलती हैं।

मशाल जुलूस के दौरान संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, मनोज सिंह, संजीव विजयवर्गीय, रमेश सिंह, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, राजू सिंह, अनिता वर्मा, संजीव चौधरी, विनय कुमार सिंह, विश्वजीत कुमार सिंह, ललित ओझा, सोनू सिंह, पूनम जयसवाल, प्रीति सिन्हा, अमित वर्मा, रोमित नारायण सिंह, राम लगन राम, विकास रवि, रणधीर सिंह, राम मनोज साहू, आलमगिर आलम, दिव्या साहू आदि उपस्थित थे।

## शहीद स्थल से अल्बर्ट एक्का चौक तक निकाला आक्रोश मार्च

- **आतंकी हमले में मारे गए 28 मृतकों को दी गई श्रद्धांजलि**

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** आतंकी हमले में मारे गए 28 भारतीय पर्यटकों को बुधवार को श्रद्धांजलि दी गई एवं आक्रोश मार्च शहीद स्थल से परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक तक निकाला गया। इस जुलूस का नेतृत्व राष्ट्रीय युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष उत्तम यादव ने किया। मौके पर उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के द्वारा भारतीय पर्यटकों पर हमला की घोर निंदा करते हैं। खुफिया तंत्र पूरी तरह फेल रहा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से सावन लिंडा, वीरेंद्र गोप, प्रकाश तिर्की, रंजन माथुर, राम सिंह उर्फ रोशन, प्रीति शीला जायसवाल, विनय सिंह, सोनू गुप्ता, रोहित यादव, आर्यन मेहता, विपुल मिश्रा, राहुल गुप्ता, संतोष प्रजापति, मिक्की कुमार, बबलू सिंह आदि मौजूद थे।

### वकीलों ने 26 मोमबत्ती जला कर मृतकों को दी श्रद्धांजलि

- **पहलगाम में पर्यटकों की हत्या पर बार एसोसिएशन में शोक सभा आयोजित**

**रांची।** सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन में पहलगाम हत्या कांड पर दो मिनट का मौन रखा गया और 26 मोमबत्ती जलाकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी गयी। मौके पर मौजूद अधिवक्ता सुधीर श्रीवास्तव ने कहा कि आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हत्या की है। इससे स्पष्ट हो गया कि आतंकवादियों का भी अब धर्म होता है। अब समय आ गया है कि इस 26 हत्या के बदले पूरे पाकिस्तान को भारत का अंग बनाया जाये। अधिवक्ताओं ने यह भी निर्णय लिया कि शनिवार को इस हत्याकांड पर अपना गुस्सा जाहिर करने के लिये सिविल कोर्ट से अल्बर्ट एक्का चौक तक शांतिपूर्ण तरीके से जुलूस निकाला जायेगा।

### स्कूल रूआर 2025 अभियान की हुई शुरुआत

**रांची।** अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, रांची में मंगलवार को स्कूल रूआर 2025 और सीटी बजाओ 2.0 अभियान की शुरूआत हुई। रांची उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि, प्रखंड प्रमुख और कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस अभियान का उद्देश्य 5 से 18 वर्ष के सभी बच्चों को स्कूल से जोड़ना, ड्रॉपआउट को रोकना और शिक्षा को बेहतर बनाना है। 'सीटी बजाओ' अभियान के जरिए हर मोहल्ले और पंचायत में बच्चों को स्कूल भेजने के लिए जागरूक किया जाएगा। रांची राज्य का पहला जिला बना है, जहां इस अभियान के लिए विशेष लर्निंग बॉडी का गठन किया गया है।

## प्रदेश कांग्रेस ने 40 दिनों के कार्यक्रम की सफलता को लेकर बनायी रणनीति

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा आयोजित संविधान बचाओ अभियान जो आगामी 25 अप्रैल से प्रारम्भ होने जा रहा है। इसके लिये गठित कंट्रोल रूम केन्द्रीय नियंत्रण कक्ष की एक आवश्यक बैठक कांग्रेस भवन रांची में कार्यक्रम के समन्वयक डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू की मौजूदगी में सम्पन्न हुई, जिसमें आने वाले 40 दिनों के कार्यक्रम की सफलता के लिए विस्तार से चर्चा की गई और पूरे कार्यक्रम का संचालन के लिये कंट्रोल रूम के सदस्यों को प्रशिक्षण भी दिया गया। कंट्रोल रूम के प्रभारी के रूप में सूर्यकांत शुक्ला सदस्यों के बीच जिम्मेवारी और समन्वय बनाएंगे यह तय किया गया।

प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्य प्रवक्ता और केन्द्रीय नियंत्रण कक्ष के सदस्य लाल किशोर नाथ शाहदेव ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और कार्यक्रम समन्वयक डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू की मौजूदगी में संविधान बचाओ अभियान के लिये जिलेवार नियुक्त नोडल प्रभारियों की एक आवश्यक बैठक आगामी 29 अप्रैल को दिन के 11:45 बजे से कांग्रेस भवन, रांची में बुलाई गई है, जिसमें प्रदेश एवं जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैली और अन्य कार्यक्रमों को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की जायेगी।

केन्द्रीय नियंत्रण कक्ष की बैठक में कार्यक्रम समन्वयक डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू, प्रभारी सूर्यकांत शुक्ला, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ एम. तौसिफ, सुरेन राम, सुंदरी तिर्की, अख्तर अली, जितेन्द्र त्रिवेदी, नरेन्द्र लाल गोपी, प्रेम नाथ मुंडा, हिमाशु मौजूद थे।

### पिस्का मोड़ में पहलगाम में हिंदू पर्यटकों की हत्या के विरोध में निकाला आक्रोश मार्च

**रांची।** पिस्का मोड़ में पहलगाम में इस्लामी आतंकवादियों द्वारा निर्दोष हिंदू पर्यटकों की जघन्य हत्या के खिलाफ आक्रोश मार्च निकाला गया तथा शहीदों की याद में मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पिस्का मोड़ में उपस्थित लोगों ने एक स्वर में भारत सरकार से आतंकवादियों पर कठोर एवं निर्णायक कार्रवाई करने की मांग की।

### डीएवी बरियातु के विद्यांशु कुमार झा को सिविल सेवा परीक्षा में 59वां रैंक

**रांची।** डीएवी पब्लिक स्कूल बरियातु के छात्र विद्यांशु कुमार झा को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सर्विसेज की परीक्षा में 59वां रैंक हासिल हुआ है। विद्यांशु ने 2013 में बारहवीं की परीक्षा पास करने के बाद वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से सिविल इंजीनियरिंग किया। जिसमें वे यूनिवर्सिटी टॉपर थे। पूर्व में उनका चयन डेनिक्स अंडमान निकोबार लक्षद्वीप दादर नगर हवेली सिविल सर्विसेज के लिए हुआ था। जिसमें वह दिल्ली में एसडीएम के रूप में पदस्थापित थे। 2022 में इंडियन फॉरेस्ट सर्विसेज में ऑल इंडिया रैंक 5 हासिल किया था। सिविल सर्विसेज में यह उनका अंतिम प्रयास था जिसमें अपने लगन से उन्होंने 59वां रैंक हासिल किया। विद्यांशु की मां स्वयं एक शिक्षिका हैं और पिता एनजीओ में कार्यरत हैं। उनकी अनुजा जागृति झा भी एक प्रतिभाशाली छात्रा रही है। उसने भी डी.ए.वी. बरियातु से बारहवीं की परीक्षा पास की और वर्तमान में वह एक डॉक्टर हैं। प्राचार्य डॉ. तापस घोष समेत विद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों ने विद्यांशु की सफलता पर हर्ष जताया है।

# दीदी कैफे की तीसरी वर्षगांठ पर भव्य कार्यक्रम आयोजित

- **दीदी कैफे की प्रगति की सराहना करते हुए इसके निरंतर सुधार के लिए प्रेरित किया गया**

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** समाहरणालय परिसर स्थित पलाश आजीविका दीदी कैफे की तीसरी वर्षगांठ पर बुधवार को भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री एवं मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जेएसएलपीएस, कंचन सिंह द्वारा तीन वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर दीदी कैफे के कार्यक्रम में शामिल हो कर सभी दीदियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

वर्षगांठ के उपलक्ष्य में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी एवं मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जेएसएलपीएस ने दीदी किचन की दीदीयों के साथ मिल कर केक काटा। गणेश लक्ष्मी महिला कैटरिंग समूह की संस्थापक पूनम दीदी ने इस अवसर पर अपनी प्रेरणादायक यात्रा साझा की। वर्तमान में उनके नेतृत्व में 3 विभिन्न स्वयं सहायता समूहों की 12 महिला सदस्याएं कार्यरत हैं, जो इस कैफे के संचालन में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। भविष्य में अन्य शासकीय कार्यालय परिसरों में भी इस प्रकार के दीदी कैफे प्रारंभ किए जाएं ताकि और अधिक महिलाओं को उद्यमिता के अवसर मिल सके।

उपायुक्त ने दीदी कैफे की प्रगति की सराहना करते हुए इसके निरंतर सुधार के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि भविष्य में अन्य शासकीय कार्यालय परिसरों में भी इस प्रकार के दीदी कैफे प्रारंभ किए जाएं ताकि और अधिक महिलाओं को उद्यमिता के अवसर मिल सके। उन्होंने दीदी समूहों की बढ़ती आय पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि यह कैफे पहले रोज 25,000 की आय करता था जो अब बढ़कर 50,000 प्रतिदिन तक पहुंच गई है। यह ग्रामीण महिला उद्यमिता की बड़ी सफलता है।

इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों को दीदियों द्वारा पारंपरिक झारखंडी व्यंजन जैसे चावल डुंबू, मड़ुवा डुंबू, इत्यादि भी परोसे गए। पलाश आजीविका दीदी कैफे एक सामुदायिक पहल है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना एवं उन्हें स्वरोजगार से जोड़ना है। इस पहल के माध्यम से न केवल महिलाओं को रोजगार मिल रहा है, बल्कि राज्य की पारंपरिक पाक विरासत को भी संरक्षित और प्रोत्साहित किया जा रहा है। यहाँ शुद्ध, पारंपरिक एवं किफायती भोजन उपलब्ध कराया जाता है। जैसे शाकाहारी थाली 50 से एवं मांसाहारी थाली 80 से शुरू होती है। वहीं डुंबू जैसे पारंपरिक व्यंजन मात्र 10 प्रति पीस की दर से परोसे जाते हैं।

इस कार्यक्रम जिला योजना पदाधिकारी संजीव कुमार, डीपीआरओ उर्वशी पांडेय, डीएसइ बादल राज एवं एसपीएम (नॉन-फार्म) नितीश सिन्हा, डॉक्यूमेंटेशन एवं कम्युनिकेशन अधिकारी मीनाक्षी, डीपीएम रांची, निशिकांत नीरज सभी डोमेन डिस्ट्रिक्ट मैनेजर्स, तथा जिला एवं प्रखंड स्तरीय सभी पदाधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

### गांधीनगर अस्पताल सीसीएल में हृदय रोग संबंधी निःशुल्क चिकित्सीय शिविर 26 अप्रैल को

**रांची।** सीसीएल के केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनगर कांके रोड रांची में शनिवार 26 अप्रैल को प्रातः नौ बजे से निःशुल्क हृदय रोग संबंधी चिकित्सीय शिविर (कार्डियक क्लिनिक) का आयोजन किया जा रहा है। इस चिकित्सीय शिविर में मैक्स अस्पताल, नई दिल्ली के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. राजीव राठी (सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट) हृदय रोग से ग्रसित मरीजों का जांच करेंगे एवं चिकित्सीय सलाह देंगे। हृदय रोग से ग्रसित सभी मरीज इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठा सकते हैं। मरीज के पास यदि पुराने ईलाज की रिपोर्ट/जांच के पेपर हों तो उसे अवश्य अपने साथ लायें। सीएमडी, सीसीएल, निलेन्दु कुमार सिंह के मार्गनिर्देशन में सीसीएल ने अपने कर्मियों के साथ-साथ समाज के हर वर्ग के लिए चिकित्सा सेवा मुहैया कराने के लिए कृतसंकल्पित है। सीसीएल द्वारा नियमित तौर पर देश के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित कर विभिन्न बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर का उद्देश्य है कि जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारी के अत्याधुनिक ईलाज की सुविधा उनके घर के निकट ही प्राप्त हो सके तथा इससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके।

### मोरहाबादी वेंडर मार्केट का फॉर्म भराना शुरू, पहले ही दिन लगी भीड़

**रांची।** मोरहाबादी स्थित वेंडर मार्केट में दुकान लगाने के इच्छुक पंजीकृत वेंडर्स के लिए फॉर्म भरने की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई है, जो 29 अप्रैल तक चलेगी। इस प्रक्रिया में केवल वे वेंडर्स भाग ले सकते हैं, जो पहले से मोरहाबादी में पंजीकृत हैं। फॉर्म नगर निगम कार्यालय के ग्राउंड फ्लोर स्थित काउंटर नंबर 6 से प्राप्त किए जा सकते हैं। पहले ही दिन फॉर्म लेने और जमा करने के लिए वेंडर्स की लंबी कतारें देखी गईं। दोपहर 3 बजे तक सौ से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स फॉर्म भर चुके थे, जबकि इसके बाद भी काउंटर के बाहर लाइन लगी रही। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, फॉर्म भरने के बाद एक जांच प्रक्रिया चलेगी, जिसमें यह तय किया जाएगा कि कौन-कौन वेंडर्स वास्तव में मोरहाबादी में पंजीकृत हैं। जिनका फॉर्म सही तरीके से भरा गया होगा और जो पंजीकृत पाए जाएंगे, उन्हीं के फॉर्म को चयन के लिए मान्य माना जाएगा। इसके बाद चयनित वेंडर्स को दुकानें लॉटरी प्रणाली के माध्यम से आवंटित की जाएंगी। इस प्रक्रिया का उद्देश्य पारदर्शिता बनाए रखना और पात्र वेंडर्स को उचित स्थान उपलब्ध कराना है।

# फॉगिंग सिर्फ वीआईपी इलाकों तक सीमित, आम जनता मच्छरों से त्रस्त

- नगर निगम का दावा है कि पूरे शहर में नियमित रूप से की जा रही है फॉगिंग

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** रांची नगर निगम की मच्छर नियंत्रण व्यवस्था अब सवालों के घेरे में है। नगर निगम का दावा है कि पूरे शहर में नियमित रूप से फॉगिंग की जा रही है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है। आम जनता का आरोप है कि फॉगिंग वाहन केवल नेताओं और बड़े अधिकारियों के आवासों के आसपास ही नजर आते हैं, जबकि बाकी इलाकों को जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है।

**फॉगिंग गाड़ी सिर्फ कागजों पर आती है : जनता का आरोप**

घनी आबादी वाले क्षेत्रों के निवासियों का कहना है कि उनके इलाके में महीनों से फॉगिंग वाहन दिखाई ही नहीं दिए। हर साल हमारे इलाके में डेंगू के मरीज निकलते हैं, लेकिन नगर निगम की गाड़ी कभी नहीं आती। बस जब कोई बड़ा अधिकारी बीमार होता है, तब पूरी टीम पहुंच जाती है।

**8 गाड़ियों से फॉगिंग का दावा, फिर भी अनदेखी क्यों?**

नगर निगम के अनुसार, फॉगिंग के लिए उनके पास कुल 8 गाड़ियां हैं, जिन्हें अलग-अलग टीमों में बांटकर विभिन्न वार्डों में प्रतिदिन फॉगिंग के लिए रोस्टर किया गया है। इन गाड़ियों को तय समय और स्थान पर भेजने की योजना बनाई जाती है ताकि पूरे शहर में नियमित फॉगिंग हो सके। बावजूद इसके, कई इलाकों में महीनों से फॉगिंग नहीं हुई है।

**7 दिन में फॉगिंग का दावा, लेकिन जमीनी सच्चाई कुछ और**

नगर निगम के रोस्टर के अनुसार, प्रत्येक वार्ड में हर 7 दिन के अंतराल पर फॉगिंग की जानी चाहिए। लेकिन अधिकतर वार्डों में यह प्रक्रिया या तो अनियमित है या पूरी तरह ठप पड़ी है। दूसरी ओर, वीआईपी इलाकों में हर हफ्ते बाकायदा फॉगिंग हो रही है।

**क्या मच्छर सिर्फ खास लोगों को ही काटते हैं?**

जनता का सवाल है कि यदि मच्छरों पर नियंत्रण के उपाय केवल चुनिंदा लोगों तक सीमित हैं, तो फिर निगम का यह दावा क्यों किया जाता है कि पूरी जनता की सेवा की जा रही है? क्या आम लोगों का स्वास्थ्य कोई मायने नहीं रखता?

**जनता का गुस्सा, निगम की चुप्पी**

टैक्स देने वाली जनता का कहना है कि अगर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं भी भेदभाव का शिकार हों, तो यह सीधा अन्याय है। जब इस मामले में नगर निगम के अधिकारियों से संपर्क किया गया, तो उन्होंने सिर्फ इतना कहा, फॉगिंग नियमित रूप से की जा रही है। लेकिन जमीनी हकीकत निगम के झूठी दावे की पोल खोल रही है।

## श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में आज होगा महाभिषेक

**रांची।** श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में गुरूवार को वरूथिनी एकादशी व्रत के उपलक्ष्य पर अखिल लोकलोकेश्वर परमात्मा दिव्य दम्पति का उद्यास्तमन सेवा सहित महाभिषेक होगा। फिर श्रृंगार महा आरती नित्याराधन नैवेद्य भोग और महास्तुति आदि के बाद प्रातः 7 बजे से 12 बजे तक एवं संध्या 4 बजे से 7 बजे तक आम श्रद्धालुओं के पूजा - अर्चना करने के लिये मंदिर गोपुरम के बाहरी कपाट को खोल दिया जायेगा। दरअसल, वैशाख कृष्ण पक्ष की यह एकादशी इस लोक में और परलोक में भी सौभाग्य प्रदान करने वाली है। वरूथिनी के व्रत से ही सदा सौख्य का लाभ और पाप की हानि होती है। यह समस्त लोगों को भोग और मोक्ष प्रदान करने वाली है। वरुथिनी के ही व्रत से मान्धाता तथा धुंधुमार आदि अन्य अनेक राजा स्वर्ग लोक को प्राप्त हुये हैं ।

## शिक्षकों को मिलेगा समान कार्य के बदले समान वेतन

- 8 सप्ताह में निर्णय लेकर ग्रेड पे 4600 भुगतान करने का आदेश

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** शिक्षकों के लिए समान कार्य के बदले समान वेतन मामले में झारखंड हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है। दिलीप कुमार पांडे एवं अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि प्रार्थी शिक्षकों को समान कार्य के बदले समान वेतन पाने का अधिकार है। निदेशक, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता साक्षरता विभाग को हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति संजय प्रसाद की कोर्ट ने आदेश दिया कि 8 सप्ताह के प्रार्थी शिक्षकों को समान कार्य के बदले समान वेतन देने पर निर्णय लें और उन्हें ग्रेड पे 4600 का भुगतान वर्ष 2015 से करें क्योंकि वर्ष 2012 की नियुक्ति नियमावली के तहत निकले गए विज्ञापन के आधार पर वर्ष 2015 में शिक्षकों की हुई थी।

कोर्ट ने सरकार से यह भी आशा जतायी कि प्रार्थियों के संबंध में जल्द से जल्द निर्णय लिया जाएगा ताकि प्रार्थियों को परेशानी का सामना न करना पड़े, क्योंकि प्रार्थियों में कई शिक्षक सेवानिवृत्ति के कगार पर है।

दरअसल, प्रार्थियों ने 4600 ग्रेड पे देने का आग्रह किया है, उनका कहना है कि उनकी नियुक्ति वर्ष 2002-3 में जेपीएससी के माध्यम से कक्षा 1 से 8 तक के शिक्षण कार्य के लिए हुई थी और उनका ग्रेड पे 4200 रखा गया है। बाद में वर्ष 2012 में झारखंड सरकार ने आरटीई एक्ट के तहत शिक्षकों की नियुक्ति के लिए नई नियमावली बनाई जिसमें कक्षा 1 से 8 को दो भागों कक्षा 1 से 5 एवं कक्षा 6 से 8 में विभाजित किया गया। वर्ष 2012 की नियमावली के तहत नियुक्त सभी शिक्षकों का ग्रेड पे 4600 रखा गया था। प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने बताया कि प्रार्थी की दक्षता वर्ष 2012 की नियमावली के तहत वर्ष 2015 में नियुक्त हुए शिक्षकों के समकक्ष है और वह उनसे सीनियर है और कई सालों से कक्षा 1 से कक्षा आठ तक के विद्यार्थियों के लिए अध्ययन कार्य करा रहे हैं। लेकिन वर्ष 2012 के नियमावली के तहत नियुक्त शिक्षकों को ग्रेड पे 4600 नियुक्त किया गया जबकि प्रार्थी जो वर्ष 2002 -3 में नियुक्त हुए थे उन्हें ग्रेड पे 4200 मिल रहा है।

## भारत के विरुद्ध पाक जिहादी युद्ध का कठोरतम जबाव जरूरी : विहिप

खबर मन्त्र संवाददाता

- विहिप का राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन 25 अप्रेल को

**रांची।** विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेंद्र जैन ने बुधवार को प्रेस वयान जारी कर कहा कि अब समय आ गया है कि इस्लामिक जिहादी पाकिस्तान व उसके कश्मीरी स्लीपर सेल के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित कर घाटी में पुनः सिर उठाने का दुस्साहस करने वाले मजहबी आतंकवाद का समूल नाश हो। उन्होंने कहा है कि कश्मीर घाटी के पहलगाम में जिस प्रकार यात्रियों के पेंट उतारकर, कलमा पूछ कर और आईडी चेक कर, जब यह सुनिश्चित हो गया कि वे मुस्लिम नहीं है, उनका नरसंहार किया गया, घोर निंदनीय है। इस अमानवीय घटना पर संपूर्ण देश स्तब्ध व आक्रोशित है। यह साफ दिखाई दे रहा है कि 1990 के आतंकवाद के दिनों की वापसी का दुस्साहस हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जब भारत के मुस्लिम नेता इस निर्मम नरसंहार पर क्यों चुप्पी साधे हैं? वे वक्फ एक्ट का झूठा डर दिखाकर तो पूरे देश में अफरा तफरी मचा सकते हैं लेकिन, कश्मीर घाटी में मारे गए इन मासूम हिंदू यात्रियों की हत्या के विरोध में सड़क पर उतरने का साहस नहीं कर सकते! यह स्थिति अच्छी नहीं है। घटना पर आक्रोष व्यक्त करने हेतु विश्व हिन्दू परिषद व बजरंगदल के कार्यकर्ता 25 अप्रेल को राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करेंगे।

## सरला बिरला पब्लिक स्कूल में अर्थ डे पर रंगारंग प्रस्तुति

**रांची।** सरला बिरला पब्लिक स्कूल में बुधवार को अर्थ डे के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक विशेष सभा का आयोजन किया गया। यह आयोजन उल्लास, श्रद्धा और सजीवता से परिपूर्ण था। कार्यक्रम की शुरूआत एक शांतिपूर्ण प्रार्थना से हुई, जिसके बाद स्कूल के क्वायर ग्रुप द्वारा एक मधुर भजन प्रस्तुत किया गया, जिसने पूरे वातावरण को संगीतमय और प्रेरणादायक बना दिया। इस अवसर पर रचनात्मक गतिविधियों की भी भरमार रही। विद्यार्थियों के लिए इंटरहाउस सैंड पेंटिंग प्रतियोगिता और प्रेरणादायक नाटक का आयोजन किया गया। प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि मां धरती की सुरक्षा हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

## खबर एक नजर में

### पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी बचाने का लिया गया संकल्प

**रांची।** आदित्य प्रकाश जालान टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, कुदलुम, में सोमवार को पृथ्वी दिवस बड़े उत्साह और पर्यावरण चेतना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम की शुरूआत पौधरोपण से हुई, जिसमें कॉलेज के शिक्षकों तथा बी.एड. 2024-26 के छात्रों ने भाग लिया। प्रशिक्षुओं में शुभम, अंजली, संतोषी, आयुषी, अंकिता, निधि, कोमल शिखा, रूक्मिणी, कृति ने पृथ्वी बचाओ, भविष्य बचाओ विषय पर भाषण, पी.पी.टी. प्रेजेंटेशन, कविता, झाँकी आदि का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. सरिता ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, पृथ्वी केवल हमारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारी पहचान है। हमें अपने छोटे-छोटे प्रयासों से भी बड़ा बदलाव लाना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में शुभा शर्मा, वागीश, ओम प्रकाश, विवेक, नीकिता मेहता सहित पूरा महाविद्याल परिवार उपस्थित रहा। धन्यवाद ज्ञापन सुरेंद्र प्रताप ने किया। समापन शुभा शर्मा ने शांति मंत्र से किया।

### जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग की उपेक्षा पर आदिवासी छात्र संघ का विरोध

**रांची।** आदिवासी छात्र संघ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय अध्यक्ष विवेक तिर्की के नेतृत्व में ट्राइबल एंड रीजनल लैंग्वेज विभाग में लंबे समय से व्याप्त समस्याओं को लेकर बुधवार को कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य को ज्ञापन सौंपा। छात्र संघ ने बताया कि विभाग में शिक्षकों की भारी कमी, कक्षा-कक्षों की अपर्याप्त संख्या, शौचालयों की खराब स्थिति, एवं अखाड़ा में मंच और शेड का अभाव जैसी गंभीर समस्याएं हैं। इससे विद्यार्थियों की शिक्षा पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। विश्विद्यालय अध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर पांच दिनों में समाधान नहीं हुआ तो विश्वविद्यालय बंद कराया जायेगा।

### जवाहर बाल मंच का एजुकेशनल कैंप संपन्न

**रांची।** जवाहर बाल मंच के द्वारा आयोजित तीन दिवसीय एजुकेशनल कैंप का समापन बुधवार को हो गया। इस कैंप के अंतर्गत बच्चों को बाल मंच के द्वारा योगाभ्यास, नृत्य, डिबेट, ड्रॉइंग, कंपीटीशन, संस्कृतिक कार्यक्रम के अतिरिक्त बच्चों के द्वारा कई तरह के अन्य प्रोग्राम प्रस्तुत किए गए। कैंप का आयोजन जवाहर बाल मंच झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष तारिक अनवर की अध्यक्षता में में किया गया।

### फैंटेसी कल्चरल एकेडमी का उद्घाटन

**रांची।** पूर्व उपमहापौर अजय नाथ शाहदेव ने बुधवार को फैंटेसी कल्चरल एकेडमी का उद्घाटन किया। मौके पर उन्होंने कहा कि कहा की बच्चों के सर्वांगीण विकास के पढ़ाई के साथ साथ एक्स्ट्रा करीकुलर एक्टिविटी भी काफी जरूरी है। इस मौके पर निदेशिक केया घोष , श्रीमती जिनिया घोष मौजूद थी।

## डॉ एमके गुप्त वेटनरी संकाय के डीन बने

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर तथा पशु विकृति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ मधुरेंदु कुमार गुप्त को पशु चिकित्सा संकाय के अधिष्ठाता का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहां के अधिष्ठाता डॉ सुशील प्रसाद का 21 अप्रैल को असामयिक निधन हो गया था। लोकप्रिय शिक्षक और शोध वैज्ञानिक के रूप में प्रतिष्ठित डॉ गुप्त पिछले कई वर्षों से बीएयू के निदेशक आवासीय शिक्षा सह अधिष्ठाता स्नातकोत्तर संकाय का भी अतिरिक्त दायित्व संभाल रहे हैं। साथ ही पशुचिकित्सा महाविद्यालय के कई विभागों के अध्यक्ष का भी अतिरिक्त प्रभार उनके पास है।

**डॉ सुशील प्रसाद के निधन पर शोक सभा आयोजित**

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा संकाय के डीन डॉ सुशील प्रसाद के असामयिक निधन पर रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में एक शोक सभा हुई जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एससी दुबे,पदाधिकारी, शिक्षक, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

## अमित तिर्की अध्यक्ष एवं दिवाकर प्रजापति महासचिव मनोनीत

- अबुआ अधिकार मंच डोरंडा महाविद्यालय ईकाई का गठन

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** अबुआ अधिकार मंच की बैठक बुधवार को डोरंडा महाविद्यालय में हुई। मौके पर अबुआ अधिकार मंच के अभिषेक शुक्ला ने कहा कि अबुआ अधिकार मंच के स्थापना काल से ही छात्र हितों के प्रति संपूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्यरत है और छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन तथा अन्य गतिविधियां इसके द्वारा समय-समय पर चलाई जाती है।

मौके पर डोरंडा महाविद्यालय ईकाई का गठन किया गया। जिसमें अमित तिर्की अध्यक्ष और दिवाकर कुमार प्रजापति को महासचिव मनोनीत किया गया। अन्य सदस्यों में उपाध्यक्ष अजीत उरांव, अपूर्वा गोप,आकाश टेटे, सचिव अर्जुन महतो, ऋषि नायक दीपक साहू,सह सचिव सैलेष इक्का, कौशल करकेटा, विशाल कुमार साहू, प्रवक्ता, फ्रांसिस तिर्की, सोशल मीडिया प्रभारी राहुल कुमार, कार्यसमिति सदस्य प्रवीण गुड़िया, डेनियल सोरेन, एल्विश हीरो, किशोर महतो, सुजीत होरो को बनाया गया।

## गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण के लिए शिक्षक में आदर्शवादिता अपेक्षित है : डॉ जे बी पाण्डेय

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** पटेल बी एड कालेज लोधमा में बुधवार को फैकल्टी दक्षता विकास कार्यक्रम के तहत उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए रांची विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डा जंग बहादुर पाण्डेय ने कहा कि शिक्षा विकास का मूलाधार है। सुप्रसिद्ध दार्शनिक अरस्तू ने कहा है कि मनुष्य की चार मौलिक आवश्यकताएं हैं । राष्ट्र पिता महात्मा गांधी कहा करते थे कि किसी देश का भविष्य वहां के आदर्श नागरिक पर, नागरिकों का भविष्य वहां की समुचित शिक्षा व्यवस्था पर और शिक्षा का भविष्य वहां के योग्य शिक्षकों पर निर्भर करता है। गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण के लिए शिक्षक में आदर्शवादिता अपेक्षित है।

## इफको ने ठाकुर गांव में किया मृदा परीक्षण एवं किसान गोष्ठी का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** मिट्टी जो जीवनदायिनी है। चराचर में व्याप्त सभी जीवों का वह आधार है। मिट्टी जिसमें अन्न, फल, फूल और पशुओं के लिए चारे उगाये जाते हैं। उसकी जानकारी केवल किसान को ही नहीं परन्तु हरेक व्यक्ति को होनी चाहिए जिससे कि सभी कमजोर और मृत हो रही मिट्टी को स्वस्थ और मजबूत करने में अपना अहम भूमिका निभाएंगे। इन्हीं विषय को लेकर एक मृदा परीक्षण एवं किसान गोष्ठी का आयोजन बुढ़मू के ठाकुर गांव के खिजूरी टोली ग्राम में किया गया। इस कार्यक्रम में किसानों के साथ चर्चा करते हुए डॉ शशि भूषण समदर्शी, राज्य विपणन प्रबंधक, इफको रांची ने उन्हें मिट्टी के विभिन्न अवयवों जैसे हवा, पानी, सूक्ष्म जीव, जीवाश्म कार्बन एवं खनिज लवण के बारे में बताया गया और यह भी जानकारी दी गई कि किस प्रकार ये सभी अवयव उपजाऊ मिट्टी के लिए महत्वपूर्ण हैं और कैसे इनमें से किसी भी एक की कमी या अधिकता उसके उपजाऊपन को प्रभावित करता है। उन्हें यह भी बताया गया कि किस प्रकार आप अपनी मिट्टी को उर्वर बना सकते हैं। इसके लिए उन्हें कहा गया कि आप अपने खेतों में अधिक से अधिक जैविक श्रोतों का समावेश करें जो उन्हें गोबर, हरी खाद, फसल अवशेष, जानवरों का अपशिष्ट या फिर बाजार में उपलब्ध जैव उर्वरक और अन्य जैविक उत्पाद से प्राप्त होंगे। उनसे यह भी निवेदन किया गया कि रासायनिक उर्वरकों का उपयोग विवेकपूर्ण रूप से एवं संतुलित मात्रा में करें जिससे कि उसका अधिकतम उपयोग फसल, अपने वृद्धि विकास एवं उत्पादन बढ़ाने के लिये उपयोग करें। उन्हें अधिक एवं असंतुलित रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से मिट्टी में हो रहे दुष्प्रभाव के बारे में भी जानकारी दी गई।

किसानों को इस अवसर पर मिट्टी नमूना इकठ्ठा करने के तरीके के बारे में जानकारी देते हुए खेत में जाकर उसे निकाल कर दिखाया भी गया। सभी किसानों से निवेदन किया गया कि आप अपने अपने खेत की मिट्टी का नमूना लेकर इफको को उपलब्ध कराएं, जिससे कि इसका विश्लेषण कराकर आपको रिपोर्ट खरीफ की खेती के पहले उपलब्ध करा दिया जाए। इस अवसर पर इफको के चंदन कुमार, सुशील कुमार, रमेश कुमार एवं प्रशांत गोप सहित 60 किसान उपस्थित रहे।

# राज्यपाल ने विद्यार्थियों से किया पर्यावरण रक्षक बनने का आह्वान

- राज भवन में विश्व पृथ्वी दिवस समारोह आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

**रांची।** राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की उपस्थिति में बुधवार को राज भवन के बिरसा मंडप में विश्व पृथ्वी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीपीएस, रांची के छात्र-छात्राओं द्वारा पर्यावरण विषयक संदेशों से युक्त विविध प्रस्तुतियां प्रस्तुत की। राज्यपाल द्वारा राज भवन परिसर में वृक्षारोपण कर इस दिवस के महत्व को रेखांकित किया गया। उन्होंने कहा कि यह दिवस हमें हमारी धरती माता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उसके संरक्षण के लिए अपने दायित्वों को निभाने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्व पृथ्वी दिवस की थीम - आवर पावर, आवर प्लानेट हम सभी को नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को 2030 तक तीन गुना बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने प्रधानमंत्री जी के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि पर्यावरण की देखभाल करना भारतीय जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा है और भारत जलवायु परिवर्तन से निपटने में संपूर्ण विश्व को दिशा दिखा सकता है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में वृक्षों को वंदनीय और नदियों को माता का दर्जा दिया गया है। यही दृष्टिकोण आज के वैश्विक संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक और प्रेरणादायक है। यदि हम ठान लें, तो भारत न केवल हरित विकास का अग्रदूत बनेगा, बल्कि भावी पीढ़ियों को एक समृद्ध और संतुलित पृथ्वी की सौगात भी दे सकेगा। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी हमारे भविष्य के निमार्ता हैं। आपके छोटे-छोटे प्रयास, जैसे कि प्लास्टिक का कम उपयोग, जल और ऊर्जा की बचत, वृक्षारोपण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना, अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने छात्र/छात्राओं को पर्यावरण रक्षक की संज्ञा दी और कहा कि उनका आचरण पूरे समाज को प्रेरणा दे सकता है। उन्होंने कहा कि राज भवन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय है, यहां वर्षा जल संचयन, सौर ऊर्जा का उपयोग तथा जैविक खाद निर्माण जैसी पहल की गई हैं। उन्होंने सभी से धरती माता के प्रति कृतज्ञ रहने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु सजग और समर्पित रहने का आह्वान किया।

## मैरी हेलो किड्ज स्कूल, कांके में पृथ्वी दिवस पर गूंजे पर्यावरण बचाओ के नारे

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** मैरी हेलो किड्ज स्कूल, कांके में मंगलवार को पृथ्वी दिवस बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। नन्हें-मुन्नों ने न केवल रंग-बिरंगे पोस्टर और नारे तैयार किए, बल्कि उन्होंने अपने कार्यों से यह संदेश भी दिया कि हमारी धरती, हमारी ज़िम्मेदारी है।

कार्यक्रम की शुरुआत पौधरोपण के साथ हुई, जहां बच्चों ने अपने नन्हें हाथों से पौधे लगाए और उन्हें रोज पानी देने का संकल्प लिया। स्कूल परिसर में 'ग्रीन मार्च' निकाला गया, जिसमें बच्चों ने पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ, प्लास्टिक हटाओ, धरती बचाओ, जैसे नारों से पूरे इलाके को गूंजा दिया।

प्रधानाचार्या बिमला सिन्हा ने इस अवसर पर कहा, आज के बच्चे ही कल के संरक्षक हैं। हमें उन्हें प्रकृति से जुड़ने का अवसर देना होगा, तभी वे पर्यावरण के महत्व को समझ पाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि स्कूल द्वारा पूरे सप्ताह ग्रीन एक्टिविटी वीक मनाया जा रहा है, जिसमें हर दिन पर्यावरण से जुड़ी अलग-अलग गतिविधियां कराई जाएंगी। कार्यक्रम में बच्चों ने एक विशेष नाटक प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने दिखाया कि यदि हम अभी भी नहीं जागे, तो भविष्य कितना डरावना हो सकता है। इस बाल नाटक ने उपस्थित अभिभावकों की आंखें नम कर दीं। स्कूल ने यह साबित कर दिया कि सीखना केवल किताबों से नहीं होता, बल्कि जीवन के बड़े पाठ तो इन अनुभवों से ही मिलते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में टीचर एवं स्टाफ का योगदान सराहनीय रहा।

## बेड़ो में मांडर विधानसभा स्तरीय संगठन सृजन-2025 संविधान बचाओ कार्यक्रम का आयोजन

# संगठन सृजन 2025 को लेकर बनी रणनीति

खबर मन्त्र संवाददाता

**बेड़ो।** बिशु भगत इंटर कॉलेज केशा मोड़ बेड़ो में बुधवार को कांग्रेस पार्टी के तत्वावधान में मांडर विधानसभा स्तरीय कांग्रेस कमिटी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें संगठन सृजन-2025 संविधान बचाओ कार्यक्रम को लेकर व्यापक रणनीति बनाई गई। वहीं कार्यक्रम की शुरूआत करने से पहले जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि पहलगाम में सैलानियों पर हुए बर्बर और अमानवीय हमलों ने हर इंसान की रूह को झकझोर

बेड़ो में कार्यक्रम में बोलते पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, मौजूद मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की व अन्य।

दिया है। 26 निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या कायरतापूर्ण आतंकवाद का घिनौना चेहरा है। हम इसकी कठोर निंदा करते हैं' इस दुःख की घड़ी में शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। प्रदेश कांग्रेस द्वारा मांडर विधानसभा स्तरीय आयोजित संगठन सृजन-2025 कार्यक्रम का उद्देश्य पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना, कार्यकताओं को सक्रिय करना और आगामी चुनावों के लिए रणनीतिक तैयारी करना है। इसके तहत मांडर विधानसभा में कांग्रेस को नए ऊर्जा के साथ पुनर्गठित करने पर जोर देना है। कार्यक्रम में कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि पूरे राज्य में कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाना है। उन्होंने कार्यकताओं से कांग्रेस पार्टी के विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने व संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। वहीं मौके पर मांडर विधानसभा के पांचों प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष, सभी प्रखंड के प्रकोष्ठ अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष,करमा उरांव, मंगा उरांव, इश्तियाक अंसारी, रमेश महली, जयंत बारला, पीसीसी डेलिगेट्स मजकुर आलम सिद्दीकी, जिला परिषद सदस्य वेरोनिका उरांव, उप प्रमुख मुदस्सिर हक, नवल सिंह, अबू माज, मंगलेश्वर उरांव, समीम अख्तर, अजित सिंह, सुजीत शाही, शंभु बैठा, बिरसु तिर्की, पंचू मिंज, मो फहीम संजय कच्छप, मीर मुस्लिम, सोमरा लोहरा, मन्कु कुजूर, सरोज लकड़ा, सिलवेस्टर, समसाद आलम, विश्वनाथ मुंडा, देवनिश तिग्गा, जमील मलिक, रमेश उरांव, दिलीप सिंह व सत्यनारायण पाठक आदि मौजूद थे।

## आजसू के संस्थापक सदस्य की मनी चौथी पुण्यतिथि

# हरदिल अजीज नेता थे बीरेंद्र भगत : निर्मला

खबर मन्त्र संवाददात

- हरदिल अजीज नेता थे बीरेंद्र भगत : निर्मला
- होचर में जुटे सैकड़ों लोग
- माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि

**रातू।** झारखंड आंदोलनकारी, आजसू के संस्थापक सदस्य, सरना प्रार्थना सभा के संस्थापक अध्यक्ष सह समाजसेवी सरना रत्न स्व वीरेंद्र भगत की चौथी पुण्यतिथि पर सैकड़ों लोगों ने पैतृक गांव होचर स्थित समाधि स्थल व ईंद जतरा टिकरा में उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कई लोग उनकी याद में फफक कर रो पड़े। इससे माहौल गमगीन हो गया। समारोह में जिप अध्यक्ष और उनकी पत्नी निर्मला भगत ने उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्व भगत को मृदु भाषी, हंसमुख, मिलनसार स्वभाव के धनी, प्रखर वक्ता और हरदिल अजीज नेता बताया। स्व भगत के शुभचिंतक, सामाजिक व राजनीतिक दल के कार्यकर्त्ता, पंचायत प्रतिनिधि और परिवार के सदस्यों ने उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया। संचालन राजीव रंजन मिश्र ने किया।

कार्यक्रम में लिया हिस्सा

## विद्यालय में मना कुंवर सिंह जयंती

**खलारी।** सरस्वती शिशु विद्या मंदिर डकरा में वीर कुंवर सिंह जयंती धूम धाम से मनाई गई। सर्वप्रथम विद्यालय के उपप्रधानाचार्य विद्यानंद झा ने दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की इस दौरान उन्होंने कहा कि वीर कुंवर सिंह सन् 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सिपाही और महानायक थे। अन्याय विरोधी व स्वतंत्रता प्रेमी बाबू कुंवर सिंह कुशल सेना नायक थे। उन्होंने 80 वर्ष की उम्र में भी आंग्रेजो के छक्के छुड़ाकर रखे थे। उनके जीवन से हम सभी को प्रेरणा लेने की जरूरत है।कार्यक्रम क्षेत्रीय भाषाओं में गायन प्रतियोगीता, भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें विद्यालय के भैया-बहनों के साथ आचार्य-भगिनी ने कार्यक्रम के सफल संचालन में अपना संपूर्ण सहयोग दिया।

## मुन्ना सोनार गिरफ्तार पुलिस भेजा जेल

**ओरमांझी।** थाना क्षेत्र के सिलदीरी निवासी मुन्ना सोनार को पुलिस द्वारा गिरफ्तार का जेल भेज दिया गया है। बताया गया कि मुन्ना सोनार किसी से चेक देकर पैसा उधार लिया था। वह पैसा नही लौटा रहा था। वहीं चेक बाउंस भी हो गया। न्यायलय द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। वहीं गिरफ्तारी से बचने के लिए वह घर से फरार हो छिपकर रहता था। पुलिस बुधवार को गिरफ्तार करने उसके घर गई तो उसके स्वजन जमषेदपुर जाने की बात कही, जिसके बाद पुलिस द्वारा उसका मोबाइल लोकेन सर्च करया गया। मेदांता हॉस्पिटल इरबा स्थित लोकेषन मिलने के बाद पुलिस उसे मेदांता हॉस्पिटल के पास से ही गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि मुन्ना सोनार धोखा-धड़ी व टावर लगाने के नाम पर ठगी के आरोप में पहले भी जेल जा चूका है।

## मांडर पुलिस ने अज्ञात शव बरामद किया

**मांडर।** मांडर पुलिस ने बुधवार को थाना क्षेत्र के हेसमी स्थित स्टेडियम के निकट से मांडर पुलिस ने बुधवार की सुबह एक 65 वर्षीय वृद्ध का शव बरामद किया है। देर रात तक शव की पहचान नहीं हो पायी थी। बताया जाता है कि वृद्ध सुबह करीब छह बजे स्टेडियम के समीप स्थित चापाकल में कपड़ा धोने के बाद नहाने की तैयारी कर रहा था, इसी दौरान वह जमीन पर गिर गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। सूचना मिलने पर मांडर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। पुलिस के अनुसार वृद्ध ब्लू रंग का एक चेकदार गमछा लपेटे हुआ था, उसके पास से लाल रंग का प्लास्टिक का झोला भी बरामद हुआ है।

## रातू : सड़क हादसे में युवक की मौत

**रातू।** थाना क्षेत्र के चट्टी में बुधवार की शाम 7:30 बजे पैदल सड़क पार करते युवक को मांडर की ओर से आ रहे बोलेरो जेएच 01 एफटी 6098 ने अपनी चपेट में लिया। इससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गयी। उसकी उम्र करीब 30 वर्ष थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गाड़ी तेज रफ्तार में थी। खबर लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिये रिम्स भेज दिया है।

## बुंडू में पहलगाम हमले को लेकर आक्रोश रैली निकाली गई

**बुंडू।** पहलगाम में आतंकी हमले को लेकर बुधवार को जय हो सेवा संस्था, विश्व हिंदू परिषद एवं भागवत संगठन के द्वारा आक्रोश रैली निकाली गई। रैली धुर्वा मोड चौक से बुंडू बाजार तक निकल गई तथा वापस लौटकर धुर्वा मोड़ स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थल पर हमले में शहीद हुए लोगों की आत्मा की शांति के लिए 1 मिनट का मौन रखा गया। रैली में पाकिस्तान मुदार्बाद देश के गद्दारों को गोली मारो हिंदुओं पर अत्याचार बंद करो सहित कई तरह के नारे लगाए जा रहे थे।

## शहीद जीतराम बेदिया का योगदान समाज के लिए अनुकरणीय: सुदेश महतो

**सिकिदिरी।** शहीद जीतराम बेदिया के 169 वें पुण्य तिथि के मौके पर सुरसु में शहीद जीतराम बेदिया के प्रतिमा पर उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में शहीद जीतराम बेदिया का योगदान अनुकरणीय है। कहा कि जीतराम बेदिया पुरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है 'हम सबों को शहीद जीतराम बेदिया के बताएं मार्ग पर चलने की जरुरत है समाज उनके योगदान को कभी नहीं भूलेगा। सुदेश महतो ने इससे पूर्व सिंगारी बाजार टांड में लगे प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया। मौके पर जिला परिषद राजेंद्र शाही मुंडा, टाटी मुखिया रामानंद बेदिया, सुरसु मुखिया सुमित्रा देवी, ग्राम प्रधान सुरसु गणेश बेदिया, ग्राम प्रधान नावाडीह हीरालाल बेदिया, ग्राम प्रधान सिंगारी बालेश्वर बेदिया, ग्राम प्रधान कुच्चू जयशंकर पाहान, जगमोहन बेदिया, घासनी देवी, दीनदयाल बेदिया, श्याम सुन्दर बेदिया, मोहन बेदिया, आदि उपस्थित थे।

## तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक सवार पर बरपाया कहर

# युवती की मौत, युवक जख्मी, विरोध में सड़क जाम

खबर मन्त्र संवाददाता

**रातू।** सिमलिया नयांटोली के कटहल मोड़ स्थित तेल मील के पास बुधवार को दिन के 3 बजे मिट्टी गिराकर लौट रहे हाइवा जेएच 01सीई 5472 ने बाइक जेएच 01 सीडब्लू 5013 पर सवार युवक-युवती को रौंद डाला। इससे 21 वर्षीया मोनिका कुमारी की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी। जबकि, 26 वर्षीय डब्लू उरांव गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे देवकमल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत नाजुक बतायी जा रही है। मृतका लातेहार जिले के चंदवा अंबाटोली निवासी सुनिल भगत की पुत्री थी। जबकि, डब्लू उरांव, ओरमांझी सांती के मंगरु उरांव का पुत्र है। आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर टायर जलाकर रांची-गुमला मार्ग को करीब एक घंटे तक जाम कर दिया। सूचना पाकर पहुंचे थानेदार आरएन सिंह

की पहल पर मृतका का अंतिम संस्कार व घायल युवक का इलाज के लिये नाथ उद्यान के मालिक ने 1 लाख रुपये की सहायता राशि दी। इसके बाद शाम 6 बजे जाम हटा लिया गया। इस बीच सड़क की दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतार लग गयी। हालांकि, आवश्यक सेवा को इससे मुक्त रखा गया था। पुलिस ने शव को रिम्स भेज दिया है। हाईवा अजय चौधरी की बतायी जा रही है। उसे जब्त कर लिया गया है।

### अवैध उत्खनन का है मामला

डीएवी स्कूल के नजदीक प्रो नाथ उद्यान का अपार्टमेंट बन रहा है। बिल्डिंग का निर्माण डार्लिंग हाउसिंग प्रावि कंपनी करा रही है। माइनिंग डिपार्टमेंट का बगैर परमिशन से पैरवी के बल पर यहां मिट्टी का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। हाईवा की मदद से मिट्टी निकाली जा रही है। स्थानीय लोगों ने कई बार इसका विरोध किया। लेकिन, उनकी एक न सुनी गयी। थानेदार श्री सिंह ने कहा कि इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

### ओरमांझी और चंदवा में मातम

घायल डब्लू का दोस्त संतोष उरांव ने बताया कि मोनिका से उसकी शादी नहीं हुई थी। लेकिन, दोनों रिलेशनशिप में रहकर बघलता स्थित सोनू प्रजापति के मकान में बतौर किरायेदार मजदूरी करते थे। दो दिन पहले वह चंदवा गयी थी। 2:30 बजे कटहल मोड़ पहुंची। डब्लू, बाइक से लेने गया था। वह अपने किराये के मकान की ओर जा रहे थे। जैसे ही तेल मील के समीप पहुंचे, हाईवा ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद ओरमांझी और चंदवा में मातमी सन्नाटा है।

## बीएड कॉलेज बीसा में समय प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन

**अनगड़ा।** जसपूरिया बीएड कॉलेज बीसा में बुधवार को समय प्रबंधन विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों और शिक्षण प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों में समय के कुशल प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाना और व्यावहारिक उपायों से उन्हें लाभान्वित करना । कार्यशाला का मंच संचालन पल्लवी कुमारी ने किया ।कार्यशाला का उद्घाटन संस्थान के अध्यक्ष जैलेंद्र कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता उर्सलाईन महिला टीचर ट्रेनिंग कालेज लोहरदगा एमएड विभाग के डॉ जय आनंद ने अत्यंत प्रभावशाली एवं प्रेरक व्यखान प्रस्तुत करते हुए सीमीत समय में कार्य करने का गुरुमंत्र दिया कहा कि सीमीत समय में कार्य को पूर्ण करने से तनाव को कम करने में वह सहायक सिद्ध होता है ।कार्यशाला की समन्वयक प्राध्यापिका विभा कुमारी ने विषय प्रवेश कराते हुए समय प्रबंधन की आवश्यकता और महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्राध्यापिका नीलिमा तिर्की द्वारा किया गया। उन्होंने सभी आमंत्रित अतिथियों, वक्ताओं, शिक्षकों और छात्रों को कार्यशाला को सफल बनाने में दिए गए योगदान के लिए आभार प्रकट किया ।इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षकगण प्रवीण सिंह कुशवाहा, सजीब कुमार, डॉ. प्रियंका शर्मा, प्रभा हेनरी, नीलिमा तिर्की एवं पी.के. रवि की उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ गई। सभी शिक्षकों ने कार्यशाला को उपयोगी एवं समयानुकूल बताया।

## साईं मंदिर सरसा लापुंग का 32 वां स्थापना दिवस समारोह आयोजन कलश यात्रा के साथ शुरू

खबर मन्त्र संवाददाता

**लापुंग।** लापुंग प्रखंड स्थित साईं मंदिर सरसा का दो दिवसीय 32 वां स्थापना दिवस समारोह का आयोजन बुधवार को कलश यात्रा व धार्मिक अनुष्ठानों के साथ शुरू हो गया। 251 महिलाओं की कलश यात्रा मंदिर परिसर से साईं बाबा के जयकारों से शुरू होकर सरसा गांव की परिक्रमा करते हुए जल कलश के साथ पुनः मंदिर परिसर में पहुंचकर एक धार्मिक समारोह में बदल गया। धार्मिक अनुष्ठान पुजारी राजकुमार पाठक व विकास पाठक ने संयुक्त रूप से संपन्न कराया। समारोह के दौरान बुधवार को साईं बाबा की प्रातः 5:15 बजे कांकड़ आरती, 9:00 बजे कलश यात्रा, व 11:00 बजे साईं बाबा का अभिषेक दूध, दही, मधु, गुड़ एवं जल से किया गयो वहीं दोपहर 12:00 बजे बाबा का मध्याह्न आरती, दोपहर 1:00 बजे यज्ञ मंडप पूजन, नवग्रह पूजन एवं भंडारा में श्रद्धालुओं के बीच भोग प्रसाद का वितरण किया गया`इस दौरान मंदिर परिसर ॐ साईं नमो नमः, श्री साईं नमो नमः ,जय जय

साईं नमो नमः सद्गुरु साईं नमो नमः के अमोघ मंत्रों से गूंजित रहा। साथ ही शाम 4:00 बजे हवन व शाम को धूप आरती और रात्रि 10:00 बजे बाबा की सेज आरती का आयोजन किया गयो वहीं गुरुवार को प्रातः 5:15 बजे कांकड़ आरती, यज्ञ मंडप पूजन व 11:00 बजे हवन के बाद विसर्जन के साथ यह समारोह संपन्न हो जाएगा। समारोह को सफल बनाने में शिरडी साई ग्राम विकास केन्द्र सरसा लापुंग के सचिव सत्येन्द्र भगत, मनोज उरांव,राजधन शेखर सिंह, पवन साहू, प्रसन्न, आदित्य कुमार पांडेय, हीरालाल शेखर सिंह, विजय महतो, नपिंदर सिंह, नाथूराम भगत, गुंदर तिर्की व संतोष चौरसिया आदि ने सराहनीय योगदान दिया।

## डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल बेड़ो में छात्र परिषद का गठन

**बेड़ो।** डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल बेड़ो में बुधवार को छात्र परिषद का सफलतापूर्वक गठन किया गया। नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। जिनका उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना का विकास करना है। स्कूल के प्राचार्य कैलाश कुमार ने छात्रों जीवन में अनुशासन और जिम्मेदारी की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसी जिम्मेदारियाँ छात्रों को भविष्य में एक सफल नेता और ज़िम्मेदार नागरिक बनने के लिए तैयार करती हैं।

## चिकित्सा शिविर में 220 मरीजों की जांच

**सिकिदिरी।** कुच्चू पंचायत अंतर्गत हुंडरू गांव में रामकृष्ण मिशन आश्रम मोरहाबादी रांची व रोटरी क्लब रांची की ओर से बुधवार को निश्शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविर का उदघाटन रामकृष्ण मिशन आश्रम के शक्तिशरानंद जी महाराज, रोटरी क्लब के डायरेक्टर अनुराधा जयसवाल व जेएलकेएम के केंद्रीय सचिव बालेशवर बेदिया ने संयुक्त रूप से किया।चिकित्सा शिविर में टाटा ट्रस्ट की ओर से संचालित कैंसर अस्पताल सुकुरहुटू रांची के कैंसर विशेषज्ञ डा.निशांत और डॉ. प्रियदर्शिनी मैथ्यू ने स्तन कैंसर एवं मुख कैंसर के संभावित लक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दिया।कहा कि शरीर के किसी भी भाग में होने वाले कैंसर बीमारी को प्रथम स्टेज में जाचं करा कर समय रहते रोका जा सकता है। कहा कि शरीर का हर गांठ कैंसर नहीं हो सकता है। चिकित्सा शिविर में 220 किशोरी,महिला व पुरूषों की स्वस्थ की जांच की गई।

# बलिदानी जीतराम बेदिया को दी गई श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र संवाददाता

**ओरमांझी।** अमर बलिदानी जीतराम बेदिया का 168वां बलिदान दिवस पर, ओरमांझी के बलिदानी स्थल घोड़ागढ़ा गगारी में एक कार्यक्रम आयोजित बलिदानी जीतराम बेदिया को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में पहुंचे रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने जीराम बेदिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी, और कहा जीतराम बेदिया जैसे बलिदानी देषप्रेम व राष्ट्रीयता की प्रेरणा देती है। उन्होने कार्यक्रम के आयोजन कताओं से साधारण ढंग से कार्यक्रम करने की अपील किया। वहीं जागरण संवादाता को जमू-कष्मीर के पाहलगाम में हुई आतंकी हमला के संबंधन में रक्षा राज्यमंत्री ने बताया घटना से देष

बलिदानी जीतराम बेदिया को श्रद्धांजलि देने पहुचे संजय सेठ।

की 140 करोड़ जनता मर्माहत है। अपनी सभी कार्यक्रम रद कर दिल्ली के लिए रवाना होने से पूर्व वे बलिदानी जीतराम बेदिया को श्रद्धांजिल देने पहुंचे थें। उन्होने पहलगाम घटना के पिछे पाकिस्तान का हांथ बताया, और कहा पाकिस्तान के नापाक मनससूबे भारत कभी सफल नही होने देगी। घटना को अंजाम देने वाले व उनके पिछे जिनका भी हांथ है, किसी को छोड़ा नही जाएगा। कहा घटना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी काफी गंभीरता से लिया है। आतंकवादियों व उनके पनाहगारों को भारत माकूल जबाब देगी। वहीं बेदिया विकास परिषद के केन्द्रीय उपाध्यक्ष जीतनाथ बेदिया ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा सन 1857 ई0 के सिपाही विद्रोह के आंदोलन में अंग्रेजो के खिलाफ जंग में अपनी प्राणों को बलिदान कर दिया था। अंग्रेजो के खिलाफ जंग में बलिदानी जीतराम बेदिया अंतिम सांस तक अंग्रेजो से संघर्ष किया था। मेजर जनरल मेकडोनाल्ड व अंग्रेजी फौज के द्वारा आज के ही दिन 23 अप्रैल 1858 को उनको घोड़ा सहित मार दिया था। श्रद्धांजलि देने वालों में पूर्व प्रमुख जयगोविंद उर्फ लालू साहू, जीतनाथ बेदिया, मुखिया धनराज बेदिया, दीपक बड़ाईक, उपमुखिया संतोष गुप्ता, दिलीप मेहता, ब्रजकिशोर बेदिया, बृजलाल बेदिया, जितेन्द्र बेदिया, शषि मेहता, विक्रांत तिवारी, सधन बेदिया, धर्मनाथ बेदिया, अकलु बेदिया, विशेश्वर महतो, निर्मल बेदिया, नरेश बेदिया, महावीर बेदिया सहित कई लोग शामिल थें।


## कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
## भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, रामगढ़।
### अतिअल्पकालीन निविदा आंमत्रण सूचना सं0–2/2025–26

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पदनामः कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल रामगढ़।
2. परिमाण विपत्र निर्गत की तिथि एवं समय : दिनांक 30/04/2025 को अपराह्न 1:00 बजे तक ।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 02/05/2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 02/05/2025 को अपराह्न 3:30 बजे।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : (1) अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल हजारीबाग, (2) कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, रामगढ।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : कण्डिका 5, में वर्णित (2)
7. कार्यो का विवरण :–

| क्र0 स0 | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि | अग्रधन की राशि | परिमाण विपत्र का मुल्य | कार्य समाप्ति की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Repair and Renovation of Drug Inspector office, Ramgarh | 6,40,200/- | 13,000/- | 1,250/- | 3 माह |

* निविदा की शर्तें एवं अन्य सूचनाएँ www.jharkhandtenders.gov.in पर भी देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमंडल ,रामगढ़।

PR 350874 Building(25-26)D

## उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा
## (जिला समाज कल्याण शाखा)
### निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कोडरमा जिला अन्तर्गत 751 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 03–06 वर्ष के बच्चों को गर्म ताजा पक्का पोषाहार एवं शाला पूर्व शिक्षा प्रदान किया जाता है। आंगनबाडी केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण एवं बच्चों का सर्वांगीण विकास के लिए सभी आंगनबाडी केन्द्रों में प्री–स्कूल किट (PRE SCHOOL KIT) क्रय किया जाना है। प्री–स्कूल किट (PRE SCHOOL KIT) का क्रय/आपूर्ति करने हेतु खुली निविदा **(Open Tender)** के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है।

आपूर्तिकर्त्ता/संस्थान /प्रतिष्ठान के चयन के निमित द्वि–लिफाफा (Two Envelope System) के अनुसार शील बंद निविदा दिनांक–08/05/2025 को 12:00 बजे पूर्वा० तक जिला समाज कल्याण कार्यालय, कोडरमा में जमा किया जा सकता है। प्राप्त **निविदा** दिनांक–08/05/2025 को 03:00 अप० बजे जिला स्तरीय कमिटि के समक्ष समाहरणालय सभागार, कोडरमा में खोला जाएगा, जिसमें निविदादाता या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि भाग लेगें। उक्त के संबंध में विस्तृत जानकारी जिले के बेवसाईट www.koderma.nic.in पर देखा जा सकता है। निविदा प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक विवरणी निम्नांकित है :–

| क्र० | विवरणी | तिथि/समय |
|---|---|---|
| 1 | जिला समाज कल्याण कार्यालय, कोडरमा में निविदा समर्पित करने की अंतिम तिथि/समय | दिनांक–08/05/2025 को 12:00 बजे पूर्वा० तक |
| 2 | निविदा खोलने की तिथि एवं स्थान | दिनांक–08/05/2025 को 03:00 बजे अप० समाहरणालय सभागर, कोडरमा |
| 3 | नमूना जमा करने की तिथि एवं स्थान | दिनांक–08/05/2025 को 03:00 बजे अप० समाहरणालय सभागर, कोडरमा |

PR.NO.350916 Women, Child Development & Social Security(25-26):D

उपायुक्त, कोडरमा।

## अधीक्षण अभियन्ता का कार्यालय,
## पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, गुमला।
### ——सूचना——

इस अंचल के कार्य क्षेत्र जिलों गुमला, सिमडेगा एवं लोहरदगा के नागरिकों को सूचित किया जाता है कि आगत गर्मी के मद्देनजर साधारण मरम्मति के लिए बन्द नलकूपों के शिकायतों के त्वरित निष्पादन हेतु पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डलों गुमला, सिमडेगा एवं लोहरदगा के कर्मचारीगण एवं पदाधिकारीगण सदैव तत्पर हैं। हैण्ड पम्पों की साधारण मरम्मति सम्बन्धी शिकायतों के निराकरण हेतु सभी प्रखण्डों/विभागीय प्रशाखाओं, विभागीय अवर प्रमण्डलीय कार्यालयों एवं विभागीय प्रमण्डलीय कार्यालयों में संधारित शिकायत पंजियों में अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावे तीनों जिलों के विभिन्न प्रखण्डों के प्रभारी कनीय अभियन्ताओं, सहायक अभियन्ताओं एवं कार्यपालक अभियन्ताओं के दूरभाषों/मोबाईल नम्बरों पर भी सम्बन्धित प्रखण्डों के नागरिकों द्वारा शिकायतें दर्ज करायी जा सकती हैं। मुख्यालय स्तर पर विभागीय टॉल फ्री नम्बर–18003456502 मो0 सं0 9470176901(WhatsApp No)/Jhar-Jal Mobile App एवं ईमेल आई डी dwsdcroom@gmail.com पर भी शिकायतें दर्ज करायी जा सकती हैं। एवं तीन दिनों के अन्दर यदि शिकायतें दूर नहीं की जाती हैं तो इसकी सूचना अंचल स्तर पर गठित नियंत्रण कक्ष कार्य दिवसों में पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 05.00 बजे तक दी जा सकती है, जिस पर त्वरित कार्रवाई की जायेगी।

अंचल स्तर पर गठित नियंत्रण कक्ष के वरीय प्रभारी के रूप में श्री आदित्य कुमार, प्राक्कलक हैं जिनका मोबाईल सं0–7903429240 है तथा उनके सहयोगी के रूप में श्री जितेन्द्र उराँव, निम्न वर्गीय लिपिक हैं जिनका मोबाईल सं0–8002997943 है।

आसन्न गर्मी के मौसम में पेयजल की समस्या के निराकरण हेतु पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, गुमला अंतर्गत विभिन्न जिलावार/प्रमण्डलवार/प्रखण्डवार नामित प्रभारी अभियन्ताओं की सूची

(A) पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा – कार्यपालक अभियन्ता श्री मुकेश कुमार, मोबाईल संख्या 9431501512

| क्र0 | प्रखण्डों के नाम | प्रभारी नोडल पदाधिकारियों के नाम | सहायक अभि0 का नाम | मोबाईल संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1 | सिमडेगा/पाकरटाँड़ | श्री पंकज कुमार पिंगुवा, कनीय अभियन्ता | श्री चन्दन कुमार, सहायक अभियन्ता मो0– 7277178510 | 9771320657 |
| 2 | कोलेबिरा | श्री कुन्दन कुमार, कनीय अभियन्ता | | 9430040865 |
| 3 | बानो/जलडेगा | श्री पंकज कुमार, कनीय अभियन्ता | | 9031726273 |
| 4 | बांसजोर | श्री प्रकाश कुमार महतो, कनीय अभियन्ता | | 7979837928 |
| 5 | कुरडेग/केरसई | श्री आशीष कुमार राणा, कनीय अभियन्ता | | 8002157450 |
| 6 | ठेठईटांगर | श्री सोमा उराँव, कनीय अभियन्ता | | 9431993634 |
| 7 | बोलबा | श्री उमेश कुमार महतो , कनीय अभियन्ता | | 6204476306 |

(B) पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा – कार्यपालक अभियन्ता श्री अनुप कुमार हांसदाः, मोबाईल संख्या 8084784990

| क्र0 | प्रखण्डों के नाम | प्रभारी नोडल पदाधिकारियों के नाम | सहायक अभि0 का नाम | मोबाईल संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1 | लोहरदगा–01 | श्री कृष्णा लोहरा, कनीय अभियन्ता | श्री जोय कुमार मिंज, सहायक अभियन्ता मो0– 7004085063 | 9955450761 |
| 2 | लोहरदगा–02 | श्री नितेश कुमार, कनीय अभियन्ता | | 8969445601 |
| 3 | कैरो | श्री सुमन राज खलखो, कनीय अभियन्ता | | 7033519626 |
| 4 | सेन्हा–01 | श्री आशीष कुमार, कनीय अभियन्ता | | 8989379646 |
| 5 | सेन्हा–02 | श्री मनीष कुमार वर्मा कनीय अभियन्ता | | 6206380515 |
| 6 | किस्को | श्री अमीत कुमार ठाकुर , कनीय अभियन्ता | | 8789278889 |
| 7 | कुडू–01 | श्री कुणाल कंचन, कनीय अभियन्ता | | 8789858692 |
| 8 | कुडू–02 | मो0 सरफराज अंसारी, कनीय अभियन्ता | | 8789985052 |
| 9 | भण्डरा | श्री अजय हेम्ब्रम, कनीय अभियन्ता | | 8986692325 |
| 10 | पेशरार | श्री कृष्णा लोहरा, कनीय अभियन्ता | | 9955450761 |

(C) पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला – कार्यपालक अभियन्ता श्री अनुज कुमार मिश्रा, मोबाईल संख्या 7739802331

| क्र0 | प्रखण्डों के नाम | प्रभारी नोडल पदाधिकारियों के नाम | सहायक अभि0 का नाम | मोबाईल संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1 | भरनो | श्री रितेष कुमार, कनीय अभियन्ता | श्री अरूण कुमार ज्योति, सहायक अभियन्ता, मो0– 7903369227 | 6206663298 |
| 2 | सिसई | श्री रतन खलखो, कनीय अभियन्ता | | 8809018585 |
| 3 | गुमला | श्री बासुदेव साहा, कनीय अभियन्ता | | 6207289122 |
| 4 | पालकोट | श्री बुधराम भगत, कनीय अभियन्ता | | 7488575755 |
| 5 | कामडारा | श्री गौरव कुमार, कनीय अभियन्ता | | 8969258686 |
| 6 | बसिया | श्री लव किशोर, कनीय अभियन्ता | | 9693014585 |
| 7 | रायडीह | श्री आदित उराँव, कनीय अभियन्ता | श्री जितेन्द्र लकड़ा, सहायक अभियन्ता, मो0– 7717794977 | 8210526675 |
| 8 | घाघरा | मो0 शोएब अख्तर, कनीय अभियन्ता | | 7992405933 |
| 9 | विशुनपुर | श्री अनुपम लकड़ा, कनीय अभियन्ता | | 9431774646 |
| 10 | चैनपुर | मो0 शोएब अख्तर, कनीय अभियन्ता | | 7992405933 |
| 11 | डुमरी | श्री अभिषेक उराँव कनीय अभियन्ता | | 6206041891 |
| 12 | अलबर्ट एक्का जारी | श्री अभिषेक उराँव कनीय अभियन्ता | | 6206041891 |

अधीक्षण अभियन्ता,
पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, गुमला।

PR 350889 Drinking Water and Sanitation(25-26)D

# आगे क्या?

कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट ह्यमिनी स्विट्जरलैंडह्न के नाम से मशहूर पर्यटन स्थल बैसरन में मंगलवार के दोपहर में एक आतंकवादी हमले में कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई। यह पिछले कई वर्षों में कश्मीर में आम नागरिकों को निशाना बनाकर किए गए सबसे भयावह आतंकवादी हमलों में से एक था। बायसरन घाटी में जब पर्यटक अपनी छुट्टियों का आनंद ले रहे थे तब आतंकियों ने अचानक हमला करके हर किसी को हैरान कर दिया। वहीं, हमले से बचने वाली एक महिला ने इस नरसंहार की दिल दहला देने वाली कहानी बताया। उसने बताया कि किस तरह आतंकियों ने पहले उनका धर्म पूछा और फिर गोली मारी। एक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हथियारों से लैस आतंकी अचानक घने देवदार के जंगलों और पहाड़ों से घिरे मैदान में घुस आए। यह छोटा-सा हिल स्टेशन दुनियाभर से आने वाले पर्यटकों के बीच पसंदीदा है। इसे ह्यमिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है। पूरे देश में आक्रोष है और नजरें टिकी है कि पीएम मोदी,शाह और राजनाश सिंह की तिकड़ी आगे क्या करती है? सबकी निगाह सर्जिकल स्ट्राइक जैसी किसी ठोस कार्रवाई पर टिकी है। आतंकियों ने अमरनाथ यात्री निवास नुनवान बेस कैंप से महज 15 किमी. दूर इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। यह 3 जुलाई से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा के लिए पारंपरिक मार्ग का हिस्सा है। माना जा रहा है कि आतंकियों ने पर्यटकों और तीर्थयात्रियों में दहशत फैलाने के लिए यह वारदात को अंजाम दिया है। अमरनाथ यात्रा के लिए 15 अप्रैल से पंजीकरण शुरू हुआ है। यह घटना केन्द्र और राज्य की बड़ी विफलता है। भारत की गिनती दुनिया के सॉफ्ट कंट्री में होती है जो आने वाले समय में किसी भी देश के लिए बड़ा नुकसान का कारण बन सकता है।

# हिन्दुओं की पहचान कर मार दी गयी गोलियां, कौन-सा भारत बना रहे हम

जम्-?मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने अंदर तक झकझोर दिया है। कहने को कहा जा रहा है कि विदेशी साजिश थी, पाकिस्तान का हाथ था लेकिन यह हाथ घर के अंदर आया कैसे घर के भी कोई अपने थे, जो इस पूरे आतंकवादी घटनाक्रम में शामिल हैं। ह्लइंटेलिजेंसह्व इनपुट कह रहा है कि छह आतंकियों में से तीन भारत के नागरिक थे, जिन्होंने विदेशी इस्लामिक आतंकवादियों के साथ मिलकर हिन्दुओं का खून बहाया है।

घटना के बाद से मीडिया में कई रिपोर्ट आई हैं, जिनमें से अनेकों में इस बात को दोहराया गया है कि पुलवामा हमला पार्ट-1 था जो 14 फरवरी 2019 को हुआ था, जिसमें 40 भारतीय सुरक्षा कर्मियों की जान गई थी। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी। अब पहलगाम हमला पार्ट-2 है जिसे 22 अप्रैल 2025 को 26 लोगों की जान लेकर अंजाम दिया गया है और कई घायल हैं। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के फ्रंट ग्रुप द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है, जो पाकिस्तान का आतंकी संगठन है। टीआरएफ जम्मू-कश्मीर में सक्रिय है और भारत इसे पहले ही आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। यह गुट 2019 में तब सामने आया था, जब जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाया था। टीआरएफ ने अब तक सुरक्षाकर्मियों और आम लोगों पर कई हमले किए हैं, जिनमें 2020 में भाजपा नेता और उनके परिवार की हत्या के साथ 2023 में पुलवामा में कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की हत्या भी शामिल है। साल 2019 के पुलवामा हमले में भी टीआरएफ का नाम आया था।

आज न जानें कितने टीआरएफ जैसे आतंकी संगठन भारत में पल रहे हैं। देखने में यही आता है कि इनके निशाने पर गैर मुसलमान खासकर हिन्दू रहते हैं। आखिर हिन्दुओं को ही क्यों टारगेट किया जाता है जो लोग आज इसे हमला पार्ट-2 कह रहे हैं, उन्हें भी समझ लेना चाहिए कि यह कोई एक, दो, तीन, चार, पांच या अन्य जिसे गिनतियों में समाहित किया जा सके वह जिहादी या गैर मुसलमानों के प्रति चलनेवाला अभियान (पार्ट) नहीं है। भारत में मोहम्मद बिन कासिम से लेकर अब तक अनेकों आक्रमण हो चुके हैं। इतिहास में मुहम्मद बिन कासिम के बाद 10वीं शताब्दी से तुर्क आक्रमण शुरू हुए, जिनमें महमूद गजनवी, मुहम्मद गोरी, बाबर, तैमूर लंग, अलाउद्दीन खिलजी जैसे अंध जिहादियों के आक्रमण प्रमुख हैं।

भारत पर पहली बार मुस्लिम आक्रमण 712 ईसवी में हुआ था, तब से लेकर अब तक 1337 साल गुजर चुके हैं, इतने दिनों में सांस्कृतिक भारत कई हिस्सों में बंट चुका है। भारतीय उपमहाद्वीप के अनेक देश इसके प्रमाण हैं, पीढ़ियों के स्तर पर भारत आज अपनी 45 पीढ़ियां औसतन पार कर चुका है, उसके बाद भी शेष भारत और यहां का ज्यादातर बहुसंख्यक समाज (हिन्दू) है, वह समझना ही नहीं चाहता कि आखिर ये इस्लामिक जिहादी घटनाएं बार-बार क्यों हो रही हैं। क्यों मजहब के नाम पर अलग देश लेने के बाद भी ये रुकने का नाम नहीं लेतीं।

इसी संदर्भ में यह ऐतिहासिक प्रसंग है, जिसके मर्म को सभी को समझना चाहिए; जब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष रहे मौलाना मुहम्मद अली ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि, ह्लअपने मजहब और अकीदे के मुताबिक मैं एक गिरे से गिरे और बदकार मुसलमान को भी महात्मा गाँधी से बेहतर समझता हूँ.ह्व यह चर्चित घटना सन् 1924 की है, जिस का विवरण डॉ. आंबेडकर ने अपनी पुस्तक पाकिस्तान और पार्टीशन ऑफ इंडिया (1940) में दिया है। पूछने पर मौलाना ने अपनी बात को बार-बार दुहरा कर कहा, ताकि गलतफहमी न रहे। समझने के लिए यहां इतना जान लें कि मौलाना मुहम्मद अली बड़े प्रतिष्ठित आलिम थे और गाँधीजी के अन्यतम सहयोगी भी रहे थे। इससे भी मौलाना की संजीदगी समझी जा सकती है। मौलाना ने अपने रिलीजन का केंद्रीय तत्व बड़ी सुंदरता से रखा था। जहाँ आचरण नहीं, विश्वास मुख्य है।

- डॉ मयंक

> इसी से अभी भारत, इजराइल, सीरिया, ईराक, युरोप के देशों में तबाही कर रहे लश्कर-ए-तैयबा, पासबान-इ-अहले हदीस, जैश-ए-मोहम्मद, तहरीक-ए-फुरकान, हरकत-उल-मुजाहिदीन, हरकत उल-अंसार, हिजबुल मुजाहिद्दीन, अल-उमर मुजाहिदीन, जम्मू एंड कश्मीर इस्लामिक फ्रंट, अल-बद्र, जमात-उल-मुजाहिदीन, अल-कायदा, दुख़्तरान-ए-मिल्लत, इण्डियन मुजाहिदीन, इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवेंट, जमात-उल-मुजाहिदीन, इस्लामी स्टेट (आई.एस.आई.एस.), बोको हरम, तालिबान या लश्करे-तोयबा आदि संगठनों के कामों का भी सही वर्गीकरण कर लेना

इसी से अभी भारत, इजराइल, सीरिया, ईराक, युरोप के देशों में तबाही कर रहे लश्कर-ए-तैयबा, पासबान-इ-अहले हदीस, जैश-ए-मोहम्मद, तहरीक-ए-फुरकान, हरकत-उल-मुजाहिदीन, हरकत उल-अंसार, हिजबुल मुजाहिद्दीन, अल-उमर मुजाहिदीन, जम्मू एंड कश्मीर इस्लामिक फ्रंट, अल-बद्र, जमात-उल-मुजाहिदीन, अल-कायदा, दुख़्तरान-ए-मिल्लत, इण्डियन मुजाहिदीन, इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवेंट, जमात-उल-मुजाहिदीन, इस्लामी स्टेट (आई.एस.आई.एस.), बोको हरम, तालिबान या लश्करे-तोयबा आदि संगठनों के कामों का भी सही वर्गीकरण कर लेना चाहिए।

वे सिरफिरे नहीं हैं, वे बेकार में हिंसा नहीं कर रहे हैं, उनका मकसद साफ है। जैसा भ्रमवश या लोगों को भुलावे में रखने के लिए कह दिया जाता है कि आतंकवादी का कोई मजहब या धर्म नहीं होता, वे उतने ही मुसलमान हैं, इसलिए किसी मुसलमान के लिए गाँधीजी जैसे गैर-मुस्लिमों से अधिक अपने हैं। जिहादी, आतंकवाद के संदर्भ में इस सत्य को ठीक से समझकर ही भारत पर हो रहे राजनीतिक, आध्यात्मिक, अन्य हिंसात्मक, लव जिहाद, लैण्ड जिहाद जैसे अनेक प्रकार के आक्रमणों को समझा जा सकता है।

ईसाइयत और इस्लाम की वैसी मान्यताओं के ठीक विपरीत हिंदू धर्म किसी मतवाद, विश्वास आदि को धर्म का आधार नहीं मानता। इसीलिए हिंदू धर्म उस तरह सामाजिक-राजनीतिक और हिंसक रूप से संगठित धर्म या मत, पन्थ नहीं है, जो अपनी और दूसरों की गिनती आदि का ध्यान रखते हुए धर्म (मजहब) की चिंता कर सके। यह इस की कठिनाई भी है, जो इस पर इस्लाम अथवा ईसायत के संगठित आक्रमणों को अपेक्षाकृत आसान बनाती रही है। अर्थात, हिंदू धर्म की विशेषता एक विशेष परिस्थिति में इस की दुर्बलता भी बनी रही है।

इसी कारण लगातार हिंदू धर्म अरक्षित भी हो रहा है। इसकी इमारत किसी मत-विश्वास पर नहीं, बल्कि सृष्टि मात्र के साथ संबंध पर आधारित है। रिलीजन वाले मतवाद अपने आसपास बाड़ा बनाते हैं। जो उस के भीतर हैं वे 'अपने' हैं और बाकी सब 'गैर' और प्रायः शत्रु भी माने जाते हैं। लेकिन चूँकि हिंदू धर्म ऐसे बाड़े नहीं बनाता और किसी को गैर नहीं मानता। इसी से वह अकेला और अरक्षित भी रह जाता है। मत-विश्वास पर संगठित नहीं होने के कारण उस के अनुयायी आक्रामक रिलीजनों के प्रहार के सामने असहाय हो जाते हैं। जैसे कश्मीरी हिंदू असहाय मारे गए और अपने ही देश में विस्थापित, शरणार्थी बनने को विवश हुए। यह स्वतंत्र भारत में हुआ, पश्चिम बंगाल, समेत कई राज्यों में निरंतर हो रहा है। आज ह्लपहलगामह्व के आतंकवादी हमले में भी वही हुआ है और हिंदुओं को चुन-चुन कर नाम पूछ कर मार दिया गया है।

## लेटर टू एडिटर

### ग्लोबल वार्मिंग का असर

यह तथ्य सर्वविदित है कि ग्लोबल वार्मिंग का असर विश्वव्यापी है, लेकिन भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश के लिए यह प्रभाव कालांतर में खाद्य संकट पैदा करने वाला साबित हो सकता है। तापमान बढ़ने से जो जल स्तर बढ़ रहा है, उसके चलते देश के कई द्वीपों व समुद्रतटीय इलाकों में जीवन पर संकट मंडराने लगा है। यह संकट पहाड़ी राज्यों में असर डाल रहा है। जहां बर्फबारी कम होने से फल व खाद्यान्न उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। यहां तक कि उत्तराखंड में शीतकालीन खेलों की पहचान रखने वाले औली में कम बर्फ पड़ने के कारण इस बार भी शीतकालीन खेलों को स्थगित करना पड़ा है। वातावरण में बढ़ते तापमान के कारण यहां बर्फ समय से पहले ही पिघल गई। बीते साल देश के विभिन्न राज्यों में लू चलने की संख्या पिछले डेढ़ दशक में सबसे ज्यादा थी।

**– जीवीएस शास्त्री, रांची**

## ट्वीट

**ये** बहुत कमजोर तरीका उन्होंने अपनाया है निहत्थे लोगों पर वार करना गलत है. मुझे हमेशा लगा है, ये मेरी सोच है, कांग्रेस या मेरे परिवार की नहीं है, लोगों से मैं सीखता हूं जो गलत हो रहा है मुसलमानों के साथजो लोग रोड पर आके नमाज पढ़ते हैं उनको रोक दिया जाता है. अगर सर्वे हो रहा है, जैसे संभल में हो रहा है या आप बाबर और औरंगजेब की बात करते हैं तो माइनॉरिटी को दुःख होता है. लेकिन जब तक धर्म और राजनीति को अलग नहीं करते, तो जो गलत आतंकवाद का अटैक हुआ है वो होगा. मुसलामानों को दबाया जा रहा है. जो माइनॉरिटी अलग हो रहे हैं वो हानिकारक है, भेदभाव नहीं होना चाहिए। - रार्बट बाड्रा, कांग्रेस

## आज का राशिफल

**मेष : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7**

**वृष : परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6**

**मिथुन : विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यो में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9**

**कर्क : पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6**

**सिंह : दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9**

**कन्या : रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7**

**तुला : संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-4-6-7**

**वृश्चिक : कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यो में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8**

**धनु : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7**

**मकर : शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यो की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6**

**कुंभ : विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9**

**मीन : क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8**

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
( R.N.I No. आवेदित )
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

# जब तक गांव मजबूत नहीं होंगे तब तक देश मजबूत नहीं होगा

राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस (24 अप्रैल) पर विशेष

**रमेश सर्राफ धमोरा**

सामयिक

आजादी के समय भारत के गांव बहुत पिछड़े हुए थे। देश के अधिकांश गांवों में मूलभूत सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं था मगर आज गांवों की व्यवस्था भी बहुत कुछ बदल गई है। आज देश के बहुत से गांव में शहरों की भांति सुविधा देखने को मिल रही है लेकिन आज भी देश में हजारों ऐसे गांव हैं जहां पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई हैं। जब तक सरकार देश के सभी गांव में समान रूप से सुविधा उपलब्ध नहीं करवा पाएगी तब तक देश विकास की दौड़ में पूरी गति से शामिल नहीं हो पाएगा। हम आज पंचायत राज दिवस मना रहे हैं। हमारे देश में 2 अक्टूबर 1959 को पहली बार पंचायत राज व्यवस्था लागू की गई थी। 1993 में त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ था।

राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस भारत में बहुत महत्व रखता है क्योंकि यह एक संवैधानिक इकाई के रूप में पंचायत राज प्रणाली की स्थापना का प्रतीक है। पंचायत राज प्रणाली भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर सत्ता और संसाधनों का विकेंद्रीकरण करना और सहभागी लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। पंचायत राज प्रणाली जमीनी स्तर पर लोगों को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेने और उनके विकास का स्वामित्व लेने में सक्षम बनाती है, जो स्व-शासन और जवाबदेही को बढ़ावा देने में मदद करती है।

भारत गांवों का देश माना जाता है और गांव के विकास में पंचायतों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। चूंकि ग्राम पंचायतों के पंच व सरपंच सीधे ग्रामीणों द्वारा चुने जाते हैं। इसलिए निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का अपने ग्राम पंचायत क्षेत्र के लोगों से सीधा संपर्क रहता है। ग्रामवासी भी अपनी समस्याएं सीधे पंचायत तक पहुंचा सकते हैं। मगर ग्राम पंचायतों की स्थापना के इतने वर्षों के बाद भी अभी तक ग्राम पंचायतें वास्तविक रूप में सशक्त नहीं हो पाई हैं। ग्राम पंचायतें पूरी तरह राज्य सरकारों पर निर्भर हैं। कहने को तो ग्राम पंचायतों को बहुत सारे अधिकार प्रदान किए गए हैं मगर आज तक भी ग्राम पंचायतें अपने अधिकारों का प्रयोग नहीं कर पाती हैं। आज भी देश की अधिकांश ग्राम पंचायतों में सरकारी अधिकारी, कर्मचारी प्रभावी रहते हैं।

ग्राम पंचायतों में आरक्षण व्यवस्था लागू होने के कारण बड़ी संख्या में महिलाएं पंच, सरपंच निर्वाचित होकर आती हैं। उनमें से कई महिलाएं वास्तव में बहुत अधिक पढ़ी-लिखी होने के कारण पूरी जानकारी रखती हैं। इस कारण वह अपने अधिकारों का पूरा प्रयोग कर लेती हैं। मगर अधिकांशतः सुरक्षित क्षेत्र होने के कारण गांवों के प्रभावी नेता अपने परिवार की किसी महिला को पंच या सरपंच बनवा देते हैं, फिर उनके स्थान पर खुद नेतागिरी करते हैं। वहां की निर्वाचित महिलाएं मात्र कागजी जनप्रतिनिधि बन कर रह जाती हैं। बहुत से स्थानों पर तो महिला सरपंचों के हस्ताक्षर भी उनके स्थान पर काम करने वाले उनके परिजनों द्वारा ही कर दिए जाते हैं। ऐसी स्थिति में पंचायती राज व्यवस्था के मजबूत होने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। सरकार बार-बार परिपत्र जारी कर सरपंच के प्रतिनिधियों को पंचायतों के कार्यों में हस्तक्षेप करने से मना करती है मगर धरातल पर सरकार के परिपत्र मात्र कागजी बन कर रह जाते हैं। देश में आज चाहे ग्राम पंचायत हो, पंचायत समिति हो या जिला परिषद् हो। जहां भी महिला जनप्रतिनिधि निर्वाचित होकर आती हैं। उनके स्थान पर उनके परिजन ही कार्य करते देखे जा सकते हैं। सभी प्रदेशों की राज्य सरकारों को कड़ाई से इस पर रोक लगानी चाहिए ताकि महिलाओं को भी अपने पद पर काम करने का मौका मिल सके। ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर देखने में आता है कि निर्वाचित पंच, सरपंच पंचायतों की बैठक में घूंघट निकाल कर बैठती हैं क्योंकि वहां उनकी ससुराल के बड़े परिजन भी बैठे होते हैं। आज देश शिक्षा के क्षेत्र में बहुत तरक्की कर रहा है। महिलाएं हर क्षेत्र में अपने काम से धूम मचा रही हैं। अब तो सेना को भी महिलाओं के लिए पूरी तरह खोल दिया गया है। ऐसे में जनप्रतिनिधियों का घूंघट निकाल कर बैठना सभ्य समाज के लिए किसी दुखद घटना से कम नहीं है। सरकार को ऐसी घटनाओं पर भी सख्ती बरतनी चाहिये।पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से महिलाओं का जीवन बहुत प्रभावित हुआ है। सही मायने में पंचायती राज ने महिलाओं को समाज का एक विशेष सदस्य बना दिया है। लाखों महिलाऐं सार्वजनिक जीवन में आयी हैं लेकिन अधिकतर निर्वाचित महिलाओं को निर्वाचक सदस्य होने के विषय में पूर्ण जानकारी भी नहीं है। अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता की कमी के कारण वह प्रभावी नहीं हो पाती हैं। उन्हें यह भी ज्ञान नहीं होता है कि वह एक कुशल प्रशासक भी हो सकती हैं।

# अनुपम खेर रोये...कहा आज शब्द नपुंसक

सामयिक

'द कश्मीर फाइल्स तो इसकी हल्की सी...' पहलगाम हत्याकांड के बाद भड़के अनुपम खेर, रोते हुए की खास अपील- 'सात जन्मों तक आतंकी...'

अनुपम खेर ने पहलगाम हिंसा के बाद अपना दुख और गुस्सा जाहिर करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है। उन्होंने भारत सरकार से आतंकवादियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की अपील की है। उन्होंने कश्मीर ...अनुपम खेर ने पहलगाम हमले पर दुख जताया।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 28 लोगों की हत्या की खबर सामने आ रही है। इनमें विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। आतंकवादियों की कायराना हरकत का जवाब देने के लिए भारतीय सेना तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ कहा है कि गुनहगारों को बख्शा नहीं जाएगा। आम लोगों के साथ-साथ फिल्मी सितारे आतंकी घटना पर अपना दुख जता रहे हैं और अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैंअनुपम खेर ने आतंकी घटना पर दुख

जताते हुए एक वीडियो पोस्ट किया हैवे रोते हुए अपनी बात कह रहे हैं.

अनुपम खेर पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना जताते हुए वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वे बहुत दुखी लग रहे हैंआप उन्हें वीडियो में कहते सुन सकते हैं, ह्यआज पहलगाम में लोगों का नरसंहार हुआ, 27 लोगों को मार दिया गया है चुन-चुन के।मन में दुख तो है ही, लेकिन गुस्से की कोई इंतहा नहीं। मैंने जिंदगी में यह सब बहुत देखा है।कश्मीर में कश्मीरी लोगों के साथ ऐसा होते हुए देखा है।द कश्मीर फाइल्स उसकी हल्की सी कहानी थी, जिसे बहुत सारे लोगों ने प्रोपेगैंडा बोला था।अनुपम खेर आगे कहते हैं, ह्यदेश के अलग-अलग इलाकों से लोग कश्मीर में छुट्टियां बिताने आए।अपने बच्चों के साथ, परिवारवालों के साथ।उन्हें चुनकर, उनका धर्म तय करके मार दिया।कभी-कभी जो आप महसूस करते हैं, उसे बयां करने में शब्द नपुंसक हो जाते हैं। मैं उस महिला को नहीं भूल सकता जो पति के शव के साथ थी।मैं उन पल्लवी जी का इंटरव्यू सुन रहा था, जो कह रही थीं कि मेरे पति को मारा तो मैंने कहा कि मुझे भी मार दो, बेटे ने कहा- मुझे भी मार दो, लेकिन उन्होंने नहीं किया।शायद वह पैगाम पहुंचाना चाहते थे।

अनुपम खेर फिर सरकार से अनुरोध करते हुए कहते हैं, हाथ जोड़कर दरख्वास्त है।इस बार ऐसा सबक सिखाया जाए आतंकवादियों को, अगले सात जन्मों तक ऐसी हरकत करने की हिम्मत न करें।गलत है यह दिग्गज एक्टर ने वीडियो के साथ दिए कैप्शन में लिखा, ह्यगलत, गलत, गलत! पहलगाम हत्याकांड! शब्द आज नपुंसक हैं।

**रांची के बाजार में तापमान 40 डिग्री पार होते ही नीबूं की कीमत लगातार बढ़ती जा रही है। गर्मी में नीबू का सेवन स्वास्थ्य के लिये हितकारी और पेट संबंधित रोगो से बचाता है।**

## कार्टून वर्ल्ड

## स्पीड न्यूज

### बाजार समिति में पनशाला का उद्घाटन

**रामगढ़।** बाजार समिति में बढ़ते तापमान को देखते हुए मारूति नंदन भंडार ने बुधवार को पनशाला का उद्घाटन समिति के सचिव तपन प्रकाश, समाजसेवी अमित सिन्हा, नंदकिशोर गुप्ता, रंजन फौजी ने संयुक्त रूप से किया। तपन प्रकाश ने कहा कि गर्मी के इस मौसम में जब तापमान तेजी से बढ़ रहा है जरूरतमंद लोगों के लिए पीने की पानी की व्यवस्था करना सराहनीय है। अमित कुमार सिन्हा ने कहा कि इस चिलचिलाती गर्मी में जरूरतमंद लोगों के लिए पीने की पानी की व्यवस्था करना प्रशंसनीय है। मौके पर गौरी शंकर अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, संजन बरेलिया, मुकेश अग्रवाल, संतीश अग्रवाल, रौशन अग्रवाल, विनोद साव, मनोज बंसल, जानकी महतो, अमोद अग्रवाल, काजल सेन, सागरमल अग्रवाल, प्रवीण कुमार सोनू आदि उपस्थित थे।

### परवरिश एडुकेयर में मना पृथ्वी दिवस

**कुजू।** परवरिश एडूकेयर स्कूल में पृथ्वी दिवस मनाया गया। कक्षा 1 से लेकर 9वीं तक के विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगिताएं हुयीं। पीजी और यूकेजी के बच्चों के बीच फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता हुआ। कक्षा 1 से 2 तक के विद्यार्थियों ने वृक्षारोपण किया। कक्षा तीन और चार के विद्यार्थियों के बीच ड्राइंग प्रतियोगिता की गई, कक्षा 5वीं के विद्यार्थियों ने बर्ड फीडर बनाया कक्षा 6वीं के विद्यार्थियों ने प्राकृतिक खाद का निर्माण किया। कक्षा सातवीं और आठवीं के विद्यार्थियों के बीच पृथ्वी दिवस पर कविता की प्रतियोगिता हुई। वही कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों ने प्राकृतिक ढंग से कोलाज बनाया। इन सरी गतिविधियों और श्रृंखलाओं में बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। विद्यालय के निर्देशक शैलेंद्र कुमार और प्रबंध निदेशक विकास कुमार व समन्वयक रश्मि कुजूर ने विद्यालय को पृथ्वी दिवस की शुभकामनाएं दी।

ओरला में मंडा को ले कमेटी गठित

फोटो 03 बैठक में शामिल लोग

कुजू। ओरला शिव मंदिर में मंडा पूजा को लेकर ग्रामीणों की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता जिप प्रतिनिधि जितेंद्र प्रसाद साहू ने किया। बैठक में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिव मंडा पूजा धूमधाम के साथ में मनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही इसके सफल संचालन के लिए कमेटी का भी गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष ज्योतिन्द्र प्रसाद साहू, उपाध्यक्ष कैलाश करमाली, सचिव हरिशंकर प्रसाद, सह सचिव मंगू मांझी, कोषाध्यक्ष उमेश करमाली, सह कोषाध्यक्ष जितेंद्र मुंडा के अलावे संरक्षक व कार्यकारिणी समिति सदस्य शामिल है।

### ए ला एंगलाइज में मना पृथ्वी दिवस

**भुरकुंडा (रामगढ़)।** ए' ला एंगलाइज सीनियर सेकंडरी विद्यालय बिरसा चौक भुरकुंडा में मंगलवार को विश्व पृथ्वी दिवस बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर बच्चो को संबोधित करते हुये प्रधानाचार्य विजयंत कुमार ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझाया और विद्यार्थियों से प्रकृति की रक्षा करने का संकल्प दिलवाया। उन्होंने कहा कि धरती बचाओ, जीवन को खुशहाल बनाओ। इसके पश्चात छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें नाटक, कविता पाठ और समूह गीत शामिल थे। इसके बाद विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया गया। जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर पौधारोपण किया। बच्चो के बीच चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने पृथ्वी और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेशों को सुंदर चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति चेतना जागृत करने और पृथ्वी को स्वच्छ, हरा-भरा एंव प्रदूषणमुक्त बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में धर्मेश सोनी, कचन सोनी, कंचन दास, अनुराग मद्देशिया, सूरज देव सिंह, राजन कुमार, अजीत कुमार सिंहा, गौरव कुमार साहू और कुमार विश्वकसेन का विशेष योगदान रहा।

### श्रमिक संघ क्षेत्रीय कमेटी की बैठक

**भुरकुंडा (रामगढ़)।** सयाल स्थित यूनियन कार्यालय में बुधवार को अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ क्षेत्रीय कमेटी की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष गुरदयाल ठाकुर ने किया। बैठक में मुख्य रूप से एरिया सचिव संजय मिश्रा, एरिया अध्यक्ष इंद्रदेव पासवान, उपस्थित थे। बैठक में निर्णय लिया गया की आगामी 15 मई तक बरका-सयाल क्षेत्र के सभी ब्रांचो का सम्मेलन किया जाएगा। साथ ही जून माह में एरिया का सम्मेलन होगा। बैठक में यूनियन की मजबुती और सदस्यता बढ़ाने पर भी चर्चा की गई। मौके पर विनोद कुमार, रणधीर साव, अनिल कुमार, शिवनंदन दास, विनोद कुमार सिंह, गुरु दयाल महतो, एसएस डे, विनोद सिंह, शैलेंद्र सिंह, रामश्रृष्ठ, तेज नारायण, संजय सिंह, कमल सिंह आदि मौजूद थे।

### माकपा जिला कमिटी की बैठक

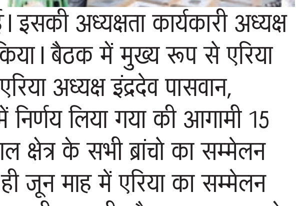

**भुरकुंडा (रामगढ़)।** भुरकुंडा पार्टी कार्यालय में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी रामगढ़ जिला कमिटी की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता कॉ. कन्हैया रविदास ने किया। स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह की 167वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया और उनके बलिदान को नमन किया गया। बैठक में जिला सचिव आरपी सिंह चंदेल ने लिखित कार्य रिपोर्ट प्रस्तुत की। सदस्यों ने विचार रखते हुए चर्चा की तथा रिपोर्ट में दिए गए प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

# उद्योग को बढ़ावा देने के लिए लगा शिविर

## 50 उद्यमियों का हुआ ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**हजारीबाग।** जिला उद्योग केंद्र, हजारीबाग ने बुधवार को केंद्र परिसर में उद्यम रजिस्ट्रेशन-कम-जागरूकता शिविर लगाया। इस शिविर का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के पंजीकरण को बढ़ावा देना और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक शंभु शरण बैठा, जिला अग्रणी प्रबंधक राकेश आजाद, ईओडीबी मैनेजर श्याम कुमार गुप्ता, चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष शंभु नाथ अग्रवाल, प्रतिनिधि तारिक राजा, आर-सेटी प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। श्याम कुमार गुप्ता ने केंद्र द्वारा चलाई जा रही योजनाओं जैसे उद्यम रजिस्ट्रेशन, पीएमईजीपी, पीएम-एफएमई और माइक्रो इंटरप्राइजेज डेवलपमेंट योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये योजनाएं स्वरोजगार को बढ़ावा देने और छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने में सहायक हैं। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया और संबंधित योजनाओं में सहयोग भी उपलब्ध कराया जाएगा।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष ने हजारीबाग में उद्योग के क्षेत्र में संभावनाओं पर प्रकाश डाला। शिविर में उद्यमियों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, वित्तीय सहायता और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। डीआईसी महाप्रबंधक ने सभी से इन योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम में 50 उद्यमियों का ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन किया गया और 50 से अधिक लोगों के दस्तावेज लिए गए। कुल 140 प्रतिभागियों ने इस निःशुल्क शिविर में भाग लिया।

# मुखिया सुमिता देवी समेत चार के खिलाफ प्राथमिकी

**खबर मन्त्र संवाददाता**

▶▶ **विष्णुगढ़ प्रखंड के अलपीटो पंचायत में 23.80 लाख रुपये गबन मामले में बीडीओ ने दर्ज कराया प्राथमिकी**

**हजारीबाग।** विष्णुगढ़ प्रखंड के अलपीटो पंचायत में 15वें वित्त आयोग की योजनाओं के तहत सरकारी राशि 23 लाख 80 हजार रुपये के गबन का मामला सामने आया है। इस संबंध में बीडीओ अखिलेश कुमार ने मुखिया सुमिता देवी, उनके पति धनेश्वर यादव, संबंधी नारायण यादव और तत्कालीन पंचायत सचिव सरयू पासवान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराया। जांच के अनुसार वित्तीय वर्ष 2021-22 में पेवर्स ब्लॉक पथ निर्माण, पुलिया, श्मशान घाट निर्माण, चापाकल मरम्मत और जल-नल कनेक्शन जैसी कुल 16 योजनाएं चलाई गई थीं। इन सभी योजनाओं का भुगतान लाभुक समिति के नाम से होना था, लेकिन नियमों की अवहेलना करते हुए मनमाने तरीके से भुगतान कर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया गया। प्राथमिकी में आरोप है कि कार्यों के नाम पर अवैध भुगतान कर गबन किया गया और साक्ष्य मिटाने के लिए पंचायत कार्यालय से संबंधित दस्तावेज चोरी किए गए। मामले में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत विष्णुगढ़ थाना में मामला दर्ज हुआ है। बीडीओ ने बताया कि जांच में स्पष्ट अनियमितता, पद का दुरुपयोग और वित्तीय गड़बड़ी पाई गई है। अब संबंधित दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच जारी है।

### 'नायका रिवेंज ऑफ लव' कल होगी रिलीज

**भुरकुंडा (रामगढ़)।** नागपुरी फिल्म नायका रिवेंज ऑफ लव 25 अप्रैल को न्यूक्लियस मॉल के सिनेमा हॉल में होगी रिलीज। टिकट के लिए ऑनलाइन बुकिंग शुरू कर दी गई है। फिल्म में विनोद महली, तृष्णा तांती, चंदा मेहरा, इसक लकड़ा, नितेश कच्छप एवं अमन मुख्य भूमिका में नजर आयेंगे। झारखंड में सर्वाधिक नागपुरी भाषा लोहरदगा, गुमला, खूंटी, सिमडेगा और लातेहार जिला में बोले जाते हैं। इन जिलों में सभी सिनेमा हॉल बंद पड़े हैं।

### यूपीएससी में सफल आस्था शरण हुईं सम्मानित

**बरही।** बरही यूपीएससी परीक्षा 2024 में 354वां रैंक हासिल करने वाली आस्था शरण यादव को लोगों ने पगड़ी पहना कर सम्मानित किया। जरहिया निवासी शिवशरण गोप की पुत्री आस्था को बधाई देने के लिए बुधवार को उनके पैतृक आवास पर सामाजिक व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों का तांता लगा रहा। जेकेएलएम केंद्रीय उपाध्यक्ष कृष्णा यादव, सामाजिक कार्यकर्ता भुनेश्वर यादव, छठू गोप, रघुनंदन यादव, बंशी यादव, मुखिया संघ अध्यक्ष वीरेंद्र रजक, रंजीत चंद्रवंशी समेत दर्जनों लोगों ने आस्था शरण को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया और उसकी गौरवपूर्ण उपलब्धि पर बधाई दी।

### भगवान हनुमान की प्राण प्रतिष्ठा

**कुजू।** श्री श्री 1008 हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा तीन दिवसीय महायज्ञ करमा गंगानगर सतढेकिया तीसरे दिन बुधवार को प्राण प्रतिष्ठा के साथ संपन्न हो गया। इस दौरान श्रद्धालु विधि विधान का पालन करते हुए सर्व प्रथम भगवान हनुमान को फूलों से सजी वाहन पर बिठाया। साथ ही गाजे बाजे और उत्साह भरे उमंग के बीच उन्हें क्षेत्र का भ्रमण कराया। बाद में मंदिर परिसर की शुद्धीकरण के साथ यज्ञाचार्य शुभम कृष्ण शास्त्री, पंडित महेन्द्र तिवारी, जनार्दन तिवारी, अशोक तिवारी ने यजमान बने विजय ठाकुर, राजेश ठाकुर, कुलेश्वर ठाकुर, मुकेश ठाकुर, सुनील ठाकुर, सुरेश मुंडा, धानेश्वर महतो, कौलेश्वर महतो, भुनेश्वर ठाकुर सपत्नीक के हाथों कई धार्मिक अनुष्ठान को संपन्न कराया।

### छिन्नमस्तिके मंदिर में कई बच्चों का हुआ मुंडन

**रजरप्पा।** सुप्रसिद्ध माँ छिन्नमस्तिके मंदिर में बुधवार को मुंडन मुहूर्त को लेकर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मुंडन का विशेष मुहुर्त होने के कारण श्रद्धालु अहले सुबह से ही मां भगवती के दरबार में पहुंचने लगे थे। झारखंड सहित बिहार, यूपी, बंगाल, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु पहुंचे हुए थे। पहुंचे लोगों ने मुंडनशाला में अपने छोटे-छोटे बच्चों का मुंडन करवाया। विभिन्न प्रांतों से मां भगवती दरबार में चूल-मुंडन कराने आए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। शुभ मुहूर्त होने के कारण जहां एक ओर मुंडन कराने के लिए श्रद्धालु की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। वहीं पूजा-अर्चना के लिए भी बड़ी संख्या में लोग जुटे हुए थे। लोग पूजा के लिए दामोदर-भैरवी संगम में स्नान कर हाथों में पूजा की थाली लिए अपनी बारी का इंतजार करते देखे गए। ब

## आतंकी हमले के खिलाफ भाजपा का आक्रोश मार्च

**हजारीबाग।** कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकियों द्वारा हिंदू समुदाय के लोगों की हत्या के विरोध में भाजपा ने आक्रोश मार्च निकाला। मशाल जुलूस का नेतृत्व जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने किया, जिसमें सदर विधायक प्रदीप प्रसाद समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। यह विरोध मार्च बुढ़वा महादेव से शुरू होकर आनंद चौक होते हुए झंडा चौक तक गया। वहां आयोजित सभा में वक्ताओं ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ तीव्र आक्रोश व्यक्त किया। वक्ताओं ने बताया कि इस हमले में 28 हिंदू मारे गए और 20 से अधिक घायल हुए। आतंकियों ने नाम पूछकर चुन-चुनकर हिंदुओं की हत्या की, जिसकी जिम्मेदारी आतंकी संगठन ळफ्क्ष ने ली है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि यह हमला सिर्फ आतंकवाद नहीं, बल्कि भारत की सांप्रदायिक एकता और मानवता पर सीधा हमला है। उन्होंने केंद्र सरकार से आतंकियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने इसे बर्बरता की पराकाष्ठा बताया और कहा कि भारत की आंतरिक एकता को तोड़ने की साजिश कभी सफल नहीं होगी। मसाल जुलूस में बड़ी संख्या में भाजपा नेता, कार्यकर्ता और आम नागरिक शामिल हुए, जिनमें प्रमुख रूप से सुदेश चंद्रवंशी, अभिमन्यु प्रसाद, रानी कश्यप, प्रकाश कुशवाहा, भारत भूषण शर्मा सहित सैकड़ों लोग शामिल थे।

## संजीवनी कुटीर को मंत्री ने दिया हटाने का आदेश

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**हजारीबाग की स्वास्थ्य व्यवस्था की जड़ों तक पहुंची सियासत की जंग**

हजारीबाग। कभी गरीबों के लिए राहत का केंद्र माने जाने वाले संजीवनी कुटीर अब राजनीतिक तूफान के केंद्र में है। हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में संचालित यह केंद्र अब इतिहास बनने को है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने इसके संचालन पर सख्त आपत्ति जताते हुए इसे हटाने का आदेश दे दिया है। इससे न केवल स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े हुए हैं, बल्कि एक बार फिर राजनीति और प्रशासन के बीच खींचतान भी सामने आई है। मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, हजारीबाग ने 21 अप्रैल को पत्रांक 867 के माध्यम से अस्पताल अधीक्षक को मंत्री के निर्देशों से अवगत कराया। पत्र में उल्लेख है कि मंत्री अंसारी ने टेलीफोन पर हुई वार्ता में कहा कि किसी निजी संस्था का संचालन परिसर में स्वीकार्य नहीं है। उनके अनुसार, यह सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की स्वायत्तता और मयार्दा के खिलाफ है। लेकिन इस आदेश के बाद सियासी हलचल तेज हो गई। संजीवनी कुटीर की स्थापना हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद की पहल पर हुई थी, जिसका उद्देश्य गरीबों को मुफ्त इलाज देना था। विधायक प्रसाद ने मंत्री के आदेश को तुष्टिकरण की राजनीति करार दिया और आरोप लगाया कि मंत्री स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषय को भी हिंदू-मुस्लिम रंग देने में लगे हैं। उन्होंने तल्खी से कहा कि अगर कभी इस केंद्र पर किसी पार्टी का झंडा लगे, तो मैं विधायकी से इस्तीफा दे दूंगा। क्या हिंदू का इलाज करना अब गुनाह हो गया है? इस बयान से विवाद ने तूल पकड़ लिया। यह मुद्दा विधानसभा में गरमा चुका है, मंत्री और विधायक के बीच तीखी बहस देखी गई थी। अब जब संजीवनी कुटीर को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, यह स्पष्ट है कि हजारीबाग की राजनीति अब इलाज के नाम पर नई सर्जरी के दौर में प्रवेश कर चुकी है। जनता की नजर अब सिर्फ एक सवाल पर है कि क्या सियासत से ऊपर कभी स्वास्थ्य होगा?

### रामगढ़ में नमामि गंगे को लेकर बैठक

रामगढ़। उप विकास आयुक्त रामगढ़ श रोबिन टोप्पो की अध्यक्षता में बुधवार को उनके कार्यालय कक्ष में जिला गंगा समिति की बैठक हुई।

उप विकास आयुक्त ने सर्वप्रथम जिला गंगा समिति की पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी समिति के सदस्यों से ली। मौके पर उप विकास आयुक्त ने मार्च महीने में आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी ली। उप विकास आयुक्त ने गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत बेहतरीन कार्य करने के लिए सभी विभागों, एजेंसियों आदि की सराहना की।

## एक नजर में

### बोंगाबार में निकली भव्य कलश यात्रा

**कुजू।** बोंगाबार मंडाटांड़ स्थित प्राचीन शिव मंदिर में महायज्ञ की प्रथम वर्षगांठ बुधवार को धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान समिति द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाला गया। जिसमें शामिल करीब 551 कलशधारी अपने सिर पर कलश लेकर गाजे बाजे और भक्ति भजन के गायन के साथ प्राचीन शिव मंदिर टूटी झरना पहुंचे। यहां यज्ञाचार्य मनोज कुमार पांडेय, धीरज पांडेय, शिव कुमार पांडेय, अतुल पांडेय, दीपक पांडेय ने यजमान बने चौधरी महतो, सुखदेव महतो, अर्जुन प्रजापति,परशु राम महतो, धर्मनाथ महतो, सुरेश महतो, तरुण गिरी, प्रकाश महतो, महेश महतो, इंदु करमाली, खुशलाल महतो, राजेंद्र महतो, लक्ष्मण महतो, लक्ष्ु महतो, मखन महतो, रामजतन महतो के हाथों विधिवत पूजा अर्चना कराया गया। पूजन उपरांत कलशधारी जल भरकर मंदिर परिसर पहुंचते हुए कलश को स्थापित किया। साथ ही फूलों और लाईट से सजी आकर्षक मंदिर में वैदिक पूजन, हवन आदि अनुष्ठान कार्य संपन्न कराया गया। बाद में महिला श्रद्धालुओं द्वारा लाए गए जल से बारी बारी उनके द्वारा भगवान शिव को जलाभिषेक किया। वही भव्य भंडारे का आयोजन हुआ। मौके पर संरक्षक सुरेंद्र महतो, कमल पंडा, अध्यक्ष राजू साव,सचिव दिनेश कुशवाहा, कोषाध्यक्ष खेमन महतो, हेमनी देवी, दीपक कुशवाहा, विश्वामित्र महतो, संतोष करमाली, प्यारेलाल कुशवाहा, अनिल कुशवाहा,सूरज कुशवाहा, अमर पंडा, लक्ष्मी पंडा, तेजनारायण कुशवाहा,त्रिभुवन महतो, बबलू पंडा, बसंत प्रजापति, विनोद मुंडा, अजीत कुशवाहा, अशोक करमाली समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

### बरहीः नाले में डूबने से ग्रामीण की मौत

**बरही।** पदमा ओपी क्षेत्र अंतर्गत दौरवा गांव निवासी तेनु उरांव (55 वर्ष) की नाले में डूबने से मौत हो गई। सोमवार दोपहर मवेशियों को चराने निकले थे और उसके बाद घर नहीं लौटे। परिजनों और ग्रामीणों ने खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। 24 अप्रैल की सुबह ग्रामीणों ने नाले में उनका शव देखा और तत्काल पुलिस और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सूचना दी। बरही प्रखंड प्रमुख मनोज रजक और पदमा ओपी की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और कानूनी प्रक्रिया पूरी की। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। इस घटना से गांव में शोक की लहर है और परिजन का रो-रो कर बुरा हाल है। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि खिरोधर यादव सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे। यह घटना ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्रोतों की सुरक्षा व्यवस्था और बुजुर्गों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

### दारु में ड्राइविंग लाइसेंस के लिए शिविर कल

**दारु।** सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत 25-26 अप्रैल को नौ पंचायतों में ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए विशेष शिविर लगेगा। जिला ग्रामीण विकास समिति के सचिव सुनील कुमार ने बताया कि जिले के सभी प्रखंडों में ऐसे शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविरों में योग्य वाहन चालकों को ड्राइविंग लाइसेंस दिया जाएगा और लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा। सभी पंचायत मुखिया, समिति सदस्य एवं जनप्रतिनिधियों से प्रचार-प्रसार की अपील की गई है ताकि अधिकतम लोग शिविर में भाग लेकर लाभ ले सकें। बीडीओ ने दोपहिया चालकों से हेलमेट पहनने की अपील की और कहा कि यह शिविर लोगों की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस बैठक में अंचलाधिकारी राम बालक कुमार, प्रखंड प्रमुख कुमारी स्वेता, पंचायत मुखिया फरजाना खातून, पिंकी देवी, पंसस गीता कुमारी समेत अन्य कर्मी उपस्थित थे।

### चरहीः पाइपलाइन और जलमीनार अधर में

**चरही।** चरही क्षेत्र में गर्मी शुरू होते ही जल संकट गहराने लगा है। कुएं, तालाब और अन्य जलस्रोतों का जलस्तर घटता जा रहा है। जल स्वच्छता विभाग ने पाइपलाइन और नल कनेक्शन लगाने की योजनाएं शुरू की थीं, परंतु कई घर अब भी वंचित हैं। शिकायतों के बावजूद समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों के अनुसार, नल जल योजना के तहत कुछ दिनों तक ही जल आपूर्ति हुई, फिर बंद हो गई। वर्ष 2014-15 में मिनी जलमीनार योजना के अंतर्गत लाखों खर्च कर जलापूर्ति की व्यवस्था की गई थी, परंतु बोरिंग विफल रहा। तीन बार बोरिंग के बाद भी पानी नहीं निकला और उपकरण जंग खा गए। अब यह योजना करीब 5 वर्षों से बंद पड़ी है। हाल में कुछ क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाई गई है और कुछ घरों में नल लगाए गए हैं, लेकिन अधिकांश घर अब भी जल संकट झेल रहे हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि पुरानी जलमीनार को फिर से चालू किया जाए और सभी घरों को जल-नल से जोड़ा जाए। गर्मियों में नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

### वीर कुंवर सिंह की जयंती पर सम्मान समारोह

**चरही।** चरही में वीर कुंवर सिंह की जयंती राजपूत समाज ने मनाई। वीर कुंवर सिंह भवन में हुए इस कार्यक्रम में समाज के लोगों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और माला पहनाई। इसके बाद जय भवानी के उद्घोष के साथ सभा हुआ। वक्ताओं ने वीर कुंवर सिंह को स्वतंत्रता संग्राम का महानायक बताते हुए उनके साहस और बलिदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि अंग्रेजों से लोहा लेने वाले वीर कुंवर सिंह का योगदान इतिहास में अमिट है। उन्होंने सरकार से मांग की कि झारखंड राज्य में वीर कुंवर सिंह के नाम से जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जाएं ताकि युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा मिल सके। इस मौके पर समाज के लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने और देश के विकास में योगदान देने की शपथ ली। कार्यक्रम में आनंद सिंह, सत्येंद्र नारायण सिंह, विनय सिंह, धीरेंद्र सिंह, प्रीतम सिंह सहित राजपूत समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। यह आयोजन वीरता, देशभक्ति और एकजुटता का प्रतीक बनकर सामने आया।

### रोशन लाल ने की आतंकी हमले की निंदा

बड़कागांव। बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसारन घाटी में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। 22 अप्रैल को हुए इस हमले में 28 निर्दोष लोगों की मौत हो गई, जिससे पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। विधायक ने मृतकों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को शांति और परिजनों को संबल मिले। उन्होंने घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से इस बर्बर हमले के दोषियों पर सख्त कार्रवाई की अपील की है ताकि देश में शांति और सुरक्षा बनी रहे। रोशन लाल ने कहा कि यह हमला न केवल निर्दोष लोगों की हत्या है, बल्कि देश की एकता और अखंडता पर हमला है। उन्होंने कहा कि पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना जरूरी है। विधायक की प्रतिक्रिया संवेदनशीलता और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती।

### आतंकवाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई करे सरकार

**भुरकुंडा (रामगढ़)।** पहलाम में आतंकी हमले पर जय भारत मंच के झारखंड प्रांत अध्यक्ष रामेश्वर गोप ने शोक जताया। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत ही हृदय विदारक घटना है। जो लोग शांति और प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश में पहलगाम आए थे, वे आतंक का शिकार हो गए। इस क्रूरता की कोई माफी नहीं हो सकती। जय भारत मंच ने सरकार से मांग की है कि वह आतंकवाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई करे और दोषियों को शीघ्र दंडित किया जाए। साथ ही मंच ने यह भी अपील की है कि मृतकों के परिजनों को सरकारी नौकरी और पर्याप्त मुआवजा प्रदान किया जाए, जिससे वे इस गहरे संकट से उबर सकें। श्री गोप ने कहा कि पूरा देश इस दु:ख की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ जय भारत मंच खड़ा है।

# पाकिस्तानी सेना ने आतंकियों को प्रशिक्षित किया

फोरेंसिक विश्लेषण और जीवित बचे लोगों की गवाही ने सैन्य-ग्रेड हथियारों और संचार उपकरणों के उपयोग की पुष्टि की, जो पहलगाम आतंकी हमले में प्रशिक्षित संचालकों से रसद सहायता का संकेत देता है। सूत्रों ने कहा कि खुफिया इंटरसेप्ट्स ने पाकिस्तान में स्थित गुर्गों से सीधे संपर्क का सुझाव दिया, जिसमें मुजफ्फराबाद और कराची में सुरक्षित घरों में डिजिटल पदचिह्नों का पता लगाया गया। लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकवादी समूहों को पाकिस्तान के भीतर से वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और रणनीतिक समर्थन मिलना जारी है।

**सैन्य स्तर के हथियार, प्रशिक्षित पाकिस्तानी हैंडलर्स, पहलगाम आतंकी हमले की शुरूआती जांच में क्या खुलासा हुआ?**

**अभिनय आकाश**

सूत्रों ने यह भी खुलासा किया है कि मंगलवार को हुए इस कायराना हमले में करीब 4 आतंकवादी शामिल थे, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर गैर-स्थानीय थे। इनमें से दो पश्तो बोलने वाले विदेशी आतंकवादी माने जा रहे हैं, जिन्हें स्थानीय आतंकी भर्ती करने वालों ने मदद की थी। आतंकवादियों ने लोगों से संपर्क करते हुए उनका नाम और धर्म पूछते हुए करीब 20 मिनट तक एके -47 राइफलों से कम से कम 50 राउंड फायरिंग की। जो लोग हिंदू पाए गए, उन्हें निर्मम तरीके से गोली मार दी गई।

फोरेंसिक विश्लेषण और जीवित बचे लोगों की गवाही ने सैन्य-ग्रेड हथियारों और संचार उपकरणों के उपयोग की पुष्टि की, जो पहलगाम आतंकी हमले में प्रशिक्षित संचालकों से रसद सहायता का संकेत देता है। सूत्रों ने कहा कि खुफिया इंटरसेप्ट्स ने पाकिस्तान में स्थित गुर्गों से सीधे संपर्क का सुझाव दिया, जिसमें

मुजफ्फराबाद और कराची में सुरक्षित घरों में डिजिटल पदचिह्नों का पता लगाया गया। लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकवादी समूहों को पाकिस्तान के भीतर से वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और रणनीतिक समर्थन मिलना जारी है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में शिविर उन्नत सैन्य प्रशिक्षण और रसद सहायता प्रदान करते हैं। हवाला चैनल और फ्रंट एनजीओ गुप्त फंडिंग तंत्र के रूप में काम करते हैं।

जांच और इंटरसेप्ट किए गए संचार लगातार हमलों को पाकिस्तानी संचालकों से जोड़ते हैं। टीआरएफ आतंकवाद में पाकिस्तान की राज्य भागीदारी को अस्वीकार्य बनाए रखने के लिए एक प्रॉक्सी के रूप में कार्य करता है।

सूत्रों ने यह भी खुलासा किया है कि मंगलवार को हुए इस कायराना हमले में करीब 4 आतंकवादी शामिल थे, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर गैर-स्थानीय थे। इनमें से दो पश्तो बोलने वाले विदेशी आतंकवादी माने जा रहे हैं, जिन्हें स्थानीय आतंकी भर्ती करने वालों ने मदद की थी।

आतंकवादियों ने लोगों से संपर्क करते हुए उनका नाम और धर्म पूछते हुए करीब 20 मिनट तक अङ-47 राइफलों से कम से कम 50 राउंड फायरिंग की। जो लोग हिंदू पाए गए, उन्हें निर्मम तरीके से गोली मार दी गई।

सुरक्षा एजेंसियों ने हमले में शामिल आतंकवादियों के स्केच और एक तस्वीर भी जारी की है। हमलावरों की पहचान आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबू तल्हा के रूप में हुई है। माना जा रहा है कि हमलावर टीआरएफ के सदस्य हैं, जो प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक छद्म संगठन है।

## 'चौपट हो गया कश्मीर का टूरिस्म, खाने को तरस जायेंगे कश्मीरी !!'

**रेनू तिवारी**

दिल्ली की कई ट्रैवल एजेंसियों ने बुधवार को बताया कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पर्यटकों द्वारा सुरक्षा कारणों से जम्मू-कश्मीर के लिए लगभग 90 प्रतिशत बुकिंग रद्द करा दी गई हैं।

कश्मीर को भारत का स्वर्ग कहा जाता रहा है। कश्मीर की वादियों में घूमना किसी सपने से कम नहीं है। यह जगह बेहद खूबसूरत है। कई बड़ी फिल्मों की शूटिंग भी घाटी में हुई हैं। पर्यटकों को कश्मीर जाना काफी ज्यादा पसंद हैं। सोनमर्ग, गुलमर्ग, पहलगाम, श्रीनगर आदि जगहों पर लोग खूब घूमते हैं। यहां की बर्फबारी पूरे भारत में मशहूर हैं। यह मौसम कश्मीर जाने का काफी

का मैदान है तथा देश व दुनिया के पर्यटकों के बीच पसंदीदा स्थान है। दिल्ली में ट्रैवल एजेंसियों ने बताया कि कश्मीर के लिए लगभग 90 प्रतिशत बुकिंग रद्द कर दी गई हैं जबकि कुछ पर्यटक वैकल्पिक गंतव्यों को लेकर तोल-मोल कर रहे हैं। कुशा ट्रैवल्स के मालिक देव ने ह्यपीटीआई-भाषाह्न को बताया, ह्लकुछ परिवारों ने हमसे बुकिंग कराई थीं। बस और फ्लाइट टिकट से लेकर होटल तक, सब कुछ पहले से बुक था। लेकिन जैसे ही आतंकी हमले की खबर आई, हमें बुकिंग रद्द करने के लिए फोन आने लगे।ह्व गुलमर्ग, हजान घाटी और ट्यूलिप गार्डन जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल सबसे अधिक पंसद और बुक किए गए गंतव्यों में से थे।

## पहलगाम आतंकी हमले के बाद 90 फीसदी बुकिंग रद्द

सुखद मौसम कहा ताजा है। जब से कश्मीर से धारा 370 हटी थी पर्यटकों की सख्या भी बढ़ी थी। सुविधा बढ़ने के बाद लोगों ने कश्मीर को अपनी ट्रेवल लिस्ट में शामिल कर लिया था। लेकिन 22 अप्रैल को हालात बदल गये। कश्मीर में अब तक आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच जो टशल चलती थी वह अब आम जनता पर आ गयी। आतंकियों ने पहलगाव में एक बड़ा आतंकी हमला कर दिया और 28 टूरिस्टों की जान ले ली। इस बात का असर कश्मीर के टूरिस्म पर बहुत ही बुरी तरह पड़ा है।

दिल्ली की कई ट्रैवल एजेंसियों ने बुधवार को बताया कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पर्यटकों द्वारा सुरक्षा कारणों से जम्मू-कश्मीर के लिए लगभग 90 प्रतिशत बुकिंग रद्द करा दी गई हैं। कनॉट प्लेस के ह्यआउटर सर्कलह्न में शंकर मार्केट स्थित ह्यस्वान ट्रैवलर्सह्न नाम की एक कंपनी के मालिक गौरव राठी ने बताया कि लगभग 25 लोगों ने उनसे जम्मू-कश्मीर के लिए अपनी बुकिंग रद्द

इस महीने (अप्रैल) और अगले महीने (मई) के लिए हमारे पास कश्मीर की 20 से ज्यादा बुकिंग थीं लेकिन उनमें से लगभग सभी अनिश्चित काल के लिए रद्द कर दी गई हैं। उन्होंने बताया, लोग रुपये वापस मांग रहे हैं। वे कह रहे हैं कि वे अपने प्रियजनों को ऐसी जगह ले जाने का जोखिम नहीं उठा सकते, जहां से उनके वापस न लौटने की संभावना है।

वर्मा ने बताया चूंकि कुछ बुकिंग, खास तौर पर उड़ानों और होटलों के रुपये वापस नहीं किये जाते हैं इसलिए ह्यटूर एजेंसियोंह्न के लिए बड़ी परेशानी खड़ी हो गयी है। उन्होंने बताया कि वर्ष के इस समय में कश्मीर लोगों के बीच सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले गंतव्यों में से एक है। ह्यस्वास्तिक ट्रैवल्सह्न नाम की एक अन्य ट्रैवल कंपनी ने बताया कि कश्मीर न केवल दिल्लीवासियों की पहली पसंद है बल्कि दिल्ली आने वाले पर्यटकों के बीच भी बहुत लोकप्रिय है, जिनमें से कई घाटी की यात्रा की योजना बनाते हैं।

एजेंसी के मालिक ने बताया,

करने को कहा है।

उन्होंने बताया कि अधिकांश पर्यटकों ने अगले महीने कश्मीर जाने की योजना बनाई थी और अब वे बुकिंग रद्द करने का अनुरोध कर रहे हैं। कश्मीर के पहलगाम शहर की बैसरन घाटी में ह्यमिनी स्विटरलैंड नाम से मशहूर पर्यटन स्थल पर मंगलवार को करीब तीन बजे हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर पर्यटक हैं।

पहलगाम शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर बैसरन चीड़ के पेड़ों के घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा एक रमणीय विशाल घास

केवल दिल्ली के लोग ही अपनी योजनाएं रद्द नहीं कर रहे बल्कि राजधानी में पहले से मौजूद पर्यटक भी कश्मीर की अपनी यात्रा रद्द कर रहे हैं, भले ही इस गर्मी में होटल के किराए बहुत अधिकहैं। लोग पैसों की परवाह किए बिना यात्रा रद्द कर रहे हैं। पहलगाम में हुआ यह आतंकी हमला 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे घातक हमला है। एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने बताया कि 26 मृतकों में दो विदेशी और दो स्थानीय निवासी हैं।

# विकसित भारत की नींव में गांव और युवाओं की भूमिका

**-पंचायती राज दिवस विशेष**

**रामदयाल सैन**

भारत की आत्मा उसके गांवों में बसती है। गांवों का विकास न केवल स्थानीय समृद्धि का सूचक है बल्कि यह राष्ट्रीय प्रगति और वैश्विक पहचान की दिशा में एक निर्णायक कदम भी है। 24 अप्रैल को मनाया जाने वाला पंचायती राज दिवस इसी संकल्प का प्रतीक है-एक ऐसा दिन जब हम लोकतंत्र को जड़ से मजबूत करने वाली संस्था 'पंचायत' की भूमिका को स्मरण करते हैं और उसके माध्यम से ग्रामीण विकास की दिशा में उठाए गए कदमों का मूल्यांकन करते हैं। आज जब भारत आजादी के 100 वर्ष पूरे करने की ओर अग्रसर है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत ₹विकसित भारत@2047₹ का विजन हम सबके सामने एक स्पष्ट लक्ष्य रखता है: आत्मनिर्भर, समावेशी, टिकाऊ और तकनीक-संपन्न भारत। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पंचायती राज व्यवस्था और देश की युवा शक्ति की भागीदारी अनिवार्य है।

### पंचायती राज व्यवस्था: लोकतंत्र की जड़ों से विकास की ऊँचाइयों तक

भारत में पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा 73वें संविधान संशोधन अधिनियम (1992) के माध्यम से मिला, जिससे स्थानीय शासन व्यवस्था को तीन स्तरों परझ ग्राम पंचायत, पंचायत समिति (ब्लॉक स्तर) और जिला परिषदझ लागू किया गया। यह व्यवस्था जन-भागीदारी, स्थानीय स्वशासन और विकेन्द्रीकरण का आधार बनकर उभरी। ग्राम पंचायतें अब योजनाओं के क्रियान्वयन, बजट प्रबंधन, सामाजिक न्याय और सतत विकास के स्थानीय केंद्र बन गई हैं। हमें ज्ञात होना चाहिए कि पंचायती राज का उद्देश्य स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार योजनाएँ बनाना और लागू करना, ग्रामीण समुदायों को सशक्त और स्वावलंबी बनाना, सामाजिक न्याय, समावेशन और पारदर्शिता सुनिश्चित करना रहा है और इसकी प्राप्ति के लिए हमें मिलकर प्रयास करने होंगे।

### गांवों के विकास में युवाओं की भूमिका: परिवर्तन के वाहक

भारत एक युवा देश है-जहां 65% जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यदि यह युवा वर्ग पंचायती राज व्यवस्था से जुड़कर ग्राम विकास में सक्रिय हो, तो यह एक सामाजिक क्रांति का स्वरूप ले सकता है। युवा डिजिटल परिवर्तन के अगुवा कराए हुए पंचायतों में तकनीकी नवाचार ला सकते हैं- जैसे डिजिटल ग्राम प्रोफाइल, ऑनलाइन शिकायत निवारण, मोबाइल ऐप से विकास ट्रैकिंग, ई-गवर्नेंस का विषय गाँव के आमजन को जानकारी देते हुए सरकार द्वारा किए गए नवाचरों, योजनाओं ओर उन योजनाओं की मॉनिटरिंग को आमजन तक पहुंच सकते हैं। कृषि व उद्यमिता में नवाचार हेतु फार्म-टू-मार्केट, जैविक खेती, एग्री-स्टार्टअप्स, ग्रामीण पर्यटन जैसी पहलें युवाओं द्वारा संचालित की जा सकती हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में योगदान में भी शिक्षा में डिजिटल प्लेटफॉर्म, मोबाइल हेल्थ क्लिनिक, ग्रामीण पोषण योजना, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता जैसे प्रयासों में युवाओं की भूमिका अहम है। वहीं सामाजिक सुधार और नेतृत्व करते हुए बाल विवाह, नशा मुक्ति, पर्यावरण सुरक्षा, लैंगिक समानता जैसे विषयों पर युवाओं का नेतृत्व परिवर्तनकारी हो सकता है।

### स्थानीय सतत विकास लक्ष्य: पंचायतों से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक

वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2030 तक प्राप्त किए जाने वाले 17 सतत विकास लक्ष्यों (रऊॠ२) को अपनाया गया, जिनका उद्देश्य गरीबी उन्मूलन, पृथ्वी की रक्षा और सभी के लिए समृद्धि सुनिश्चित करना है। भारत ने इन लक्ष्यों को अपनाया और इन्हें स्थानीय स्तर पर लागू करने के लिए विशेष प्रयास शुरू किए, जिससे विकास की असली नींव-ग्राम पंचायतें-सशक्त बन सकें। यही प्रक्रिया स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों (छरऊॠ२) के रूप में जानी जाती है।

### स्थानीय सतत विकास लक्ष्य

पंचायती राज का उद्देश्य वैश्विक विकास को स्थानीय संदर्भ और जरूरतों के अनुसार ढालना है। इसका मतलब है कि हर पंचायत, ब्लॉक, ज़िला और राज्य अपनी स्थानीय प्राथमिकताओं के अनुसार विकास कार्यों को योजनाबद्ध और लागू करे ताकि 2030 तक सभी लक्ष्य हासिल किए जा सकें। पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार इस दिशा में कार्य कर रहा है ताकि प्रत्येक पंचायत और उन पंचायतों में रहने वाले लोगों का समग्र ग्राम विकास कर और ग्राम पंचायतों को सशक्त बना सके। वर्तमान में ग्राम पंचायतों मे होने वाले विकास कार्य स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप किए जा रहे ताकि गाँव के समग्र विकास के साथ 2030 तक हम संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा तय किए गए सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति भी कर सके।

### स्थानीय सतत विकास लक्ष्य

1. गरीबी मुक्त और उन्नत आजीविका वाला गांव: राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान और पंचायती राज के अनुसार, गरीबी उन्मूलन और निवासियों की आर्थिक भलाई में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है।

2. स्वस्थ गांव: पंचायत विकास

योजना अभियान के अनुसार, इसका उद्देश्य सभी निवासियों के लिए स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना और स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता और स्वस्थ रहने की स्थिति तक पहुँच सहित कल्याण को बढ़ावा देना है।

3. बाल हितैषी गांव: पंचायत विकास योजना अभियान के अनुसार, यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा की जाए और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुँच मिले।

4. जल-पर्याप्त गांव: ग्राम के सभी निवासियों के लिए स्वच्छ और पर्याप्त जल संसाधनों तक पहुँच सुनिश्चित करने और स्थायी जल प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करता है।

5. स्वच्छ और हरित गांव: अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देकर, प्रदूषण को कम करके और हरित पहल को बढ़ावा देकर एक स्वच्छ और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ गांव बनाने का लक्ष्य।

6. गांव में आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा: सड़क, जल आपूर्ति प्रणाली और स्वच्छता सुविधाओं जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे को विकसित करने और बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करता है।

7. सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण और सामाजिक रूप से सुरक्षित गांव: हाशिए पर पड़े समुदायों और विकलांग लोगों सहित सभी निवासियों के लिए सामाजिक समावेश, समानता और सुरक्षा को बढ़ावा देता है।

8. सुशासन वाला गांव: पंचायत विकास योजना अभियान के अनुसार, स्थानीय शासन प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और भागीदारी सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

9. महिला हितैषी गांव: महिलाओं को सशक्त बनाने, लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने का लक्ष्य है कि गांव के जीवन के सभी पहलुओं में उनकी जरूरतें पूरी हों।

युवा इन लक्ष्यों को स्थानीय क्रियान्वयन के जरिए साकार कर सकते हैं। गांवों में डेटा आधारित योजना निर्माण, परिणाम-आधारित निगरानी और समुदाय आधारित संसाधन प्रबंधन में युवाओं की भूमिका निर्णायक बन सकते हैं।

पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार ने विभिन्न योजनाओं के साथ तकनीक विकसित करके ग्राम पंचायतों के साथ आमजन की भागीदारी ओर पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्लेटफॉर्म भी विकसित भी किए हैं ताकि सशक्त पंचायत, समृद्ध भारत के सपने को साकार करते जुए पंचायतों को आत्मनिर्भर और उत्तरदायी बनाया जा सके। इनमें कुछ महत्वपूर्ण पोर्टल्स पोर्टल और मोबाइल ऐप: पंचायतों को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए। और विकास योजनाओं की निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए।: पंचायत प्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों और युवाओं के क्षमता निर्माण के लिए।

हर ग्राम पंचायत की विशेष आवश्यकताओं पर आधारित समावेशी विकास योजना।छरऊॠ पंचायत रेटिंग और पुरस्कार योजना: पंचायतों को प्रोत्साहित करने के लिए रैंकिंग और वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रमुख है। इनके जहां पोर्टल्स बने है वही इनकी सुगमता के लिए मोबाईल आधारित ऐप्लकैशन भी बनाई गौ है जिससे हर व्यक्ति की पहुच मे सभी सामग्री हो सके।

### प्रधानमंत्री मोदी की संकल्पना: विकसित भारत @2047

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण है कि भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाना है- एक ऐसा भारत जो आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी और पर्यावरणीय रूप से आत्मनिर्भर हो। इस दिशा में गांवों का समृद्ध, सुरक्षित और सशक्त होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बार-बार यह कहा है कि ह्लविकास का रास्ता गांवों से होकर ही जाता है।ह्व उनका आग्रह है कि हर पंचायत, हर युवा, हर नागरिक इस संकल्प को अपने स्तर पर आत्मसात करें और देश को विकास और समृद्धि की पंचवर्षीय गति की बजाय वार्षिक गति से आगे बढ़ाएं। और समग्र ग्राम-समग्र राष्ट्र की अवधारणा को सिद्ध करते हुए भारत को विकसित राष्ट्र बनाने मे अपना योगदान सुनिश्चित करें।

आज पंचायती राज दिवस केवल स्मरण या आयोजन का दिन नहीं बल्कि यह आत्मनिरीक्षण और संकल्प का अवसर है। यदि युवा शक्ति और पंचायती राज संस्थाएं हाथ में हाथ डालकर काम करें तो न केवल गांव विकसित होंगे बल्कि विकसित भारत की नींव भी मजबूत होगी। युवाओं का जोश, पंचायतों का कायार्नुभव और सरकार की योजनाएँ- जब यह तीनों एक दिशा में मिलते हैं तो समग्र ग्राम विकास की संकलपना पूर्ण होगी ओर गाँव सशक्त बनेगे तब भारत को सशक्त, समावेशी और सतत रूप से विकसित राष्ट्र बनने का सपना पूर्ण

# आतंकवाद से लड़ने में भारत का समर्थन करेगा इजरायल

**आतंकवाद** पर भारत के साथ सहयोग बढ़ाएगा इजरायलः दुनिया भर में पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की जा रही है, भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने कहा कि ऐसे अपराधी हमेशा दूसरों को डराने की कोशिश करते हैं। मीडिया से बात करते हुए अजार ने कहा कि आतंकवादियों के प्रयासों के बावजूद, भारत जवाबी कार्रवाई करने के लिए और अधिक दृढ़ संकल्पित होगा। ₹खैर, हमारे पास हमेशा नकलची होते हैं और ये अपराधी हमेशा हमें डराने के लिए नए तरीके खोजने की कोशिश करते हैं।

हमें निश्चित रूप से उनका अनुसरण करना होगा, हमें उनका सोचना, उनका संचालन करना सीखना होगा और मुझे यकीन है कि वे ऐसा करना जारी रखेंगे, लेकिन मुझे यह भी यकीन है कि हम और अधिक दृढ़ संकल्पित होंगे और इस घटना से लड़ने में और अधिक निवेश करेंगे, उन्होंने कहा।

उन्होंने एएनआई को आगे बताया कि इजरायली पक्ष ने हमेशा भारत के साथ व्यापक आधार पर सहयोग किया है और आने वाले समय में भी सहयोग जारी रखेगा। ₹यह पूरी तरह से भारतीय सरकार पर निर्भर है। मुझे यकीन है कि उन्हें पता है कि कैसे काम करना है। हमने देखा है कि सरकार के प्रयासों की बदौलत अतीत में स्थिति कैसे स्थिर हुई है। इसलिए हम उन परिचालन मुद्दों के बारे में बात नहीं करते हैं जो किसी एक घटना से संबंधित हैं। हम व्यापक आधार पर एक साथ सहयोग करने की कोशिश करते हैं ताकि यह देखा जा सके कि आम तौर पर खतरों से कैसे निपटा जाए, आतंकवाद से लड़ने के साधनों को कैसे बेहतर बनाया जाए, चाहे वह खुफिया जानकारी के लिहाज से हो, तकनीक के लिहाज से हो, कार्यप्रणाली के लिहाज से हो, आदि। इसलिए हम भविष्य में भी इस सहयोग को जारी रखेंगे, उन्होंने कहा।

अजार ने कहा कि इजरायल यह सिफारिश नहीं करेगा कि क्या किया जाना चाहिए, क्योंकि भारत के पास इस मुद्दे पर कहीं बेहतर जानकारी है। ₹जैसा कि मैंने कहा, इजरायल किसी विशेष मामले पर दूसरे देशों को यह सिफारिश करने के व्यवसाय में नहीं है कि क्या किया जाना चाहिए। मुझे यकीन है कि भारतीय सरकार और यहां के अधिकारियों के पास सीमा पार क्षेत्र की स्थिति और इस मुद्दे से निपटने के तरीके के बारे में कहीं बेहतर जानकारी है,₹ उन्होंने कहा।

अजार ने कहा कि जब सामान्य शर्तों की बात आती है तो वे सहयोग करेंगे। जैसा कि मैंने कहा, हम सामान्य शर्तों, कार्यप्रणाली, तकनीक और खुफिया जानकारी के मामले में सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं और यह बहुत महत्वपूर्ण काम है जिसे हम जारी रखेंगे,

उन्होंने कहा। इस बीच, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने बुधवार को पहलगाम आतंकी हमले की जगह का दौरा किया ताकि जम्मू-कश्मीर (जे-के) पुलिस को इस क्षेत्र में नागरिकों पर लगभग बीस वर्षों में सबसे घातक हमले की जांच में सहयोग दिया जा सके। इस घटनाक्रम से जुड़े आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एनआईए टीम के सदस्य जांच में जम्मू-कश्मीर पुलिस की सहायता करेंगे।

# पहलगाम के आतंकी बर्बरता पर लौहनगरी जमशेदपुर में भारी उबाल

■ आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब और पनाहगार पाकिस्तान पर कठोर सैन्य कार्रवाई की उठी मांग

## आतंकवाद के खिलाफ सड़क पर उतरे भाजपा कार्यकर्ता, फूंका पुतला

खबर मन्त्र ब्यूरो

साकची में आतंकवाद का पुतला फूंकते भाजपा कार्यकर्ता।

**जमशेदपुर।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को दिल दहलाने वाले आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस अमानवीय और बर्बर हमले में 27 निर्दोष पर्यटकों की नृशंस हत्या ने न केवल आतंकवाद की क्रूर मानसिकता को उजागर किया, बल्कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के घिनौने चेहरे को भी विश्व के सामने बेनकाब कर दिया। इस जघन्य घटना के बाद देशभर में लोगों में गुस्सा और आक्रोश का लावा फूट पड़ा है।

बुधवार को जमशेदपुर महानगर के सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर आतंकवाद के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर आक्रोश व्यक्त किया। जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने साकची स्थित जिला कार्यालय से जुबिली पार्क गोलचक्कर तक हाथों में आतंकवाद का पुतला लेकर पैदल मार्च निकाला। इस दौरान 'आतंकवाद मुर्दाबाद' और 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारों से पूरा क्षेत्र गुंजयमान रहा। जुबिली पार्क गोलचक्कर पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं ने आतंकवाद का पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया और केंद्र सरकार से आतंकवाद के खिलाफ कठोर व निर्णायक कार्रवाई की मांग की। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि यह दुखद घटना पूरे देश के लिए एक गहरी चोट जैसी है। कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि देश इस कायरतापूर्ण हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा। अब आतंकियों के अंत का समय आ गया है। इससे पहले, जिला कार्यालय में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर प्रभु से दिवंगत पुण्यात्मा के शांति एवं शोक संतप्त परिजनों के संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

वहीं, मीडिया को संबोधित करते हुए भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या करना आतंकवादियों की कायरता, बर्बरता और नपुंसकता का जीता-जागता सबूत है। यह हमला भारत की अस्मिता और संप्रभुता पर सीधी चुनौती है। अब चुप रहने का वक्त नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई का समय है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार को आतंकवाद और आतंकियों को पनाह देने वाले पाकिस्तान के खिलाफ अब आर-पार की जंग छेड़नी होगी, ताकि इस जघन्य अपराध के आतंकियों को उनके अंजाम तक पहुंचाया जाए।

इस दौरान मनोज कुमार सिंह, जटाशंकर पांडेय, डॉ राजीव, कुसुम पूर्ति, बबुआ सिंह, संजीव सिंह, मिली दास, संजीव कुमार, रमेश हांसदा, प्रेम झा, अखिल सिंह, बिनोद सिंह, ज्ञान प्रकाश, उज्ज्वल सिंह, अमित सिंह, संजीत चौरसिया, सागर राय, मंजीत सिंह, रमेश बास्के, प्रदीप मुखर्जी, अमिताभ सेनापति, चिंटू सिंह, बिनोद राय, पप्पू उपाध्याय, प्रशांत पोद्दार, आनंद कुमार, रबिन्द्र सिसोदिया, जीवन लाल, अमित मिश्रा, अप्पा राव, दीपक झा, अरुण मिश्रा, मारुति नंदन पांडेय, लक्ष्मण श्रीवास्तव, मुकेश कुमार, राकेश दुबे,रानी ठाकुर, संजना साहू, लीना चौधरी, लक्ष्मण बेहरा, प्रवीण कुमार, कंचन दत्ता, शिंदे सिंह, महेश्वर सिंह, गजेंद्र सिंह, घनश्याम पांडेय, बंटी अग्रवाल, काजू शांडिल, सुमित कुमार, सतीश सिंह, महेंद्र राष्ट्रवादी समेत सैकड़ों अन्य कार्यकर्ता एवं आमजन मौजूद रहे।

## केंद्र सरकार कठोर कदम उठाये कांग्रेस साथ रहेगी : राकेश तिवारी

**जमशेदपुर।** झारखंड कांग्रेस के प्रदेश सचिव राकेश तिवारी ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए नरसंहार के घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि केंद्र की सरकार इस घटना को गंभीरता से ले और बड़बोली छोड़कर धरातल पर वास्तविक कार्य देश हित में करें। इस तरह की घटना से देश में आम नागरिकों में दहशत का माहौल पुनः हो गया है जो देश के लिए अच्छी बात नहीं। श्री तिवारी ने कहा की जम्मू कश्मीर में आतंकी गतिविधियों पर सरकार कठोर कदम उठाए और इस घटना के जवाब में कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें ऐसी घटना पर देश की सभी राजनीतिक दल सरकार के साथ होंगे जहां देश की आन बान और शान की बात होगी देश के आम जनता की रक्षा की बात होगी। वहां कांग्रेस या कोई भी दल राजनीति करना नहीं चाहती उन्होंने कहा घटना में मारे गए निर्दोष पर्यटकों के प्रति हम गहरी शोक संवेदना प्रकट करते हैं। कांग्रेस पार्टी पूरे राज्य में उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना सभा और कैंडल मार्च निकालेगी।

## आतंकवाद जहरीला नाग, इसके फन को कुचल डाले केंद्र सरकार

**जमशेदपुर।** पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा हमला कर निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने पर सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि इसका मुंहतोड़ जवाब दिया जायेगा। सांसद श्री महतो ने कहा कि आतंकवाद एक जहरीला नाग है और जब तक इसके फन को पूरी तरह से कुचला नहीं जाएगा तब तक भारत चैन से नहीं बैठेगा। निर्दोष भारतीयों के हत्या का हिसाब इन आतंकवादियों को चुकाना पड़ेगा। जिस तरह पुलवामा के बाद सर्जिकल स्ट्राइक किया गया था उसी अंदाज में इसका मुंहतोड़ जवाब देने के लिए भारत प्रतिबद्ध है। सांसद ने कहा कि आतंकवादी हमला भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता पर किया गया हमला है। सांसद श्री महतो ने आतंकी हमले में मारे गए लोगों को अपने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश आज उनका ऋणी है। उनकी शहादत बेकार नहीं जायेगी।

स्पीड न्यूज

### आतंकी हमले की राजेश शुक्ल ने कड़ी निंदा की

**जमशेदपुर।** झारखंड स्टेट बार काउंसिल के वाइस चेयरमैन और सुप्रसिद्ध वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार शुक्ल ने पिछले दिनों पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है और इसे मानवता पर कायरतापूर्ण कार्रवाई कहा है। श्री शुक्ल ने आज यहा जारी एक विज्ञप्ति में कहा है कि धर्म पूछकर पर्यटकों की ऐसी नृशंस हत्या करना बेहद निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। आतंकियों को अब मुंहतोड़ जवाब देने की जरूरत है।

### पहलगाम कांड राष्ट्र के खिलाफ बड़ा हमला: काले

**जमशेदपुर।** भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता सह नमन के संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगांव में हुई हिंदू विरोधी धार्मिक नरसंहार ने देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। यह कोई सामान्य हमला नहीं बल्कि यह सोची-समझी, सुनियोजित और घृणित मानसिकता से की गई वहशत थी, जिसमें बेगुनाहों को उनके नाम और धर्म पूछ-पूछ कर उनके परिवार के सामने उन्हें गोलियों से भून दिया गया।

### गम्हरिया के लोगों ने की आतंकी घटना की निंदा

**गम्हरिया।** जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुई भीषण आतंकी घटना की कई लोगों ने निंदा किया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता फुलकान्त झा ने इस वीभत्स घटना की निंदा करते हुए कहा कि इसपर केंद्र सरकार को कड़ा फैसला लेने की जरूरत है ताकि ऐसे आतंकियों और उसे शह देने वालों को सबक मिले। कहा कि इस अमानवीय घटना पर संपूर्ण देश स्तब्ध व आक्रोशित है। उन्होंने कहा कि इस गंभीर मुद्दे पर सभी विपक्षी दलों को भी एकजुट होने की जरूरत है ताकि देश के ऐसे दुश्मनों से कड़ाई से निबटा जा सके।

### असहनीय है पर्यटकों पर हमला : मुकेश मित्तल

**जमशेदपुर।** पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष एवं पूर्व उपाध्यक्ष, सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मुकेश मित्तल ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि पहलगाम में हुआ यह आतंकी हमला न केवल निर्दोष नागरिकों की हत्या है, बल्कि यह हमारे देश की एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द पर भी हमला है। हमें एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे कायराना हमलों को अंजाम देने वाले आतंकियों को सख्त से सख्त सजा मिले। साथ ही, हमें अपने सुरक्षा तंत्र को और मजबूत करना होगा ताकि भविष्य में ऐसे हमलों को रोका जा सके।

## वक्फ कानून के खिलाफ प्रतिवाद सभा एक को

■ पर्सनल बोर्ड के अध्यक्ष हजरत मौलाना खालिद सैफुल्ला रहमानी समेत कई मुस्लिम विद्वान भाग लेंगे

खबर मन्त्र ब्यूरो

संवाददाता सम्मेलन में प्रतिवाद सभा की जानकारी देते संयोजक रियाज शरीफ।

**जमशेदपुर।** ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल बोर्ड ने पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों के जन संहार पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, और आतंकवादी संगठनों की कड़ी निंदा की है। दो मिनट मौन रख कर बोर्ड ने दिवंगत पर्यटकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। इसके साथ ही बोर्ड ने केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए वक्फ कानून 2025 के खिलाफ मानगो के गांधी मैदान में एक मई 2025 को प्रतिवाद सभा करने की घोषणा की है। कार्यक्रम के संयोजक रियाज शरीफ ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा पारित वक्फ कानून 2025 जल्दबाजी में लाया गया कानून है, जिसमें समुदाय विशेष के यहीं को गभीरता से नहीं लिया गया है। उक्त कानून में 44 नये संशोधन है जिस कारण वक्फ किये गये जमीन को संरक्षित नहीं किया जा सकता।

रियाज शरीफ ने कहा कि पूर्व में वक्फ एक्ट 1998 में जो व्यवस्था सरकार द्वारा दी गई थी, उसके द्वारा वक्फ सम्मतियों की हिफाजत की जा रही थी। इसपर सभी पक्षों (केंद्र सरकार एवं वक्फ बोर्ड) को विश्वास में लेकर आपसी सहमति से और बेहतर बनाया जा सकता था, लेकिन केन्द्र सरकार द्वारा जो जेपीसी का गठन किया गया था, वह पूर्ण रूप से सरक्कर के प्रभाव में कार्य करने वाला साबित हुआ। समिति में शामिल सदस्यों का विरोध भी हुआ, लेकिन अंततः आनन-फानन में संख्या बल के आधार पर बिल को पास कराकर कानून बना दिया गया। जिसका की समस्त मुस्लिम समुदाय विरोध करता है और सरकार के इस फैसले से असहमत है।

शरीफ ने बताया कि इन्हीं सभी बिन्दुओं पर दिनांक 01.05. 2026 को आयोजित होने वाली प्रतिवाद आमसभा में पर्सनल बोर्ड के अध्यक्ष हजरत मौलाना खालिद सैफुल्ला रहमानी, महासचिव मौलाना कज्जलुर रहीम मुज्हदीदी, बोर्ड के प्रवक्ता सैयद कासिम रसुल, बोर्ड के उपाध्यक्ष सह पूर्व सांसद मौलाना उबैदुल्लाह खान आजमी, जेपीसी सदस्य सह सांसद डॉ मोहम्मद जावेद, सासद कल्याण बैनर्जी, मंत्री डॉ इरफान अंसारी, सालद इमरान मसूद, मौलाना मोहिब्बुला मदवी, के अतिरिक्त अन्य बुद्धिजीवी एवं गणमान्य सभा को सम्बोधित करेंगे। सभा शाम 5 से रात्रि 10 बजे तक होगी।

## एक नजर में

### अनाथ बच्ची तुलसी सिंह के घर पहुंचे पटमदा सीओ

**पटमदा।** प्रखंड के लावा पंचायत के सिसदा गांव के टोला आम बहाल की दो वर्षीय अनाथ बच्ची तुलसी सिंह के माता पिता दोनों का निधन हो जाने से बच्ची के सिर से माता पिता दोनों का साया उठ गया। बुधवार को पटमदा सीओ डॉ राजेंद्र कुमार दास तुलसी के घर पहुंचकर उनके दादी से मिलकर सरकारी लाभ की कागजी कार्रवाई शुरू करने के लिए उनको आधार, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, पारिवारिक सदस्यों में जोड़ने के लिए अंचल से खतियान आदि कागजात जाँच किया। वही गुरुवार को बच्ची तुलसी सिंह के आधार बनवाने का प्रक्रिया भी शुरू किया जाएगा।वही अंचलाधिकारी डॉ राजेंद्र कुमार दास के साथ समाजसेवी विश्वनाथ महतो ने तुलसी के पिता के श्राद्ध कर्म में शामिल होकर कुछ खाद्य सामग्री सौंपा।वही अनाथ बच्चों को सरकार द्वारा मिलने वाली प्रतिमाह चार हजार की सहयोग राशि देने की भी प्रक्रिया की जाएगी। बता दे कि कुछ दिन पहले अनाथ बच्ची तुलसी सिंह के घर समाजसेवी विश्वनाथ महतो और पी एल वी मिथिलेश तिवारी ने पहुंचकर इस मामले से अंचलाधिकारी को इसकी जानकारी दी थी। वही कई समाचार पत्र के माध्यम से प्रकाशित खबर के बाद भी कई समाजसेवियों के द्वारा तुलसी सिंह को सहयोग किया।

### भालुबासा में श्याम महोत्सव की तैयारी बैठक

**जमशेदपुर।** शहर की धार्मिक संस्था श्री श्याम भक्त मंडल भालुबासा द्वारा आगामी 11 मई रविवार को आयोजित होने वाले भव्य श्याम महोत्सव की सफलता हेतु मंडल कार्यालय भालूबासा में बैठक संपन्न हुई। मंडल अध्यक्ष मुरारी अग्रवाल ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए बताया कि 11 मई रविवार की सुबह 08 बजे से श्याम अखंड ज्योति पाठ और रात 08 .30 बजे से भजनों की अमृत वर्षा (संकीर्त्तन) होगी। संस्था के संयोजक पवन अग्रवाल ने कहा कि सामूहिक प्रयास से ही महोत्सव को ऐतिहासिक बनाया जा सकता है। महिला शाखा अध्यक्ष रिंकू अग्रवाल और सचिव उषा गुप्ता को सामूहिक पाठ की पूरी जिम्मेदारी दी गई हैं। बैठक में मुख्य रूप से बजरंग केलवालका, अरुण अग्रवाल, राजू खंडेलवाल, बसंत अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, वेद प्रकाश उपाध्याय, कंचन दे, नितिन चौधरी, मालीराम अग्रवाल, वर्गिस अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, हैप्पी अग्रवाल, कैलाश छावछरिया, बिमल अग्रवाल, संजय शर्मा, विकास अग्रवाल, धनराज गुप्ता, अप्पू अग्रवाल आदि शामिल थे। बाबा श्याम के जयकारे के साथ बैठक की समाप्ति हुई।

### टाटानगर बासुकीनाथ मंडली धर्मशाला की नयी कार्यकारिणी का हुआ गठन, इंदर बने अध्यक्ष

**जमशेदपुर।** टाटानगर बासुकीनाथ मंडली धर्मशाला की आमसभा सह कार्यकारिणी समिति चयन का कार्यक्रम सिंहभूम चेम्बर भवन में संपन्न हुआ। महासचिव सुरेश हरनाथका ने वर्षभर के कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की, वहीं कोषाध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल ने 2024-25 के आय-व्यय का विवरण रखा, जिसे सदन ने करतल ध्वनि से स्वीकृति प्रदान की। संस्था के अध्यक्ष इन्दर अग्रवाल ने अपने संबोधन में संस्था की कीर्ति और सेवाओं को और व्यापक बनाने की बात कही। चुनाव पदाधिकारी सत्यनारायण खंडेलवाल ने चयन प्रस्ताव को समर्थन के साथ पारित किया और नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा की। नई कार्यकारिणी समिति : नवगठित समिति में इंदर अग्रवाल अध्यक्ष, संतोष खेतान व राजकुमार संघी उपाध्यक्ष, सुरेश हरनाथका महासचिव, अनील गोयल व सुशील खीरवाल उपसचिव तथा राधेश्याम अग्रवाल कोषाध्यक्ष चुने गये। कार्यकारिणी सदस्यों में रामअवतार अग्रवाल, दिनेश सिंघानिया, विट्ठल अग्रवाल, प्रकाश मोदी, मनोज चौधरी, रवि पटेल, संतोष अग्रवाल, प्रवीण गुटगुटीया, रीतेष अग्रवाल, विनय अग्रवाल, उत्तम नरेडी, नन्दलाल अग्रवाल, ललीत सरायवाला, मनोज चेतानी को शामिल किया गया। सभा के अंत में सभी ने धर्मशाला के विकास हेतु मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

### 'जीवन' ने छात्रों और अभिभावकों को दिया आत्म बल का संदेश

**जमशेदपुर।** बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित होने का समय करीब आते देख जहां एक ओर छात्रों में भविष्य की चिंता बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर अभिभावकों की अपेक्षाएँ भी छात्रों पर दबाव बना रही हैं। ऐसे समय में जमशेदपुर में आत्महत्या की रोकथाम के लिए समर्पित 'जीवन' आत्महत्या निवारण केंद्र ने एक सराहनीय पहल करते हुए आईसीएसई और सीबीएसई बोर्ड के छात्रों और उनके माता-पिता को भावनात्मक रूप से मजबूत रहने और मानसिक संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया है। संस्था ने छात्रों को यह समझाने का प्रयास किया कि परीक्षा का परिणाम जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत है। जीवन के स्वयंसेवकों और परामर्शदाताओं ने अभिभावकों और विद्यार्थियों छात्रों को आत्म-स्वीकृति, वैकल्पिक करियर विकल्प, और आत्महत्या जैसे घातक विचारों से दूर रहने के उपाय पर जोर दिया है। हर परिणाम एक अवसर है, न कि हार की मोहर, यह संदेश संस्था ने प्रेरणादायक दिया सन्देश जारी किया है।

## आशियाना आदित्या के सुपर मॉम ने डीबीएमएस लिलिपुट में आयोजित की चित्रांकन प्रतियोगिता

खबर मन्त्र ब्यूरो

**जमशेदपुर/ आदित्यपुर।** आशियाना आदित्या के सुपर मोम के द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर डी वी एम एस लिलिपुट, सी एच एरिया में चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया,जिसमें आशियाना आदित्य के सुपर मॉम नियति राय, श्रावणी पहाड़ी एवं विद्या पी बत्तीवाला ने अहम भूमिका निभायी। मौके पर विद्यालय के अंडर प्रिविलेज 50 बच्चों ने भाग लिया। छात्रों को संबोधित करते हुए सुपर मोम नियति राय एवं अन्य ने पृथ्वी संरक्षण और बचाओ के बारे में प्रकाश डाला । इस अवसर पर छात्रों के द्वारा रचनात्मक प्रक्रिया के तहत चित्रांकन के माध्यम से पृथ्वी संरक्षण के प्रति अपने विचार व्यक्त किया। विद्यालय के प्राचार्या राधा श्रीनिवासन और शिक्षिका बसंती ने भी अपने विचार व्यक्त किया। चित्रांकन प्रतियोगिता में प्रथम छात्र को पुरस्कृत किया गया। मौके पर काफी संख्या में छात्र एवं शिक्षक उपस्थित थे।

## एनटीटीएफ आर डी टाटा तकनीकी संस्थान गोलमुरी में मना समारोह

■ अलविदा मनाकर 2022-25 बैच के छात्रों को दी गयी विदाई

खबर मन्त्र ब्यूरो

**जमशेदपुर।** एनटीटीएफ आर डी टाटा तकनीकी संस्थान गोलमुरी के संस्थान परिसर में अलविदा दिवस के मद्देनजर समारोह आयोजित किया गया। इसमें संस्थान की प्राचार्य प्रीता जॉन,उप प्राचार्य रमेश राय एवं सभी ब्रांच के शिक्षकों के साथ 2022- 25 बैच के छात्र मुख्य रूप से उपस्थित थे। समारोह का शुभारंभ सभी अतिथियों एवं संस्थान के प्राचार्य प्रीता जॉन,उप प्राचार्य रमेश राय द्वारा दीप प्रज्वलन कर हुआ। इस दौरान गायन और नृत्य आदि जैसी कई मजेदार गतिविधियों का आयोजन किया गया। समारोह में संस्थान के शिक्षकगण, स्टाफ एवं कई छात्रों ने हिस्सा लिया।सर्वप्रथम इलेक्ट्रॉनिक डिपार्टमेंट द्वारा प्रस्तुत नृत्य से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।इसके बाद दृशा और ग्रुप ने अपने गायन से समा बांध दिया। आयोजित समारोह में डिप्लोमा इन इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग, डिप्लोमा इन मेकाट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, डिप्लोमा इन टूल एंड डाई इंजीनियरिंग एवं डिप्लोमा इन कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के फाइनल ईयर के सभी छात्रों की इस नए सफर में उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई एवं तकनीकी के क्षेत्र में संस्थान का नाम रोशन करने के लिए उन्हें बधाई दी गयी।

## सरकारी स्कूलों के बच्चों का निजी कंपनियों संस्थाओं में एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम 8 को

प्रोजेक्ट अन्वेषण 2.0

■ चैनपुर के संत जॉन चर्च में डीकन एजेकिएल टोप्पो का हुआ पुरोहिताभिषेक

■ डीसी ने कंपनी व संस्थाओं के प्रतिनिधि के साथ की बैठक, 8 मई को छात्रों के भ्रमण कार्यक्रम के रूपरेखा पर हुई चर्चा

■ कार्यक्रम के तहत जिला के 25 स्कूल किये गये चयनित, 9-12वीं कक्षा तक के बच्चे होंगे शामिल

खबर मन्त्र ब्यूरो

**जमशेदपुर।** उपायुक्त अनन्य मित्तल ने सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों को शहर के निजी कंपनियों एवं संस्थाओं में एक्सपोजर विजिट कराने के दूसरे चरण को लेकर कंपनी व संस्थाओं के प्रतिनिधि के साथ समाहरणालय सभागार में बैठक की गयी। डीडीसी अनिकेत सचान बैठक में मौजूद रहे। गौरतलब है कि प्रोजेक्ट अन्वेषण के पहले फेज में 15 स्कूलों के 11वीं कक्षा के शामिल किए गए थे, वहीं प्रोजेक्ट अन्वेषण 2.0 में इस बार जिले के 25 स्कूलों के 9-12वीं कक्षा तक के बच्चे शामिल किये गये हैं।

## गर्मी बढ़ गयी है, विद्यालयों का समय कम कराइये डीसी साहब

■ सिंहभूम चैम्बर ने चिलचिलाती गर्मी को देखते हुए स्कूलों के समय को कम करने हेतु उपायुक्त का कराया ध्यानाकृष्ट

खबर मन्त्र ब्यूरो

**जमशेदपुर।** सिंहभूम चेंबर ने अप्रेल महीने की भीषण चिलचिलाती गर्मी को देखते हुए बच्चों के स्कूलों के समय को कम करवाने हेतु स्कूलों को उचित दिशा निर्देशित जारी करने के लिये पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त अनन्य मित्तल, भा.प्र.से. का पत्र के माध्यम से ध्यानाकृष्ट कराया है। यह जानकारी मानद महासचिव मानव केडिया ने दी। अध्यक्ष विजय आनंद मूनका ने बताया कि इस वर्ष अप्रेल के महीने में ही भीषण गर्मी की शुरूआत हो चुकी है और पूरे झारखण्ड राज्य के साथ ही जमशेदपुर में भी कड़ी चिलचिलाती गर्मी पड़ रही है। इस भीषण गर्मी के मद्देनजर चैम्बर ने पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त अनन्य मित्तल, भा.प्र.से. को पत्र के माध्यम से आग्रह करते हुये इसके लिये त्वरित कदम उठाये और स्कूलों के समय में परिवर्तन कर समय को घटाने के लिये स्कूल प्रबंधनों को दिशा निर्देशित जारी करें।

### एसएई एयरो डिजाइन 2025 में एनआइटी जमशेदपुर की टीम फीनिक्स की शानदार उपलब्धि

## डिजाइन रिपोर्ट श्रेणी में विश्व स्तर पर प्राप्त किया छठा स्थान

खबर मन्त्र ब्यूरो

**जमशेदपुर। एनआइटी** जमशेदपुर और भारत के लिए गर्व का क्षण तब आया, जब संस्थान की आधिकारिक एयरो-डिजाइनिंग और एयरो-मॉडलिंग टीम टीम फीनिक्स ने रआए इंटरनेशनल एयरो डिजाइन 2025 प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए वैश्विक मंच पर अपनी चमक बिखेरी। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 4 से 6 अप्रैल तक वैन नाईस, कैलिफोर्निया, अमेरिका में आयोजित की गई थी।

रेगुलर क्लास श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करते हुए टीम फीनिक्स ने डिजाइन रिपोर्ट में विश्व स्तर पर छठा स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि टीम की रचनात्मकता, तकनीकी उत्कृष्टता और कठोर परिश्रम का प्रमाण है। उन्होंने ब्राजील, चीन, पोलैंड और अमेरिका जैसी देशों की शीर्ष संस्थानों की टीमों के बीच अपनी एक अलग पहचान बनाई।

इस शानदार उपलब्धि के पीछे टीम की नवोन्मेषी सोच, सामूहिक प्रयास और अटूट समर्पण रहा। यह न सिर्फ.तकनीकी कुशलता का प्रदर्शन है, बल्कि नेतृत्व और टीम वर्क की एक प्रेरक मिसाल भी है।

टीम का नेतृत्व क्रिश राठौर (टीम कप्तान) ने किया। ऑन-साइट में सक्रिय रूप से योगदान देने वाले सदस्यों में दीपक कुमार, तनिशा श्रीवास्तव, श्रुति प्रिया, और सप्तक रॉय शामिल थे। वहीं टीम के बैकएंड से सहयोग देने वाले सदस्यों में चंदू सुवास रेड्डी, हर्ष कुमार और आदित्य का विशेष योगदान रहा। इस सफर में टीम को मार्गदर्शन मिला प्रोफेसर (डॉ.) गौतम सूत्रधार, निदेशक, एनआइटी जमशेदपुर और डॉ. दीपक कुमार, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एवं टीम के फैकल्टी एडवाइजर से, जिनकी सलाह और प्रेरणा ने इस उपलब्धि को संभव बनाया। टीम ने विशेष रूप से धन्यवाद प्रकट किया कर्नल (डॉ.) निशीथ कुमार राय (सेवानिवृत्त), कुलसचिव, एनआइटी जमशेदपुर का, जिनके सहयोग और प्रोत्साहन ने टीम को इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहुंचने में सहायता प्रदान की।

## आइपीएल 2025 पॉइंट्स टेबल

| टीम | मैच | जीत | हार | रद्द | अंक | रन रेट |
|---|---|---|---|---|---|---|
| गुजरात | 08 | 06 | 02 | 00 | 12 | +1.104 |
| दिल्ली | 08 | 06 | 02 | 00 | 12 | +0.657 |
| मुंबई | 09 | 05 | 04 | 00 | 08 | +0.673 |
| बेंगलुरु | 08 | 05 | 03 | 00 | 10 | +0.472 |
| पंजाब | 08 | 05 | 03 | 00 | 10 | +0.054 |
| लखनऊ | 09 | 05 | 04 | 00 | 10 | -0.054 |
| कोलकाता | 08 | 03 | 05 | 00 | 06 | +0.212 |
| राजस्थान | 08 | 02 | 06 | 00 | 04 | -0.633 |
| हैदराबाद | 09 | 02 | 06 | 00 | 04 | -1.361 |
| चेन्नई | 08 | 02 | 06 | 00 | 04 | -1.392 |

**पर्पल कैप**
16 विकेट
प्रसिद्ध कृष्णा
गुजरात

**ऑरेंज कैप**
417 रन
साई सुदर्शन
गुजरात

# हैदराबाद को हराकर मुंबई ने टॉप-4 में मारी एंट्री

**एजेंसी**

**हैदराबाद।** आइपीएल की 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस कई सीजन बार ऐसा खेल दिखा रही है, जिसके लिए वह जानी जाती है। शुरूआत दो मैच हारने के बाद पॉइंट टेबल में अंतिम नंबर पर चल रही मुंबई की टीम अब तीसरे नंबर पर आ गई है। सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर मुंबई ने आइपीएल 2025 में अपनी 5वीं और लगातार चौथी जीत हासिल की। टीम को 7 विकेट से जीत मिली। राजीव गांधी स्टेडियम पर आसान विकेट पर हैदराबाद की टीम 8 विकेट पर 143 रन ही बना पाई। मुंबई ने तीन विकेट खोकर मुकाबला 16वें ओवर में ही जीत लिया। हैदराबाद की यह 8 मैच में छठी हार है।

### क्लासेन और मनोहर ने संभाला

हेनरिक क्लासेन के 44 गेंद में 71 और अभिनव मनोहर के 43 रन की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद को इस स्कोर तक पहुंचाया। टीम की शुरूआत बहुत खराब रही और पावरप्ले में ही 4 विकेट गिर गए थे। इसके बाद क्लासेन ने पारी को संभाला। उन्होंने अपनी पारी में नौ चौके और दो छक्के लगाये। उन्होंने इंपैक्ट सब्स्टीट्यूट अभिनव के साथ 99 रन की साझेदारी की। अभिनव ने 37 गेंद में दो चौकों और तीन छक्कों के साथ 43 रन बनाये। ट्रेंट बोल्ट ने 4 ओवर में 26 रन देकर 4 जबकि दीपक चाहर ने 4 ओवर में 12 रन देकर 2 विकेट लिए।

### 35 पर गिर गए थे 5 विकेट

सनराइजर्स के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों ने पूरी तरह निराश किया। ईशान किशन (एक) ने मैदान से जाने का फैसला किया जबकि गेंद उनके बल्ले को छूकर विकेटकीपर के हाथ में नहीं गई थी। दीपक चाहर की गेंद लेग साइड के बाहर से जा रही थी जिसे अंपायर ने वाइड करार दिया लेकिन किशन को वापस जाते देख उन्होंने ऊंगली उठा दी। ट्रेविस हेड (0) ने ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर थर्ड मैन में नमन धीर को कैच थमाया। अभिषेक शर्मा (आठ) ने छक्के के साथ शुरूआत की लेकिन बोल्ट की गेंद पर विग्नेश पुथुर को कैच दे बैठे। वहीं नीतीश कुमार रेड्डी ने चाहर की गेंद पर मिडआन में मिचेल सेंटनेर को कैच थमाया। नौ ओवर के भीतर पांच विकेट 35 रन पर गिरने के बाद क्लासेन ने मोर्चा संभाला। उन्होंने पुथुर को दसवें ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद पंड्या को तीन चौके लगाये। दूसरे छोर से क्लासेन को सहयोग नहीं मिला। अभिनव ने बड़ा शॉट खेलने से पहले सात गेंदें खराब की। क्लासेन को जसप्रीत बुमराह ने तिलक वर्मा के हाथों लपकवाया जबकि अभिनव को बोल्ट ने पवेलियन भेजा। बुमराह का यह 300वां टी20 विकेट था।

## मेगा नीलामी के बाद टीमें और खिलाड़ी नये होने से घरेलू मैदान का फायदा नहीं : द्रविड़

**बेंगलुरु।** राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बुधवार को कहा कि खिलाड़ियों के नयी टीमों से जुड़ने और मैदान के हालात की अधिक जानकारी नहीं होने से टीमें आईपीएल के इस सत्र में घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा नहीं मिलने की बात कर रहीं हैं। बेंगलुरू, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जाइंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी कई टीमों ने अपने घरेलू मैदान पर पिचों को लेकर असंतोष जताया है। द्रविड़ ने आरसीबी के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ह्ययह मैदान पर निर्भर करता है। मैं नहीं जानता कि टीमें अपने क्यूरेटर से क्या चाहती हैं। मेगा नीलामी के बाद टीमें नयीं भी हैं।' उन्होंने रॉयल्स के नीतिश राणा और आरसीबी के फिल साल्ट का उदाहरण दिया जो पिछले साल की नीलामी के बाद उन टीमों से जुड़े। उन्होंने कहा, नीलामी के बाद पहले साल कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो उन मैदानों पर पहली बार खेल रहे हैं। मसलन फिल साल्ट केकेआर के साथ था और यहां पहली बार आरसीबी के लिये खेला है।

## बीसीबी के सुरक्षा अधिकारी का निधन

**सिलहट।** बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के सुरक्षा अधिकारी इकराम चौधरी की बुधवार को बांग्लादेश और जिम्बाब्वे के बीच पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन ड्यूटी के दौरान दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम (एसआईसीएस) प्रबंधक जॉयदीप दास ने बताया कि आज सुबह दिल का दौरा पड़ने के बाद इकराम को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। जहां उनका निधन हो गया।

## पूर्व आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टैकपोल का निधन

**सिडनी।** आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज कीथ स्टैकपोल का हृदयघात से निधन हो गया है। वह 84 वर्ष के थे। उन्होंने वर्ष 1966 में इंग्लैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पर्दापण किया। स्टैकपोल ने आस्ट्रेलिया के 43 टेस्ट मैच खेले और सात शतक के साथ 2087 रन बनाये। इसके साथ ही उन्होंने लेग स्पिन गेंदबाज के रूप में 15 विकेट भी लिये। उन्होंने केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टेस्ट शतक बनाया। उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ 207 रन 1970 में गाबा में इंग्लैंड के खिलाफ बनाये। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 55.21 की औसत से तीन शतक बनाये। इयान चैपल की कप्तान में 1972 की एशेज में उन्होंने 53.88 की औसत से 485 रन बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। स्टैकपोल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कुल मिलाकर 10,100 रन बनाए और 148 विकेट लिए। वे एक प्रमुख टीवी और रेडियो कमेंटेटर भी रहे। उन्हें 1973 में विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया। स्टैकपोल ने 1974 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

## जयपुर ओपन शतरंज में ईशान व अरिशा ने की जीत दर्ज

**जयपुर।** राजस्थान में गुलाबी नगर जयपुर में जयपुर ओपन क्लासिकल फिडे रेटेड शतरंज प्रतियोगिता के प्रथम दौर में बुधवार को ईशान और अरिशा ने शानदार जीत दर्ज की। पहले दौर में असम की श्रद्धा धर ने गुजरात के मकावाना वीरेंद्र सिंह को, जयपुर के विवान कपूर ने दिल्ली के ए.के. कलसियन को, उत्तर प्रदेश के वाईके श्रीवास्तव को जयपुर के आरव गुप्ता ने ड्रा पर रोका और बिहार के ईशान सतवत ने जयपुर के पी.आर.हर्ष को, जयपुर की अरिशा अग्रवाल ने राजस्थान के जालप इंद्राज को एवं जयपुर के ही अतीक कुमावत ने कोटा के रेटेड मुकेश मंडलोई को हराया।

# जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को तीन विकेट से हराया

**एजेंसी**

**सिलहट।** ब्लेसिंग मुजारबानी (छह विकेट) के बाद ब्रायन बेनेट (54), बेन कर्रन (44) और वेस्ली मधेवेरे (नाबाद 19) रनों की जूझारू पारियों की बदौलत जिम्बाब्वे ने पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन बुधवार को बांग्लादेश पर तीन विकेट से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। जिम्बाब्वे को चार साल बाद टेस्ट मैच में जीत मिली है और उसने बांग्लादेश को छह साल बाद उसी के घर में हराकर यह ऐतिहासि उपलब्धि हासिल की है। इसी के साथ जिम्बाब्वे ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। 174 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे के लिए ब्रायन बेनेट और बेन कर्रन की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए रिकार्ड (95) रनों की साझेदारी की। मेहदी हसन मिराज ने बेन कर्रन (44) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद तैजुल इस्लाम ने निक वेल्च (10) को पगबाधा आउटकर पवेलियन भेज दिया। शॉन विलियम्स (नौ) को मिराज ने आउट किया। इसके बाद मिराज ने ब्रायन बेनेट (54) को आउटकर मैच में अपनी पकड़ बनाने का प्रयास किया। कप्तान क्रेग एर्विन (10) को तैजुल ने विकेटकीपर जाकेर अली के हाथों कैच आउट कराकर बंगलादेश को पांचवी सफलता दिलाई।

न्याशा मयावो (एक) और वेलिंग्टन मसाकाट्जा (12) को मेहदी हसन मिराज ने बोल्ड आउट किया। लेकिन तब तक पहुंच देर हो चुकी थी। जिम्बाब्वे ने 50.1 ओवर मे सात विकेट पर 174 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया। वेस्ली मधेवेरे (19) और रिचर्ड एन्गरावा (चार) रन बनाकर नाबाद रहे।

## श्रीलंका की महिला वनडे टीम का ऐलान हुए कई बदलाव

**कोलंबो।** श्रीलंका ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला के लिए बुधवार को 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें कई बदलाव किए गए हैं। मार्च में न्यूजीलैंड से 0-2 से श्रृंखला हारने के बाद से श्रीलंका ने अपनी टीम में आठ बदलाव किए हैं। अनुभवी चमारी अटापट्टू टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगी, जबकि तेज गेंदबाज मल्की मदारा को पहली बार वनडे में टीम में शामिल किया गया है। विशमी गुणरत्ने, नीलाक्षी सिल्वा, हासिनी परेरा, पियमी वाथसाला, देवमी विहंगा, इनोका राणावीरा और हंसिमा करुणारत्ने ने भी टीम में वापसी की है। टूर्नामेंट रविवार से शुरू होगा और सभी मैच यहां आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाएंगे। श्रीलंका अपने अभियान की शुरूआत रविवार को भारत के खिलाफ करेगा। फाइनल 11 मई को खेला जाएगा।

**श्रीलंका टीम :**
चमारी अटापट्टू (कप्तान), विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षी सिल्वा, कविशा दिलहारी, अनुष्का संजीवनी, हसीनी परेरा, पियमी वाथसाला, मनुदी नानायक्कारा, देवमी विहंगा, इनोका राणावीरा, इनोशी फर्नांडो, हंसिमा करुणारत्ने, रश्मिका सेववंडी, मल्की मदारा, सुगंधिका कुमारी, अचिनी कुलसुरिया।

# राजस्थान के खिलाफ रिकॉर्ड सुधारने उतरेगा आरसीबी

**एजेंसी**

**बेंगलुरु।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में जब राजस्थान रॉयल्स का सामना करेगा तो उसका लक्ष्य अपने घरेलू मैदान चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने रिकॉर्ड में सुधार करना होगा। चिन्नास्वामी स्टेडियम में अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उन सभी में उसे हार का सामना करना पड़ा है। फ्छइ ने देश के अन्य स्थानों पर अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन अपने घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन के कारण उसको नुकसान हो रहा है। आरसीबी के बल्लेबाज अजीब तरह के दबाव में नजर आ रहे हैं जबकि उसके गेंदबाज भी यहां की पिच से सामंजस्य नहीं बिठा पा रहे हैं। यहां की पिच धीमी है और आरसाबी के बल्लेबाज उस पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। वह इस दुविधा में नजर आते हैं कि संभलकर खेला जाए या फिर आक्रामक रवैया अपनाया जाए। इसका सबूत यहां टीम का स्कोर है। आरसीबी की टीम अभी तक यहां आठ विकेट पर 169 रन, सात विकेट पर 163 रन और नौ विकेट पर 95 रन (14 ओवर में) ही बना पाई है। अन्य स्थानों पर उन्होंने प्रति ओवर 9-10 रन बनाए हैं, लेकिन यहां यह दर गिरकर 7-8 रन प्रति ओवर हो गई है। आरसीबी की बल्लेबाजी के मुख्य आधार विराट कोहली ने अभी तक इस सत्र में 64 की औसत से रन बनाए हैं लेकिन फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल और कप्तान रजत पाटीदार से बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है। फ्छइ के गेंदबाज भी पिच से मदद मिलने के बावजूद उसका फायदा नहीं उठा पाए हैं। आरसीबी को अगर अपने घरेलू मैदान पर हार का सिलसिला तोड़ना है तो उसके गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी के 10 अंक हैं और वह तालिका में तीसरे स्थान पर है लेकिन पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स के भी 10 अंक हैं। मुंबई इंडियंस आठ अंकों के साथ उनसे ज्यादा दूर नहीं है। राजस्थान रॉयल्स की भी अपनी समस्याएं हैं। कप्तान संजू सैमसन चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। उनकी अनुपस्थिति में रियान पराग कप्तानी करेंगे। रॉयल्स के अभी चार अंक हैं और वह अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। राजस्थान के प्रमुख बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, पराग, शिमरोन हेटमायर और नितीश राणा आठ मैचों में छह हार के बावजूद अच्छी फॉर्म में हैं और युवा वैभव सूर्यवंशी द्वारा की गई शुरूआत भी उत्साहजनक है। लेकिन राजस्थान के गेंदबाजों ने अभी तक निराश किया है। वानिंदु हसरंगा (छह मैच में नौ विकेट) ने उसकी तरफ से अभी तक सर्वाधिक विकेट लिए हैं लेकिन श्रीलंकाई स्पिनर ने एक मैच में चार विकेट लिए हैं और बाकी में संघर्ष किया है। जोफ्रा आर्चर (आठ मैच, आठ विकेट), महेश थीक्षाना (आठ मैच, सात विकेट) और संदीप शर्मा (आठ मैच, छह विकेट) भी कुछ ऐसी ही कहानी पेश करते हैं।

# ओल्मो के गोल से बार्सिलोना ने मल्लोर्का को हराया

**एजेंसी**

**बार्सिलोना।** बार्सिलोना ने ला लीगा खिताब की ओर एक और मजबूत कदम बढ़ाते हुए मंगलवार देर रात मल्लोर्का को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ ही शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना ने दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड पर अपनी बढ़त सात अंकों की कर ली है। स्पेन के इंटरनेशनल डानी ओल्मो के गोल ने बार्सिलोना को जीत दिलाई और मौजूदा चैंपियन रियल मैड्रिड पर दबाव बढ़ा दिया। रियल का अगला मुकाबला बुधवार को गेटाफे के खिलाफ है। हांसी फ्लिक की टीम अब संभावित क्वाड्रपल (चार खिताब) की ओर देख रही है।

### स्टार प्लेयर्स को मिला आराम

शनिवार को होने वाले कोपा डेल रे फाइनल से पहले कोच फ्लिक ने कई प्रमुख खिलाड़ियों को आराम दिया। अक्टूबर के बाद पहली बार अंसु फाती को शुरूआत करने का मौका मिला। वहीं हेक्तर फोर्ट को डिफेंस के बाएं ओर और फेरान टोरेस को चोटिल लेवांडोव्स्की की जगह आक्रमण में उतारा गया।

**दूसरे हाफ में ओल्मो ने तोड़ी खामोशी :** दूसरे हाफ की शुरूआत में बार्सिलोना ने पासिंग मूव से खेलते हुए ओल्मो के जरिए बढ़त हासिल की। इसके बाद फाती और यामाल ने बढ़त दोगुनी करने की कोशिश की, लेकिन रोमान की जबरदस्त गोलकीपिंग के आगे बार्सिलोना को एक और गोल नहीं मिल सका।

**अब 'एल क्लासिको' पर टिकी निगाहें**

बार्सिलोना के पास अब लीग में पांच मुकाबले बचे हैं, जिनमें 11 मई को रियल मैड्रिड के खिलाफ एल क्लासिको सबसे अहम होगा। इस मुकाबले से खिताब की तस्वीर और साफ हो सकती है।

## मैनचेस्टर सिटी ने एस्टन विला को 2-1 से हराया

**एजेंसी**

**मैनचेस्टर।** इंग्लिश प्रीमियर लीग में मंगलवार देर रात खेले गए रोमांचक मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी ने मातेउस नून्स के इंजरी टाइम में किये गये गोल की बदौलत एस्टन विला को 2-1 से हराकर चैंपियंस लीग की दौड़ में अपनी उम्मीदों को मजबूती दी। मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था जब मार्कस रैशफोर्ड के पेनल्टी गोल ने पहले हाफ में बर्नार्डो सिल्वा के शुरूआती गोल को बराबर कर दिया था। लेकिन 94वें मिनट में जेरमी डोकू के शानदार क्रॉस पर नून्स ने गोल दागते हुए सिटी को जीत दिला दी।

### अंकतालिका में तीसरे स्थान पर पहुंची सिटी

इस जीत के साथ मैनचेस्टर सिटी ने दो स्थान की छलांग लगाते हुए 61 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। हालांकि, उनके पीछे की तीन टीमें एक-एक मैच कम खेली हैं। वहीं, एस्टन विला 57 अंकों के साथ सातवें स्थान पर कायम है और उसकी एतिहाद स्टेडियम में हार की यह लगातार 15वीं शिकस्त है।

### सिल्वा ने दिलाई शुरूआती बढ़त

मैच के 7वें मिनट में उमर मर्मूश ने विला के राइट बैक मैटी कैश को छकाकर गेंद बर्नार्डो सिल्वा को दी, जिन्होंने गोलकीपर एमिली मार्टिनेज के हाथों को चीरते हुए गेंद को नेट में पहुंचा दिया। विला की वापसी 18वें मिनट में हुई जब वीएआर जांच के बाद सिटी के डिफेंडर रूबेन डायस को जैकब रैम्से को पीछे से टक्कर मारने का दोषी पाया गया।

इस पर मिली पेनल्टी को मार्कस रैशफोर्ड ने बड़ी सहजता से गोल में बदलते हुए स्कोर 1-1 कर दिया।

## बीसीसीआइ ने की पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा

**मुंबई।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की बुधवार को निंदा की। बीसीसीआइ के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने आज यहां जारी एक बयान में इस तरह के कायराना आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए पीड़ितों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

## पीसीबी ने दो वर्षों में सातवें कोच के लिए जारी किया विज्ञापन

**लाहौर।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पिछले दो वर्षों में राष्ट्रीय टीम के लिए प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में छह मुख्य कोचों का परीक्षण करने के बाद सातवें कोच के लिए विज्ञापन जारी किया हैं। पीसीबी ने राष्ट्रीय मुख्य कोच के अलावा इस सप्ताह अपनी वेबसाइट पर निदेशक पद के लिए भी विज्ञापन जारी किया है। पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान ने शीर्ष स्तर के अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बहुत बेकार प्रदर्शन किया है।

# दुमका : वक्फ कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरे अल्पसंख्यक समाज, किया विरोध प्रदर्शन

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**दुमका।** वक्फ संशोधन कानून के विरोध में अल्पसंख्यक समाज के लोग सड़कों पर उतर कर विरोध प्रदर्शन किया। अल्पसंख्यक समाज में लोग बुधवार को आउटडोर स्टेडियम में एकत्रित हुए। जहां से रैली निकाली गई। रैली शहर के विभिन्न चौक चौराहों से होते हुए पुराना समाहरणालय परिसर पहुंच सभा में तब्दील हो गई। मुस्लिम कल्याण समिति के अध्यक्ष अब्दुस सलाम ने संशोधन बिल को काला कानून बताते हुए कहा कि यह अल्पसंख्यक समाज को कमजोर करने की साजिश है। उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कहा कि जब से मोदी सरकार केंद्र में आई है। मुस्लिम समुदाय को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। चाहे वह तीन तलाक का मामला हो या फिर अभी वक्फ संशोधन कानून, उनका उद्देश्य हमें नीचा दिखाना है। पूर्वजों की दान की हुई संपत्ति पर समाज कई तरह का निर्माण कराता है। इसमें दूसरे का कोई हक नहीं है। दूसरे को हक देने के लिए केंद्र सरकार ने कानून लाया है। उन्होंने केंद्र सरकार पर दोयम दर्जे का व्यवहार करने का आरोप लगाया है।

### सीएम से मांग, झारखंड में लागू न करें वक्फ संशोधन कानून : सांसद नलिन सोरेन

विरोध प्रदर्शन में शामिल झामुमो से दुमका सांसद नलिन सोरेन ने कहा कि इस देश को आजाद करने में सभी जाति-धर्म के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके बावजूद केंद्र सरकार अपनी मनमानी कर रही है। सांसद ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन से यह मांग करते हैं कि वे इस राज्य में लागू नहीं करें। विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम को कांग्रेस पार्टी का भी समर्थन मिला।

# सीसीएल जारंगडीह कोलियरी अस्पताल खुद है बीमार, नर्स व बुनियादी सुविधाओ का घोर अभाव

### महाप्रबंधक से अस्पताल में बेहतर व्यवस्था की मांग

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**बेरमो।** सीसीएल कथारा क्षेत्र का जारंगडीह कोलियरी अस्पताल अब एक ऐसा अस्पताल बन गया है जंहा एक भी नर्स नहीं है और अस्पताल महज शोभा की वस्तु बना हुआ है। दुसरे शब्दों में कहें तो जारंगडीह अस्पताल आज खुद बीमार अवस्था में पड़ा हुआ है। यह हम नहीं बल्कि अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्था का घोर अभाव की स्थिति बंया कर रही है त्यह अस्पताल बीते एक दशक पूर्व वरदान साबित हुआ करती थी जो अब मात्र शोभा की वस्तु बना हुआ। फिलहाल अस्पताल में एक मात्र डाक्टर पदस्थापित है जो हड्डी स्पेशलिस्ट है जबकि यंहा जेनरल फिजिशियन की मांग वर्षो से विभिन्न श्रमिक ट्रेड यूनियन के नेताओं द्वारा समय समय पर उठाया जाता रहा है। जबकि अस्पताल की मौजूदा स्थिति यह है कि यंहा एक भी नर्स नहीं है। नर्स के अभाव में इंजेक्शन के लिए भी लोगों को कथारा क्षेत्रीय अस्पताल ही जाना एक मात्र विकल्प है। ऐसी विकट परिस्थितियों को देख बेरमो विधायक के निर्देश पर बेरमो विधायक प्रतिनिधि सह राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के कथारा क्षेत्रीय सुचिव ने उक्त ज्वलंत समस्याओं को सीसीएल कथारा क्षेत्र के महाप्रबंधक संजय कुमार के समक्ष रखा और अस्पताल में बेहतर चिकित्सा व्यवस्था की मांग किया। ताकि जारंगडीह परियोजना के ईद गिर्द बसे लोगों स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवाओं के लिए इधर-उधर भटकना ना पड़े। वंही स्थानीय ग्रामीणों में सीसीएल कर्मी अनंत कुमार व दीपमाला देवी ने भी कथारा महाप्रबंधक से उम्मीद लगा रखी है कि उनके पहल से अब जारंगडीह वासियों को फिर एक बार स्वास्थ्य सम्बन्धी बेहतर सुविधाएं जारंगडीह अस्पताल में उपलब्ध होगी।

## एक नजर में

### बाल संरक्षण समिति एवं बच्चों को क्षमतावर्धन बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

गोड्डा। बोआरीजोर प्रखंड के सभागार भवन में बाल संरक्षण समिति एवं बच्चों को क्षमतावर्धन बनाने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गयी, जिसकी अध्यक्षता प्रमुख जशीनता हेंब्रम ने किया। वहीं कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान प्रमुख ने बताया कि साथी संस्था के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। क्षेत्र से पलायन रोकना एवं बच्चों में क्षमता वर्धन बढ़ाने के लिए सभी को मिलजुल कर कार्य करना होगा, यह अत्यंत सुंदर प्रखंड है और यहां के लोगों को जागरूक करना आवश्यक है। ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति का गठन हुआ है, इसे सक्रिय करना आवश्यक है। स्कूल में प्रार्थना के बाद बच्चों को उनके अधिकार एवं दायित्व के बारे में जानकारी देनी चाहिए। बाल संरक्षण समिति की बैठक प्रत्येक तीन महीने में प्रखंड कार्यालय में होना चाहिए। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी मिथिलेश कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र से लोग पलायन करते है, इसे रोकना आवश्यक है। जितने भी व्यक्ति पलायन करते हैं, उसका पंजीकरण होना आवश्यक है। इससे पलायन व्यक्ति को सरकारी लाभ दिलाने में मदद मिलेगी। मजदूर को श्रम कार्ड बनाना आवश्यक है ताकि भविष्य में कोई भी घटना होती है तो सरकारी मुआवजा राशि देने में आसानी होगी। वहीं बताया गया कि अनैतिक कार्यों बाल तस्करी, बाल अपराध, बाल यौन शोषण, बाल विवाह रोकने के लिए गांव में जागरूकता आवश्यक है। वहीं मुखिया मनोज मरांडी ने कहा कि पहाड़िया गांव में पलायन, बाल तस्करी अत्यधिक होती है। पहाड़िया ग्रामीण को जागरूक करना अति आवश्यक है। वहीं कार्यक्रम में मंच का संचालन पिंकी बास्की ने किया। कार्यक्रम के दौरान मौके पर बीपीओ रमेश कुमार, सीधीएस किशोर झा, लॉस मुर्मू, गौरव पाल, चंद्र महादेव, नीरज, तुखी, मीनू आदि उपस्थित थे।

### गोड्डा पुलिस ने व्यापारियों के बीच चलाया जागरूकता अभियान

गोड्डा। नगर क्षेत्र में बुधवार को गोड्डा पुलिस ने व्यापारीयों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। उक्त कार्यक्रम सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अशोक प्रियदर्शी के नेतृत्व में किया गया जहां चैंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यगण मौजूद थे। इस दौरान गोड्डा पुलिस और चैंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यगण द्वारा दुकानदारों को साइबर अपराध से जुड़ी जानकारी दी गई। साथ ही नो हेलमेट नो पेट्रोल के तर्ज पर भी लोगों को जागरूक किया गया। वहीं मौके पर सदर एसडीपीओ ने दुकानदारों को साइबर क्राइम से जुड़ी जानकारी दी साथ ही सभी दुकानों के आगे पोस्टर भी चिपकाया गया। वहीं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने दुकानदारों को जागरूक करते हुए कहा कि अगर आपके साथ किसी भी तरह की साइबर फ्रॉड या धोखाधड़ी होती है, तो इसकी शिकायत भारत सरकार द्वारा जारी शिकायत नंबर 130 पर अवश्य रूप से शिकायत करें। उन्होंने लोगों से नेट पर कस्टमर केयर नंबर पर संपर्क न करने की सलाह दी। साइबर फ्रॉड पर कभी विश्वास न करें तथा किसी भी प्रकार का साइबर प्रलोभन में फंसने पर आपके एकाउंट को हैक कर लिया जाता है। इसलिए साइबर प्रलोभन में कभी न फंसे। किसी भी अनजान नंबर या किसी भी व्यक्ति को अपनी निजी खाता संबंधित ओटीपी, फोन ओटीपी इत्यादि जानकारी शेयर न करें। इस मौके पर नगर थाना प्रभारी दिनेश महली सहित चैंबर ऑफ कॉमर्स के कई सदस्यगण मौजूद रहे।

### ढ़ोरी मे कोयला खान भविष्य निधि त्रिपक्षीय समन्वय समिति की बैठक सह पेंशन अदालत का आयोजन

बेरमो। कोयला खान भविष्य निधि त्रिपक्षीय समन्वय समिति की बैठक सह पेंशन अदालत का आयोजन बुधवार को ढोरी जीएम कॉलोनी स्थित सीसीएल के ऑफिसर्स क्लब में हुआ। इसका उद्देश्य सीसीएल ढ़ोरी प्रक्षेत्र से संबंधित सीएमपीएफ और पेंशन संबंधित मामलों का ऑन-दि-स्पॉट का निपटारा करना था। इसमें मुख्य रूप से सीसीएल ढोरी के महाप्रबंधक रंजय सिंहा, सीएमपीएफ केअसिस्टेंट कमीशनर राजेश कुमार, जीएम पेंशन आरआर शर्मा, चीफ मैनेजर एसके चौबे, मैनेजर मो शफीक, सेक्शन अफिसर ज्ञान रंजन, सोशल सिक्योरिटी असिस्टेंट मो कमरुल हुसैन, विवेक वर्मा आदि उपस्थित थे। यहां बैठक को संबोधित करते हुए जेसीसी सदस्य रविंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि पेंशन व सीएमपीएफ को लेकर कई लोग परेशान हैं। कागजातों में जरा सी त्रुटी होने पर मामला उलझ कर रह जाता है, जबकि इसे विभाग चंद मिनटों में दुरूस्त कर सकता है। जमसं ढ़ोरी क्षेत्रीय सचिव विकास कुमार सिंह ने कहा कि इसी उदेश्य से यहां पेंशन अदालत लगाई गई है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों की समस्याओं का ऑन-दि-स्पॉट निराकरण हो सके। आगे अदालत में सीएमपीएफ और पेंशन से जुडे कुल 30 मामले आए, इनमें से 20 मामलों का निष्पादन ऑन-द-स्पॉट हुआ। पेंशन अदालत में यूनियन नेता घीरज पाण्डेय, विनय कुमार सिंह, जवाहरलाल यादव, कुंज बिहारी प्रसाद, रविंद्र साहनी आदि उपस्थित थे। इसे सफल बनाने में पेंशन विभाग के मैनेजर विवेक कुमार, एसओपी माला कुमारी, कार्मिक प्रबंधक सुरेश सिंह, अभिषेक सिंहा, मो तौकीर आलम, सीएसआर अधिकारी शैलेश कुमार, सहायक कार्मिक प्रबंधक शालिनी यादव, आस्था मैडम, प्रशांत, रणवीर सिंह, अरूण आदि ने योगदान दिया।

### आंतरिक संसाधनों से हॉट स्ट्रिप मिल के क्रेन संख्या 17 का नवीनीकरण

बोकारो। बीएसएल के हॉट स्ट्रिप मिल के नवीनीकृत क्रेन संख्या 17 का उद्घाटन अधिशासी निदेशक संकार्य सीआर महापात्रा द्वारा मुख्य महाप्रबंधक मैकेनिकल प्रकाश कुमार तिवारी एवं हॉट स्ट्रिप मिल के मुख्य महाप्रबंधक विपिन कुमार सिंह के साथ वरीय अधिकारियों एवं कर्मचारीगण की उपस्थिति में किया गया। सीजीएम हॉट स्ट्रिप मिल विपिन कुमार सिंह के नेतृत्व यांत्रिकी अनुभाग के जीएम प्रभारी एसएन भगत के दिशा निर्देशन में क्रेन 17 के 110 टन क्षमता वाले पुराने एवं क्षतिग्रस्त टोंग का जीर्णोद्धार किया गया। क्रेन 17 के क्षतिग्रस्त टोंग की मरम्मत एवं नवीनीकरण की जिम्मेदारी एससी महापात्रा के नेतृत्व में एजीएम एस के रॉय वरीय प्रबंधक एसएस यादव और क्रेन अनुभाग के कर्मियों ने उठाई जिसे उन्होंने रिकॉर्ड समय में पूरा किया। इस चुनौतीपूर्ण कार्य को पूर्ण करने में हॉट स्ट्रिप मिल के जीएम एसके सेन ने न केवल कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया बल्कि तकनीकी सलाह भी प्रदान की। सामान्य अनुरक्षण विभाग के जीएम एनके बेहरा तथा राजेश यादव की टीम के द्वारा मात्र 16 घंटे में इसे स्थापित कर एक नया कीर्तिमान बनाया गया है। ईडी संकार्य श्री महापात्रा ने इस कार्य से सम्बंधित सभी विभागों तथा कार्मिकों के प्रयास की सराहना की और भविष्य में भी इस प्रकार के अभिनव पहल करने की अपील की।

### समाहरणालय परिसर में रेडक्रास द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

बोकारो। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी बोकारो के तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ समाहरणालय परिसर में डीपीएलआर निदेशक मेनका ने फिता काटकर किया। मौके पर डीटीओ वंदना शेजवलकर डीसीएलआर चास प्रभाष दत्ता जिला सहकारिता पदाधिकारी श्वेता गुड़िया एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह रेड क्रॉस के चिकित्सक व टीम के सदस्य आदि उपस्थित थे। शिविर में कई अधिकारियों व कर्मियों ने रक्तदान किया। मौके पर डीपीएलआर निदेशक ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदान कर हम एक- दूसरे की जान बचाते है। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से जहां दूसरे की मदद होती है वहीं खुद के स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। रक्तदान करने से शरीर में रक्त की कमी नहीं होती हैं। स्वस्थ मनुष्य को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने आम जनों से भी आयोजित शिविर में शामिल होकर रक्तदान करने का अपील किया। मौके पर जिला सहकारिता पदाधिकारी श्वेता गुड़िया ने बताया कि उपायुक्त के निर्देशानुसार अप्रैल- मई- जून व जुलाई माह तक अंतराल वार अलग- अलग स्थानों पर रेड क्रॉस द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। उक्त रक्तदान शिविर में कुल 30 यूनिट रक्तदान किया गया।

## स्पीड न्यूज

### जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने करवाई श्मशान घाट की सफाई

बोकारो। बोकारो के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार अनिल कुमार मिश्रा के निर्देशानुसार डालसा के कर्मचारी व पीएलवी एवं नगर निगम चास के सहयोग से गरगा स्थित श्मशान घाट की साफ-सफाई की गई। यह अपने आप में एक अनोखी पहल थी क्योंकि आमतौर पर श्मशान घाट जैसे स्थल उपेक्षित ही रहते हैं और ऐसे स्थलों के आसपास प्रायः गंदगी का अंबार लगा रहता है। उक्त जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो के सचिव अनुज कुमार ने दी।

### मोतिया थाना प्रभारी ने यातायात नियमों का पालन करने का मंत्र बच्चों को दिया

गोड्डा। मोतिया ओपी अंतर्गत शेफाली आई टी आई कॉलेज सिकटिया में छात्र व छात्राओं के बिच यातायात नियमो के पालन करने हेतु बुधवार को जागरूकता अभियान चलाकर बच्चों को हेलमेट पहनने तथा यातायात नियमो का पालन करने हेतु शपथ दिलाया गया। इस अवसर पर मोतिया ओपी थाना प्रभारी महावीर पंडित ने युवाओं को संबोधित करते हुए यातायात संबंधी नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि खुद की सुरक्षा के साथ राह पर चलने वाले राहगीरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें और ट्रैफिक नियमों का पालन करें।

### एसवीएम 3सी में वीर कुंवर सिंह को याद किया गया

बोकारो। सरस्वती विद्या मंदिर 3सी में वीर कुंवर सिंह की जयंती मनायी गयी। कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानाचार्य द्वारा वीर कुंवर सिंह की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन कर की गयी। प्रधानाचार्य संजीव कुमार जी ने कहा कि वीर कुंवर सिंह एक कुशल योद्धा तथा कुशल राजनीतिज्ञ थे। कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में वीर कुंवर सिंह का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान था। युद्ध कला में पूरी तरह कुशल थे-विशेष कर छापामार युद्ध करने में उन्हें महारथ हासिल थी। उन्होंने छात्र छात्राओं को बताया कि बाबू वीर कुंवर सिंह ने ब्रिटिश हुकूमत के साथ लोहा तो लिया ही, उसके बावजूद अनेक सामाजिक कार्य भी किये थे। इस अवसर पर विद्यालय के भैया बहनों ने वीर कुंवर सिंह की जीवनी पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। जीवन में सफलता प्राप्त करने और अग्रसर होने के लिए संबोधन के क्रम में भैया बहनों को महापुरुषों की जयंती मनाने का निर्देश दिया गया। साथ ही प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

### चिन्मय के सौरभ राजेंदु को यूपीएससी में मिला 199 वां रैंक

बोकारो। यूपीएससी परीक्षा में चिन्मय विद्यालय के छात्र सौरभ राजेंदु को 199 रैंक (सामान्य वर्ग) श्रेणी में मिला है। सौरभ विनम्र आध्यात्मिक व प्रतिभा के धनी छात्र रहे हैं। सौरभ नर्सरी से ही चिन्मय विद्यालय के नियमित छात्र रहे हैं। 2018 में उन्होंने आईआईटी बीएचयु से कंप्यूटर साइंस में अपनी इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद लगातार 2 वर्ष तक डीवीशॉ में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर इंजीनियर की नौकरी की।

# नक्सली सरेंडर करे, अन्यथा मारे जायेंगे: डीजीपी

अनुराग गुप्ता ने कहा, परंतु समझाने के बाद भी नहीं मानेंगे तो उनका भी वही हस्र होगा जो 21 अप्रैल को 8 नक्सलियों का हुआ है

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**बेरमो/ललपनिया।** टीटीपीएस ललपनिया शयमली गेस्ट हाउस में झारखंड राज्य के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बोकारो जिला में उन्मूलन डाकाबेड़ा के सफल संचालन के उपलक्ष्य में बुधवार को एक सम्मान समारोह आयोजित कर कई पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया। डीजीपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि नक्सली सीधे सरेंडर करे, अब उनके पास वार्ता की कोई जगह नहीं है। अन्यथा मारे जाएंगे। उन्होंने बीते 21 अप्रैल को ऑपरेशन डाका बेडा के तहत आठ नक्सलियों को मार कर गिराने वाले जांबाज कोबरा बटालियन, झारखंड जगुआर और जिला पुलिस जवानों को बधाई दी, जिन्होंने करोड़ों रुपये की इनामी नक्सलियों का सफाया किया है। इन नक्सलियों पर कई थाना में मामला दर्ज है। उन्होंने कहा कि जो बचे हुए नक्सली हैं, उन्हें मैं कहना और हिदायत देना चाहता हूं कि राज्य का जो सरेंडर पॉलिसी है, उसे अपनाते हुए शांति के मार्ग पर लौट आये, अन्यथा मारे जाएंगे। सरकार की अच्छी एवं सूंदर पॉलिसी है। जो सरेंडर करेंगे उसे ओपन जेल में रखेंगे। उन्हें पैसा देंगे और उनके बच्चों को पढ़ाई लिखाई कराएंगे। उनकी कानूनी लड़ाई लड़ने में मदद भी करेंगे। परंतु समझाने के बाद भी नहीं मानेंगे तो उनका भी वही हस्र होगा जो 21 अप्रैल को 8 नक्सलियों का हुआ है। जो भी हिंसा के रास्ते पर हैं वे जल्दी लौट मुख्य धारा में आवे नहीं तो उनके लिए कोई जगह नहीं है। आज हमारे पास जो इंटेलिजेंस है, वह इतनी मजबूत है कि हमे सब कुछ पता है कि उनके लिए कौन खाना बनाता और लाता है, कौन दवाई लाता है, उसकी पूरी जानकारी है। कौन उसका दोस्त है, वह भी पता है। नक्सली कहां रहते हैं, क्या खाते हैं, क्या प्लानिंग करते है, कहां सोते हैं सभी बातो की जानकारी हमे है। इसलिए उनके लिए चेतावनी है कि गोली खाने से अच्छा है कि, वे सरकार की शांति व सरेंडर पॉलिसी अपनाए और उसका फायदा उठाकर मुख्य धारा में लौट आएं। उन्होंने कहा कि नक्सलियों का सबसे बड़ा दुश्मन जो झारखंड और कोबरा पुलिस है, वो काफी मजबूत है। कहा नक्सलियों के सामने एक पहाड़ के समान है। उनसे टकराना नक्सलियों के बस की बात नहीं है। इसलिए बेहतर है कि जान बचाने के लिए सरकार के समक्ष सरेंडर करे, अन्यथा सभी मारे जाएंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मुठ भेड़ के समय एक दो नक्सली की गिरफ्तारी भी हुई है, उनसे पूछताछ चल रही है। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक साकेत कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अभियान) संजय आनन्द लाटकर, पुलिस महानिरीक्षक, उत्तरी छोटानागपुर-एस माइकल राज, पुलिस उपमहानिरीक्षक-सुरेंद्र कुमार झा, बोकारो पुलिस कप्तान मनोज स्वर्गियारी, बेरमो एसडीओ मुकेश मछुआ, बेरमो एसडीपीओ वशिष्ठ नारायण सिंह, इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार, गोमिया बीडीओ महादेव महतो, सीओ आफताब आलम, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ कोबरा बटालियन सहित गोमिया थाना प्रभारी नित्यानंद भोक्ता, थाना ललपनिया प्रभारी शशि शेखर, महुआटांड़ थाना प्रभारी रंजीत यादव जागेश्वर बिहार थाना प्रभारी कांति बिलश अभिनाश पेटरबार थाना प्रभारी राजु मुंडा पेंक नारायणपुर थाना प्रभारी अनिल कुमार लिंडा सहित कई थाना के पुलिस पदाधिकारी व जवान उपस्थित थे।

## राष्ट्रीय सम्मेलन में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे एसकेएमयू के डॉ धन्नजय मिश्रा

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**दुमका।** भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में राज्य के चार उत्कृष्ट कार्य करने वाले का चयन हुआ। दो दिवसीय सम्मेलन 25 एवं 26 अप्रैल को आयोजित है। सम्मेलन में राज्य से चार उत्कृष्ट कार्य करने वाले नोडल अधिकारी, कोर्डिनेटर और कार्यक्रम पदाधिकारी का चयन हुआ है। जिसमें सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के एनएसएस कोर्डिनेटर डॉ धनंजय कुमार मिश्र का चयन समन्वयक श्रेणी में हुआ है। नोडल अधिकारी के रुप में रांची एवं कार्यक्रम पदाधिकारी के रूप में धनबाद और जमशेदपुर से चयन है। राष्ट्रीय सेवा योजना के गत वर्ष की गतिविधियों का प्रस्तुतीकरण और आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए सभी राज्यों से प्रतिनिधि दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में उपस्थित होंगे। संबंधित पत्र एसकेएमयू प्रशासन को प्राप्त हुआ है। एनएसएस प्रकोष्ठ एसकेएमयू के द्वारा सतत सफलतापूर्वक सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, रक्त दान शिविर, युवा संसद कार्यक्रम, पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण, दिपावली स्वच्छता अभियान, संविधान दिवस यात्रा, योग दिवस कार्यक्रम, विशेष शिविर, राष्ट्रीय एकता दिवस, एनएसएस डे आदि आयोजित करना राष्ट्रीय सम्मेलन में चयन का आधार रहा। इस अवसर पर एसकेएमयू के कुलपति प्रो बिमल प्रसाद सिंह के सहयोग राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ को प्राप्त होता रहा है। संप्रति विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र के छह जिलों में 54 इकाई कार्यरत है। इस सम्मेलन के बाद और भी गुणवत्ता पूर्ण सुधार की सम्भावना है।

## बेरमो : सीसीएल कर्मी की मौत के बाद फर्जी तरीके से दूसरी महिला पत्नी बन निकाली एलआइसी की राशि

मृतक सीसीएल कर्मी की पत्नी आज भी राशि के लिए दर दर भटकने को मजबूर

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**बेरमो।** इन दिनों एक ऐसा मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है जिस पर विश्वास करना काफी कठिन है मगर मामला की सत्यता को उस समय बल मिला जब पीड़िता स्वंय मिडिया के सामने आकर अपनी आपबीती सुनाई। पीड़िता शिला देवी के अनुसार उनका पति दिलिप कुमार कारो परियोजना के भूमिगत खदान में कोलकटर था जिनका देहांत 14 सितंबर 2015 मे हो गई। जबकि ये लोग मुलतः गिरिडीह के बनियाडीह एकदोनी का निवासी है जहां आज भी महिला अपने बच्चों के साथ रहती हैं जबकि पति यहीं रहकर कार्य करता था। महिला के अनुसार पति के निधन के बाद जब वह अपने देवर टिंकू महली के साथ फुसरो स्थित एलआईसी आफिस अपने पति के एलआईसी की राशि का क्लेम करने पहुची तो वहां एक महिला जिसका नाम सावित्री देवी फर्जी कागजातों के दमपर राशि निकासी का आवेदन दे रखी थी। पीड़ित महिला का दावा है कि वह ही मृतक सीसीएल कर्मी दिलिप कुमार की पत्नी है और उपरोक्त महिला खुद को शिला देवी और मृतक की पत्नी बता एलआईसी क्लेम कि थी जबकि उसके आधार कार्ड मे स्पष्ट है कि उसका नाम सावित्री देवी है और उसके पति का नाम विजय मरिक है। महिला के अनुसार एलआईसी आफिस से उसे कहा गया कि आप न्यायालय जाये और वहां से सकशेसन सर्टिफिकेट लेकर आये उसके बाद ही आपका पेमेंट हो पायेगा। महिला के अनुसार वे न्यायालय के शरण में पहुची जहां उसने सकशेसन सर्टिफिकेट के लिए आवेदन किया। मगर जब तक न्यायालय से मुझे सकशेसन सर्टिफिकेट मिला उससे पहले 2023 मे ही एलआईसी द्वारा सावित्री देवी को शिला देवी बताकर मृतक दिलिप कुमार की एलआईसी की 6 लाख 80 हजार का भुगतान कर दिया और जब मै न्यायालय का आदेश लेकर एलआईसी कार्यालय पहुची तो भुगतान हो जाने की बात कह बैरंग लौटा दिया गया।

महिला शिला देवी के अनुसार उनके पति के एलआईसी एजेंट का नाम दिनेश ठाकुर है जिनके द्वारा ही उनके पति का लाइफ इंश्योरेंस किया गया था। उनके अनुसार इस मामले में उन्होंने ने एजेंट से भी मदद मांगी मगर कुछ नहीं हुआ। पीड़ित महिला ने फर्जी तरीके से राशि की निकासी में एजेंट की संलिप्त पर भी सवाल उठाया है। वहीं एलआईसी एजेंट दिनेश ठाकुर के मोबाइल नंबर 790338976 पर दो बार फोन किया गया मगर उन्होंने फोन नही उठाया जिस कारण उनका पक्ष नही लिया जा सका। अब सवाल उठता है कि पीडित महिला को न्याय कैसे मिलेगा।

## गोड्डा : श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ को लेकर निकाली गयी कलश शोभा यात्रा, विधि-विधान से शुरू हुई पूजा-अर्चना

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**गोड्डा।** ठाकुरगंगटी प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत पंजराडीह पंचायत के पंजराडीह गांव से मां काली मंदिर परिसर से श्रीश्री 108 श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ के आयोजन को लेकर ढोल-नगाड़े, हाथी-घोड़े व गाजे-बाजे के साथ भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गयी। उक्त यात्रा मां काली मंदिर परिसर का परिक्रमा करते हुए नावाडीह, जतरा मोड़, रतनचक, दालंग, मुकेरिचक होते हुए बनियाडीह नदी पहुंची। जहां यजमान विनय यादव व उनकी धर्मपत्नी बुल्लू कुमारी द्वारा पूरे विधि-विधान के साथ संकल्प कर कलश में जल भरा गया और पुनः यात्रा नदी परिसर से सड़क मार्च होते हुए बनियाडीह गांव पहुंचकर मां दुर्गा मंदिर परिसर का परिक्रमा कर कथा मंडली लाया गया। कलश यात्रा में 1501 कन्याओं व महिलाओं ने भाग लिया। जगह-जगह यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को शरबत-पानी की समुचित व्यवस्था उपलब्ध करायी जा रही थी। यात्रा में शामिल श्रद्धालु जय श्रीराम के जयकारे लगा रहे थे। इस दौरान नवयुवक संघ के अध्यक्ष कुणाल सिंह, हृदय नारायण, रेणु देवी, बुलो देवी, गुड़िया देवी, अशोक यादव, सुग्रीम यादव, डोली देवी, मनोज यादव, राकेश कुमार, पप्पू यादव, सुमन कुमार, चुनचुन यादव, मिथिलेश कुमार सहित गणमान्य लोग मौजूद थे। शाम के छह बजे से इसी परिसर में शांति कुटिया प्रमोद वन अयोध्या से पधारे सुप्रसिद्ध कथावाचक धनंजय वैष्णो जी महाराज के अमृतवाणी से श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा का रसपान कराया जाएगा, जो एक सप्ताह तक चलेगा। इधर कलश यात्रा को सफल बनाने को लेकर थाना प्रभारी पंकज कुमार सिंह द्वारा विधि-व्यवस्था कायम रखने हेतु बलों की तैनाती थी।

## बोकारो स्टील प्लांट के यूटिलिटीज विभाग में सुझाव मेला का आयोजन

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**बोकारो।** बोकारो स्टील प्लांट के यूटिलिटीज विभाग तथा औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सुझाव मेला का उद्घाटन सीजीएम यूटिलिटीज संजीव रंजन सिंह के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों को संगठनात्मक सुधार हेतु नवीन विचारों और रचनात्मक सुझावों के लिए प्रेरित करना था। औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग के जीएम हिमांशु गुप्ता एवं वरीय प्रबंधक प्रीति प्रिया ने सुझाव मेला में समन्वयक की भूमिका निभाई। सुझाव मेला में कुल 200 से ज्यादा सुझाव प्राप्त हुए जिनमें से 20 सुझावों को व्यावहारिकता और प्रभाव के आधार पर चयनित किया गया। श्रेष्ठ सुझाव देने वाले कर्मचारियों को प्रमाण पत्र और सम्मान स्वरूप उपहार प्रदान किए गए। सीजीएम संजीव रंजन सिंह ने सुझाव मेला आयोजन के महत्व को रेखांकित करते हुए प्लांट की समृद्धि के लिए कर्मचारियों को सुझाव मेला में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने और रचनात्मक सुझाव देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संयंत्र की बेहतरी के लिए प्रत्येक कार्मिक का रचनात्मक सुझाव जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन अमन कुमार मिश्रा द्वारा किया गया।

# दुनिया के शीर्ष नेताओं ने की आतंकी हमले की निंदा

## स्पीड न्यूज

### विहिप का राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन कल

**नयी दिल्ली।** विश्व हिंदू परिषद ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के खिलाफ शुक्रवार को देशव्यापी प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। विहिप की ओर से बुधवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार वीएचपी के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेंद्र जैन ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए भीषण आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा है कि अब समय आ गया है कि पाकिस्तान तथा उसके कश्मीरी स्लीपर सेल के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाए, ताकि घाटी में पुन: सिर उठाने का दुस्साहस करने वाले आतंकवाद को समाप्त किया जा सके।

### पहलगाम में हमले के बाद यूपी में हाई अलर्ट

**लखनऊ।** जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट जारी किया गया है। पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए हाई अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि प्रदेश के सभी संवेदनशील जिलों, अन्य राज्यों के सीमावर्ती जिलों में आतंकी व अन्य संगठनों की गतिविधियों पर पैनी निगाह रखी जाये।

### कांग्रेस ने आज बुलाई सीडब्ल्यूसी की बैठक

**नयी दिल्ली।** कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर के पहलगांव में आतंकवादी हमले के मद्देनजर पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की गुरुवार को बैठक बुलाई है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले के मद्देनजर गुरुवार को प्रात: 11 बजे 24, अकबर रोड पर कांग्रेस कार्यसमिति की आपातकालीन बैठक होगी।

### पठानकोट में भी बढ़ायी गयी सुरक्षा

**पठानकोट।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इलाके की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। हमले के बाद बॉर्डर स्टेट पंजाब ने भी अपनी सुरक्षा बढ़ा दी है। पठानकोट एसएसपी दलजिंदर सिंह ढिल्लों ने बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए पुलिस की गश्त बढ़ाने की बात कही। पंजाब में सभी इंटर स्टेट नाके पर चेकिंग बढ़ा दी गई है। जम्मू से आने वाली सभी गाड़ियों की चेकिंग की जा रही है। भारत-पाक सीमा से सटे बामियाल सेक्टर, जिसके साथ जम्मू के कई अंदरूनी रास्ते भी लगते है। वहां पर पठानकोट पुलिस की ओर से सभी अंदरूनी रास्तों पर बीती रात से ही गश्त बढ़ा दी गई है।

### अमेरिका टैरिफ पर चीन के साथ समझौता करेगा : ट्रंप

**वाशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वाशिंगटन और बीजिंग टैरिफ समझौता करेंगे। ट्रंप ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मेरे संबंध बहुत अच्छे हैं... यह लंबे समय से बहुत अच्छे रहे हैं। हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध रहे हैं। और मुझे लगता है कि हम चीन के साथ समझौता करेंगे। अगर हम समझौता नहीं करते हैं, तो हम इसे तय करेंगे। बस संख्या तय करेंगे।

### अमेरिकी उप राष्ट्रपति ने किया ताजमहल का दीदार

**आगरा।** अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस बुधवार की सुबह परिवार संग ताजमहल का दीदार करने पहुंचे। ताजमहल परिसर में पहुंचकर वेंस ताज की खूबसूरती पर मंत्रमुग्ध नजर आए। पत्नी और बच्चों के साथ इस दौरान उन्होंने फोटो खिंचाए और गाइड से इतिहास की जानकारी ली। उप राष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर खेरिया एयरपोर्ट से लेकर ताजमहल तक के मार्ग पर यातायात रोक दिया गया था। उपराष्ट्रपति का काफिला जब एयरपोर्ट से निकला तो बच्चों ने भारत और अमेरिका के झंडे दिखाकर अभिवादन किया।वेंस और परिवार को देखने के लिए सड़कों के दोनों ओर लोग जुटे।

---

एजेंसी

**नयी दिल्ली।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले की दुनिया भर के शीर्ष नेताओं ने निंदा करते हुए भारत के साथ एकजुटता की प्रतिबद्धता दोहराई है। इस समय अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस परिवार के साथ भारत की यात्रा पर हैं। उन्होंने पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। वेंस ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि ऊषा और मैं भारत के पहलगाम में हुए भयानक आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। पिछले कुछ दिनों में हम इस देश और यहां के लोगों की खूबसूरती से अभिभूत हो गए हैं। इस भयानक हमले में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि आतंक की इस लड़ाई में अमेरिका भारत के साथ खड़ा है। हम मृतकों की आत्मा की शांति और घायलों के स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी और भारत के लोगों को हमारा पूर्ण समर्थन है और गहरी सहानुभूति है। इसके अलावा ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर भी बात की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर पीड़ितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई। ट्रंप ने इस जघन्य हमले के दोषियों को इंसाफ के कटघरे में लाने के लिए भारत के प्रति पूरा समर्थन व्यक्त किया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे बर्बर हमला बताया है और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े रहने की बात कही है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मेरे दोस्त नरेन्द्र मोदी, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बर्बर आतंकी हमले से मैं गहरे तौर पर दुखी हूं, जिसमें दर्जनों निर्दोष लोग मारे गए और घायल हुए हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थना पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में इजराइल भारत के साथ खड़ा है। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इसे घृणित आतंकवादी हमला बताया और कहा कि भारत की इच्छा शक्ति अटूट है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि पहलगाम में घृणित आतंकवादी हमले ने कई निर्दोष जानें ले लीं। नरेन्द्र मोदी और शोक मना रहे हर भारतीयों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मुझे पता है कि भारत की इच्छा शक्ति अटूट है। आप इस मुश्किल घड़ी में मजबूती के खड़े रहेंगे और यूरोप आपके साथ खड़ा है। जर्मनी के विदेश मंत्रालय ने इस हमले को बर्बर बताते हुए इसकी निंदा की है। एक्स पर लिखे संदेश में मंत्रालय ने कहा है कि इस मुश्किल घड़ी में जर्मनी भारत के साथ खड़ा है। पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टार्मर ने एक्स पर लिखा कि कश्मीर में हुआ भयानक आतंकवादी हमला बेहद भयावह है। मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों, उनके प्रियजनों और भारत के लोगों के साथ हैं। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर इसे 'आतंकवादी हमला' बताया और इसकी कड़ी निंदा की। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने भयानक हमले की कड़ी निंदा करते हुए पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना जताई है। यूएई ने भी बयान जारी कर इसे आपराधिक कृत्य बताया और कड़ी निंदा की। यूएई के विदेश मंत्रालय ने भारत सरकार और इस जघन्य हमले के पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की।

नई दिल्ली में ईरान के दूतावास ने एक्स पर बयान जारी कर हमले की कड़ी निंदा की है। बयान के अनुसार, नई दिल्ली में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का दूतावास जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता है, जिसमें कई निर्दोष लोग मारे गए हैं और घायल हुए हैं। दूतावास ने पीड़तों और उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना जताई है। मुस्लिम वर्ल्ड लीग के सेक्रेटरी जनरल शेख मोहम्मद बिन अब्दुलकरीम अल-इसा ने भी भयानक आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्ति की है।

## अमेरिका आतंक की लड़ाई में भारत के साथ : ट्रंप

- पहलगाम में बर्बर आतंकी हमले से दुखी हूं : नेतन्याहू
- यूरोपीय संघ ने कहा, भारत की इच्छा शक्ति अटूट
- मुश्किल घड़ी में भारत के साथ खड़ा है जर्मनी
- कश्मीर में आतंका हमला बेहद भयावह : ब्रिटेन
- सऊदी अरब ने कहा, यह आपराधिक कृत्य
- ईरान ने की हमले की निंदा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के खिलाफ दिल्ली में बुधवार को प्रदर्शन करते लोग।

## आतंकी हमले के खिलाफ जम्मू में महिलाओं ने किया प्रदर्शन

**जम्मू।** पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के खिलाफ महिलाएं भी सड़कों पर उतर आई हैं और आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने की मांग कर रही हैं। मंगलवार को जम्मू समेत कई क्षेत्रों में महिलाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने आतंकवाद मुर्दाबाद, शहीदों को सलाम, जैसे नारे लगाए।

# घाटी में पसरा सन्नाटा

- 370 हटने के बाद पहली बार कश्मीर घाटी पूरी तरह बंद

एजेंसी

**श्रीनगर।** पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में कश्मीर घाटी में सन्नाटा छाया हुआ है। आतंकी हमले के विरोध में बुधवार को सभी व्यापारिक संस्थानों, दुकानों और स्कूल को बंद रखा गया है। इतना बड़ा विरोध 370 हटने के बाद पहली बार कश्मीर घाटी पूरी तरह बंद रही है। इस नृशंस वारदात के खिलाफ लोगों ने विरोध जताया, जिससे घाटी की सड़कों पर सन्नाटा छा गया। यह पहला मौका है जब अनुच्छेद 370 के हटने के बाद कश्मीर में ऐसा व्यापक विरोध देखा गया। इससे पहले 2019 तक, अलगाववादी संगठन ऐसे बंद का आह्वान किया करते थे। लेकिन इस बार सभी मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियों, व्यापार मंडलों, स्कूल संगठनों और यहां तक कि मुताहिदा मजलिसे उलमा ने भी बंद का समर्थन किया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस क्रूर हमले पर दुख और आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि यह बर्बरता हमारे समाज में कतई स्वीकार नहीं की जा सकती।

**स्कूल-कालेज बंद, आवाजाही ठप :** श्रीनगर के लाल चौक से लेकर पुराने शहर तक दुकानें बंद रहीं। यातायात बेहद सीमित रहा। अधिकतर स्कूल-कॉलेज भी बंद रहे। पर्यटक कारोबार पर भी इसका बड़ा असर पड़ा है। गृहमंत्री अमित शाह, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और सीएम उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर के पुलिस नियंत्रण कक्ष में पहुंचकर शहीद पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि मृतकों के शवों को सम्मानपूर्वक उनके घरों तक पहुंचाया जा रहा है। घायलों का बेहतरीन इलाज कराया जा रहा है।

**ठोस कार्रवाई की मांग:** मुताहिदा मजलिसे उलमा ने कहा कि जो किसी निर्दोष को मारता है, वह पूरी मानवता की हत्या करता है... इस नृशंस कृत्य के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध जताने के लिए बंद जरूरी है। यह आतंकी हमला न केवल कश्मीर के पर्यटन उद्योग, बल्कि देश की सुरक्षा व्यवस्था पर ड्डी एक गंड्डीर सवाल खड़ा करता है। घाटी में इस हमले को लेकर गम और गुस्से का माहौल है। लोग अब निर्णायक कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पहाड़ी इलाका बैसारन जहां यह हमला हुआ, पूरी तरह बंद रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने पुरुषों को निशाना बनाया और महिलाओं-बच्चों को छोड़ दिया, जिससे हमले की सुनियोजित प्रकृति का संकेत मिलता है।

### बीपीएससी मुख्य परीक्षा पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

**नयी दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 25 अप्रैल को होने वाली 70वीं संयुक्त प्रतियोगी मुख्य परीक्षा पर रोक लगाने से बुधवार को साफ तौर पर इंकार कर दिया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने इस संबंध में पटना उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। पीठ ने पिछले साल 13 दिसंबर 2024 को आयोजित की गई 70वीं संयुक्त प्रतियोगी प्रारंभिक परीक्षा के दौरान बड़े पैमाने पर कदाचार का आरोप लगाते हुए 25 अप्रैल 2025 को होने वाली इसकी मुख्य परीक्षा रद्द करने की मांग वाली याचिकाएं खारिज कर दीं। पीठ ने सभी अभ्यार्थियों के लिए फिर से परीक्षा आयोजित करवाने को उचित ठहराने के लिए निर्णायक सबूतों की कमी का हवाला देते हुए यह आदेश पारित किया।

शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अगुवाई वाली पीठ ने 13 दिसंबर, 2024 को आयोजित बीपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितताओं और उसके बाद प्रदर्शनकारी उम्मीदवारों पर पुलिस कार्रवाई के संबंध में एक अलग याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। तब अदालत ने याचिकाकताओं को पटना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को कहा था।

# प्रधानमंत्री आज जायेंगे मधुबनी

- पंचायती राज संस्थानों और ग्राम सभाओं को संबोधित करेंगे मोदी
- 13,500 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात भी देंगे

एजेंसी

**नयी दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस के मौके पर बिहार के मधुबनी जाएंगे। वे वहां आयोजित मुख्य समारोह में शामिल होंगे और देश भर के पंचायती राज संस्थानों और ग्राम सभाओं को संबोधित करेंगे। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 भी प्रदान करेंगे। इसके साथ ही 13,500 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात भी देंगे। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि गुरुवार को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की 32वीं वर्षगांठ है। इसका मुख्य समारोह बिहार के मधुबनी जिले में झंझारपुर ब्लॉक के लोहना उत्तर ग्राम पंचायत में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री इस अवसर पर देश भर के पंचायती राज संस्थानों और ग्राम सभाओं को संबोधित करेंगे और विशेष श्रेणी के राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 भी प्रदान करेंगे। इस साल राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस को संपूर्ण-सरकार दृष्टिकोण के साथ एक प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में मनाया जा रहा है, जिसमें छह केंद्रीय मंत्रालय-ग्रामीण विकास मंत्रालय, आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, बिजली मंत्रालय, रेल मंत्रालय, और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की भागीदारी शामिल हैं। प्रधानमंत्री इस अवसर पर इन मंत्रालयों से जुड़ी कई प्रमुख अवसंरचना और कल्याणकारी परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे और उनका शिलान्यास करेंगे। इनमें एलपीजी बॉटलिंग प्लांट, विद्युतीकरण परियोजनाएं, आवास योजनाएं, रेलवे अवसंरचना और सड़क विकास शामिल हैं, जिनकी लागत लगभग 13,500 करोड़ रुपये है। इस कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, बिहार के पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा और पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज सहित कई गण्यमान्य लोग शामिल होंगे।

### उरी में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो आतंकी ढेर

**श्रीनगर।** उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में एलओसी पर बुधवार को घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी गई। सेना ने दो आतंकवादियों को मार गिराया। यह कोशिश जम्मू-कश्मीर में नागरिकों पर सबसे घातक आतंकवादी हमले के एक दिन बाद नाकाम की गई, जिसमें अनंतनाग जिले के पहलगाम के प्रसिद्ध रिसॉर्ट के पास एक घास के मैदान में 25 पर्यटक और एक स्थानीय व्यक्ति मारे गए थे। सेना के श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने कहा कि दो से तीन अज्ञात आतंकवादियों ने उरी नाला के पास सरजीवन के सामान्य क्षेत्र से घुसपैठ की कोशिश की। एलओसी की सुरक्षा में तैनात सतर्क सैनिकों ने इस प्रयास का पता लगाया और उसे रोक दिया, जिसके बाद गोलीबारी हुई। सेना ने बताया कि भारी गोलीबारी में दो घुसपैठिए मारे गए। आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और युद्ध संबंधी अन्य सामान बरामद किया गया है।

# कश्मीर की बुकिंग रद्द कराने लगे पर्यटक

एजेंसी

**नयी दिल्ली।** पहलगाम में हुए आंतकी हमले ने पलक झपकते ही कश्मीर की टूरिज्म इंडस्ट्री को तबाह कर दिया है। फिलहाल पूरे पर्यटन सीजन के लिए पर्यटकों ने अपनी बुकिंग रद्द करानी शुरू कर दी है। इससे ट्रैवल ऑपरेटर्स को भी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हो गये हैं कि बुकिंग कैंसल कराने से एक दिन में 70 फीसदी तक टूर रद्द हो गये हैं। डीजीसीए और नागरिक उड्डयन मंत्रालय अतिरिक्त उड़ानों की व्यवस्था व्यवस्थित कर रहे हैं। श्रीनगर और जम्मू के बीच एनएच-44 को फिर से जोड़ दिया गया है, ताकि पर्यटक जल्द से जल्द वापसी कर सकें। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि राज्य से पर्यटकों का पलायन देखकर दिल टूट गया है। दूसरी तरफ अमरावती के एक टूर ऑपरेटर को 38 लाख रुपए का नुकसान हुआ है, क्योंकि पहलगाम हमले की वजह से लोगों ने अपनी बुकिंग कैंसल कर दी है। जम्मू रेलवे स्टेशन पर श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सरस्वती धाम के एक कोने में चुपचाप बैठे, अमरावती के 'ईश्वर ट्रैवल्स' में काम करने वाले 29 वर्षीय टूर मैनेजर शुभम रवींद्र वडकर ने बताया कि उनके फर्म को अब लाखों रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। मंगलवार को हथियारबंद आतंकियों ने श्रीनगर से करीब 100 किलोमीटर दूर पहलगाम के बैसरन में सैलानियों पर धर्म पूछकर गोलियां बरसाईं थीं, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गयी थी।

### पर्यटकों का पलायन देखकर दिल टूट गया : उमर अब्दूल्ला

# शेयर बाजार में लगातार सातवें दिन भी तेजी जारी

## सेंसेक्स सत्रह सप्ताह बाद 80 हजार के पार

- सेंसेक्स 521 अंक उछलकर 80,116 अंक पर पहुंचा और निफ्टी 162 अंक मजबूती के साथ 24, 329 पर हुआ बंद

एजेंसी

**मुंबई।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के चीन से होने वाले आयात पर शुल्क (टैरिफ) में कमी किये जाने के संकेत से स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार लागातार सातवें कारोबारी सत्र में लंबी छलांग लगाकर बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 520.90 अंक अर्थात 0.65 प्रतिशत की तेजी के साथ करीब सत्रह सप्ताह के उच्चतम स्तर एवं 80 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 80,116.49 अंक पर पहुंच गया। इससे पहले 18 दिसंबर 2024 को यह 80,182.20 अंक पर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 161.70 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24328.95 अंक पर रहा। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.94 प्रतिशत की छलांग लगाकर 43,660.36 अंक और स्मॉलकैप 0.26 प्रतिशत चढ़कर 49,272.64 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 4106 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2078 में लिवाली जबकि 1873 में बिकवाली हुई वहीं 155 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए रखी गई कुल 2931 कंपनियों में से 1516 में तेजी जबकि 1340 में गिरावट रही वहीं 75 में टिकाव रहा। बीएसई में वित्तीय सेवाएं, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और बैंकिंग में 0.94 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर अन्य 18 समूहों में तेजी रही। इस दौरान फोकस्ड आईटी 4.25, आईटी 4.00, टेक 3.10, ऑटो 2.34, कमोडिटीज 0.11, सीडी 1.02, ऊर्जा 0.18, एफएमसीजी 0.47, हेल्थकेयर 0.96, इंडस्ट्रियल्स 0.84, दूरसंचार 0.51, यूटिलिटीज 0.83, कैपिटल गुड्स 1.03, धातु 0.78, तेल एवं गैस 0.10, पावर 0.97, रियल्टी 1.37 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.85 प्रतिशत उछल गए। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 547 अंक की तूफानी तेजी के साथ 80,142.09 अंक पर खुला और दमदार लिवाली के दम पर थोड़ी देर बाद ही 80,254.55 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, ऊंचे भाव पर हुई मुनाफावसूली से यह दोपहर से पहले 79,506.90 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 79,595.59 अंक के मुकाबले 0.65 प्रतिशत उछलकर 80,116.49 अंक पर बंद हुआ।

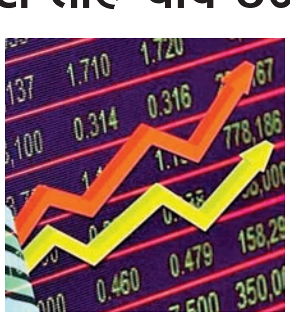

### निवेशकों ने कमाया 2.90 लाख करोड़

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 3 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 430.27 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को मार्केट कैप 427.37 लाख करोड़ रुपये था। निवेशकों को करीब 2.90 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।